राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 सरकार बनने पर हर जिले में होगाशिवाजी महाराज का मंदिरः उद्धव

मुकेश अंबानी की कंपनी देगी एक शेयर पर एक शेयर फ्री 10

वर्ष : 12 | अंक : 180 | पटना, सोमवार, 14 अक्टूबर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

अधिकतम तापमान 33.0°C
न्यूनतम तापमान 25.0°C

सोना 75,920

चांदी 91,900

सेंसेक्स 83,584

निफ्टी 25,698

संक्षिप्त खबरें

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री की बढ़ाई गई सुरक्षा

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या से पूरे शहर में शोक की लहर है। इस बीच दक्षिण मुंबई के मालाबार हिल इलाके में स्थित मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के सरकारी आवासों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस ने मालाबार हिल इलाके में कुछ महत्वपूर्ण स्थानों पर सुरक्षा के लिए बैरिकेड्स लगाने के आदेश दिए हैं। शनिवार रात बाबा सिद्दीकी की हत्या तीन लोगों ने की थी। हत्या में शामिल एक आरोपी हरियाणा और दूसरा उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि तीसरा फरार है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के नाम शिवा, धर्मराज और गुरमेल हैं। शिवा और धर्मराज उत्तर प्रदेश के बहराइच के रहने वाले हैं। इन दोनों का कोई पिछला आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, जबकि गुरमेल हरियाणा का रहने वाला है। धर्मराज और गुरमेल को गिरफ्तार कर लिया गया है। शिवा फरार है। बताया जा रहा है कि उसे इस हत्या की सुपारी दी गई थी।

बाबा सिद्दीक की हत्या से देशभर के लोग खौफजदा : केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित गुट) के नेता एवं राज्य के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की मुंबई में जिस प्रकार सरेआम हत्या कर दी गई, उससे ना केवल महाराष्ट्र, र बल्कि देशभर के लोग खौफजदा हैं। श्री केजरीवाल ने एक्स पर कहा, ह्लमुम्बई में सरेआम राकांपा नेता की गोली मारकर हत्या की इस वारदात से ना केवल महाराष्ट्र, बल्कि देशभर के लोग खौफजदा हैं। दिल्ली में भी कमोबेश यही माहौल बना दिया है इन्होंने। ये लोग पूरे देश में गैंगस्टर राज लाना चाहते हैं। जनता को अब इनके खिलाफ खड़ा होना ही पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि मुंबई के बांद्रा इलाके में शनिवार देर रात हमलावरों ने श्री सिद्धिकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

भीषण सड़क हादसा, दो विदेशी महिला समेत तीन की मौत

इटावा। यूपी के इटावा जिले में आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर माइलस्टोन-125 पर भीषण सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में दो विदेशी महिला समेत तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसे में कार चालक संजीव कुमार, तीन सगी बहनें क्रिस्टन उर्फ तबस्सुम, आतिफा, नाज 30, कैटरीना और राहुल गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल में उपचार के दौरान नाज, कैटरीना और कार चालक संजीव कुमार की मौत हो गई। मृतकों में शामिल दो विदेशी लड़कियों में से एक रूस की और एक अफगानिस्तान की रहने वाली है। मृतकों के परिजनों ने बताया कि सभी लोग लखनऊ घूमने गए थे और वापस लौटते समय यह हादसा हो गया। हादसे की सूचना मिलने के बाद दिल्ली से पीड़ित के परिजन सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी पहुंचे। शुरूआती जानकारी के अनुसार, ओवर स्पीड के कारण उनकी गाड़ी आगे चल रहे किसी अज्ञात वाहन से टकरा गई। जिससे गाड़ी में बैठे 6 लोग घायल हो गए। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

.....और देखते ही देखते जल गया 80 फीट का रावण

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

गांधी मैदान में 80 फीट का रावण, 75 फीट का मेघनाद और 70 फीट के कुंभकरण को जलते देखने के लिए शनिवार को लोग अपने परिवार के संग पहुंचे। रावण वध को नजदीक से देखने के लिए लोग दोपहर से ही गांधी मैदान पहुंचने लगे थे। शाम चार बजते-बजते पूरा गांधी मैदान लोगों से खचाखच भर गया। लेकिन लोगों के आने का सिलसिला जारी रहा। जिधर नजर घुमाईए लोगों की भीड़ ही नजर आ रही थी। हर कोई रावण, मेघनाद और कुंभकरण की ओर एक टक नजर लगाए बैठे थे कि कब लंका दहण का कार्यक्रम शुरू होगा।

क्रेन से हुई हनुमान जी की एंट्री : गांधी मैदान में हनुमान जी की क्रेन से एंट्री होते ही जय श्रीराम के जयकारे लगने लगे। हनुमान जी की शानाद एंट्री देख लोग खूब जोर-जोर से जय बजरंग बली के जयकारे भी लगाने लगे।

हनुमान जी गांधी मैदान में गदा लहराते हुए लंकेश के सोने की लंका पहुंचे और फिर अपनी पूंछ से लंका में आग लगा दी। सोने की लंका देखते ही देखते राख हो गई।

राम-लक्ष्मण की झांकी ने लोगों का मोहा मन : हनुमान ने लंका में आग लगाकर जब अपना काम कर दिया तो फिर भगवान राम और लक्ष्मण की झांकी निकली। राम-लक्ष्मण की झांकी देख लोग हाथ जोड़कर प्रणाम करने लगे। ऐसा लग रहा था जैसे मानो भगवान श्री राम साक्षात गांधी मैदान में आ गए हो। ये मनोरम दृश्य देख लोग भावुक हो उठे। प्रभु श्री राम लोगों को आशिर्वाद देते हुए बढ़ते रहे।

राज्यपाल व सीएम ने रावण वध कार्यक्रम का किया उद्घाटन

राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व विजयादशमी के मौके पर श्री रामलीला महोत्सव एवं रावणवध समारोह-2024 का दीप प्रज्जवलित कर उद्घाटन किया। श्री श्री दशहरा कमिटी ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस रावण दहन कार्यक्रम में सबसे पहले आयोजकों द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का स्वागत स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र और धार्मिक पुस्तक भेंट कर किया गया। मुख्यमंत्री ने गुब्बारा उड़ाकर राज्य में शांति एवं सौहार्द्र कायम रखने का संदेश दिया।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने उतारी आरती :

रावण वध शुरू होने से पहले राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भगवान श्री राम की आरती उतारी और माला पहनाकर उनका स्वागत किया। फिर रामलीला शुरू हुई और रावण दहन कार्यक्रम शुरू हुआ।

धू-धू कर जला लंकेश :

मंच से राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा ने हाथों में तीर-धनुष लेकर रावण की ओर प्रतीकात्मक वार किया फिर रावण दहन का कार्यक्रम गांधी मैदान में आगे बढ़ा। भगवान श्री राम ने तीर चलाकर पहले कुंभकरण का वध किया फिर मेघनाद और अंत में रावण धू-धू कर जल गया। मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष अरुण कुमार ने दशहरा कमिटी ट्रस्ट को मेरिन ड्राईभ के आस पास कही पर जमीन उपलब्ध करवाने का सरकार से अनुरोध किया।

बिहटा सरमेरा एसएच 78 पर बढ़िया गांव के पास हुआ हादसा

नालंदा : भीषण सड़क हादसे में चार की मौत

प्रात : किरण

पटना/एजेंसी।। नालंदा जिले के सरमेरा थाना क्षेत्र में हुई एक भीषण सड़क दुर्घटना में चार युवकों की मौत हो गई। वहीं, दो युवकों की हालत गंभीर है। इनका इलाज चल रहा है। यह हादसा शनिवार मध्य रात्रि को बिहटा सरमेरा एसएच 78 पर बढ़िया गांव के पास हुआ। बताया जाता है कि छह युवक दो मोटरसाइकिल पर सवार होकर मेला देखने गए थे। वापस लौटते समय दोनों मोटरसाइकिलें आमने-सामने टकरा गईं। हादसा इतना भीषण था कि चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस ने चारों युवकों की लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल में भर्ती करवाया। पुलिस के अनुसार, दो बाइक के बीच टक्कर हुई थी। इसमें चार युवक की मौत हो गई। प्राथमिक जांच में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि दोनों बाइक काफी तेज रफ्तार में थी। दोनों बाइक के परखच्चे उड़ गए हैं।

आमने सामने की टक्कर में दोनों बाइक के उड़ गए परखच्चे

परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल :

मरने वालों की पहचान शेखपुरा निवासी दिलीप कुमार के पुत्र राजन कुमार, सरमेरा थाना क्षेत्र के मोहद्दीपुर निवासी संजय केवट के पुत्र सोनू कुमार, गया जिला के नीमचक बथानी थाना क्षेत्र के धर्मोचक गांव निवासी जागेश्वर केवट के पुत्र बॉस कुमार और शेखपुरा जिला निवासी राजकुमार पासवान के पुत्र शशि रंजन के रूप में हुई है। घायलों को पटना रेफर किया गया है। वहीं थानेदार विकास कुमार यादव पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि मामले में आगे की जांच चल रही है। इधर, हादसे के बाद मृतकों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सीएम नीतीश ने जताई संवेदना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नालंदा जिले के सरमेरा थानाक्षेत्र में हुए सड़क हादसे में चार लोगों की मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने इस हादसे को अत्यंत दुखद बताया और पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों को इस कठिन समय में धैर्य और साहस प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है।

पीएम गति शक्ति भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांति और नए अवसरों का सृजन : मोदी

पीएम गति शक्ति पहल के तीन साल पूरा होने पर पीएम ने दी बधाई

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। पीएम गति शक्ति पहल के तीन साल पूरे हो चुके हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पीएम गति शक्ति के भारत की बुनियादी ढांचे और विकास पर पड़ने वाले प्रभाव का जिक्र किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर माई गवर्नमेंट इंडिया ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, आज हम पीएम गति शक्ति के तीन साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, जिसे पीएम मोदी ने लॉन्च किया था। यह अभूतपूर्व पहल भारत के बुनियादी ढांचे को और अधिक स्मार्ट और एकीकृत बना रही है, आर्थिक विकास को बढ़ावा दे रही है और विकास के भविष्य को आकार दे रही है। इस पोस्ट पर पीएम मोदी ने लिखा, गति शक्ति की बदौलत देश विकसित भारत के हमारे सपने को

पूरा करने के लिए गति के साथ आगे बढ़ रहा है। यह प्रगति, उद्यमशीलता और नवाचार को प्रोत्साहित करेगा। इसके अलावा, उन्होंने इस दूसरे पोस्ट में लिखा, पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांति लाने के उद्देश्य से एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में उभरा है। इसने मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया है, जिससे सभी क्षेत्रों में तेज और अधिक कुशल विकास हुआ है। इसने लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा दिया है, देरी कम हुई है और कई लोगों के लिए नए अवसर पैदा हुए हैं। पीएम गति शक्ति के तीन साल पूरे होने पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर पोस्ट किया, आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी के लिए प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के शुभारंभ के 3 वर्ष पूरे हो गए हैं। लॉजिस्टिक्स को सुव्यवस्थित करके और कनेक्टिविटी को आगे बढ़ाकर, यह पथप्रदर्शक पहल तेज और अधिक कुशल परियोजना कार्यान्वयन सुनिश्चित करती है। यह एक आधुनिक, परस्पर जुड़े बुनियादी ढांचे के नेटवर्क को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे विकसित भारत के निर्माण की दृष्टि को मजबूती मिलती है।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड : पुलिस रिमांड में भेजे गए दोनों आरोपी

प्रात : किरण

मुंबई। अजित पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार दो आरोपियों को 21 अक्टूबर तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। बाबा सिद्दीकी की शनिवार रात यहां उनके कार्यालय के बाहर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने गिरफ्तार दोनों आरोपियों को रविवार को अदालत में पेश किया था और उनकी 14 दिन की रिमांड मांगी थी। पुलिस ने अदालत को बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में दोनों आरोपी विरोधाभासी जानकारी दे रहे हैं। इसे देखते हुए 14 दिन की रिमांड जरूरी हो जाती है, ताकि उनसे कई पहलुओं पर विस्तार पूर्वक पूछताछ हो सके। पुलिस ने बताया कि इन आरोपियों ने पुणे में रहकर रेकी की थी। यह पता लगाना जरूरी हो जाता है कि आखिर इनके पास से हथियार कहां से आए। इन्हें किसी ने मुहैया कराया था या इन्होंने इसका बंदोबस्त खुद ही किया था। यह सभी जांच के बाद ही साफ हो पाएगा। पुलिस का कहना है कि हमें कई पहलुओं से इस मामले की जांच करनी होगी, तभी जाकर पूरी स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों में से एक उत्तर प्रदेश और दूसरा हरियाणा का है, जबकि तीसरे आरोपी की पहचान हो चुकी है। उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उधर, अब खबर है कि इस मामले में चौथे आरोपी मोहम्मद जीशान अख्तर का नाम भी सामने आया है। उनके कार्यालय के बाहर पहले से घात लगाकर बैठे आरोपियों ने बाबा सिद्दीकी को पांच राउंड गोली मारी थी, जिसमें तीन गोलियां उन्हें लगीं। सिद्दीकी की पेट और छाती पर गोली लगने की बात सामने आई थी। उन्हें मुंबई के लीलावती अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस हत्याकांड के बाद महाराष्ट्र में सियासी उबाल चरम पर है। सभी विपक्षी नेताओं कानून-व्यवस्था को लेकर महायुति सरकार पर निशाना साधा है।

महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त : राहुल

बोलें-बाबा सिद्दीकी की हत्या चौंकाने वाली घटना

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और कारोबारी बाबा जियाउद्दीन सिद्दीकी की हत्या को हैरान करने वाली घटना बताया है। राहुल से पहले मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी सोशल प्लेटफॉर्म पर बाबा की हत्या पर दुख जताते हुए जवाबदेही की मांग उठाई। बाबा सिद्दीकी की हत्या से राहुल गांधी स्तब्ध हैं। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, बाबा सिद्दीकी की हत्या चौंकाने वाली घटना है। यह भयावह घटना महाराष्ट्र में पूरी तरह ध्वस्त कानून-व्यवस्था को उजागर करती है। सरकार को जिम्मेदारी लेनी चाहिए और न्याय मिलना चाहिए। मल्लिकार्जुन खड़गे ने पूर्व कांग्रेसी नेता रहे बाबा के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा है, महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री श्री बाबा सिद्दीकी का दुखद निधन शब्दों से परे सदमा पहुंचाने वाला है। इस दुख की घड़ी में मैं उनके परिवार, मित्रों और समर्थकों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। न्याय सुनिश्चित किया जाना चाहिए और वर्तमान महाराष्ट्र सरकार को गहन और पारदर्शी जांच का आदेश देना चाहिए। दोषियों को जल्द से जल्द सजा मिलनी चाहिए। जवाबदेही सर्वोपरि है। हत्या के तुरंत बाद महाराष्ट्र सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा था कि जो भी इस हत्या के पीछे है उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। सीएम शिंदे ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए बताया था कि दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। एक उत्तर प्रदेश का और एक हरियाणा का रहने वाला है। तीसरा आरोपी फरार है। उन्होंने कहा, मैंने पुलिस को कठोर कार्रवाई का निर्देश दिया है।

आरजी कर मामला : आईएमए ने 24 घंटे की राष्ट्रव्यापी भूख हड़ताल की घोषणा की

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने पश्चिम बंगाल के डॉक्टरों के समर्थन में 15 अक्टूबर को 24 घंटे की राष्ट्रव्यापी भूख हड़ताल की घोषणा की है। यह हड़ताल कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में बलात्कार और हत्या की शिकार हुई युवा डॉक्टर को न्याय दिलाने के लिए किया जाएगा। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब अस्पताल में जूनियर डॉक्टरों का अनशन नौवें दिन में प्रवेश कर गया है। अब तक तीन डॉक्टरों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आईएमए ने रविवार को एक बयान में कहा, राष्ट्रव्यापी कार्रवाई का नेतृत्व आईएमए जूनियर डॉक्टर्स नेटवर्क और मेडिकल स्टूडेंट्स नेटवर्क द्वारा किया जाएगा। बयान में कहा गया, देश भर में आईएमए जूनियर डॉक्टर्स नेटवर्क (जेडीएन) मंगलवार को सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक उपवास का आयोजन करेगा। आईएमए जेडीएन आरडीए के साथ समन्वय करेगा और साथ ही उनके स्थानीय कार्यों का समर्थन करेगा। इसमें कहा गया है, कोलकाता के युवा डॉक्टर अपनी जायज मांगों को लेकर आमरण अनशन पर हैं। वे अपने अनशन के नौवें दिन में हैं। उनमें से तीन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आंदोलन को लोगों का समर्थन मिल रहा है। आईएमए ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से उनकी मांगों को स्वीकार करने की अपील की है। इसके अलावा आईएमए ने कहा कि उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष आरवी अशोकन ने अनशन कर रहे युवा डॉक्टरों से मुलाकात की। इसकी बंगाल इकाई सक्रिय रूप से आंदोलन में युवा डॉक्टरों का समर्थन कर रही है। बयान में कहा गया, आईएमए बंगाल ने सभी स्थानीय शाखाओं में रविवार को उपवास रखकर एकजुटता की घोषणा की। आईएमए ने देश के सभी पदाधिकारियों और रेजिडेंट डॉक्टरों से भी अनशन में शामिल होने का आग्रह किया है।

योजना योजना में किसी भी तरह की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी : मंत्री

मनरेगा के क्रियान्वयन के लिए 7 अरब 90 करोड़ 82 लाख की राशि जारी

प्रात : किरण

पटना। ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री श्रवण कुमार ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए ग्रामीण विकास विभाग ने केन्द्र सरकार से प्राप्त होने पर चालू वित्तीय वर्ष के लिए तृतीय किस्त के रूप में कुल केन्द्रांश सात अरब नब्बे करोड़ पचासी लाख सत्ताईस हजार रुपए राज्य के सभी जिलों के लिए बिहार सरकार ने आने वाली त्योकहारों के मददेनजर बजट जारी किया। इस योजना का मुख्य उद्देश्यस आजीविका सुरक्षा को सुदृढ़ करने के साथ-साथ टिकाऊ परिसम्पति का सृजन कर ग्रामीण क्षेत्रों का विकास करना है। योजना अंतर्गत प्रत्येक परिवार के इच्छुक वयस्क सदस्यों द्वारा काम मांगने पर एक वित्तीय वर्ष में 100 दिनों का अकुशल मजदूरी दिये जाने का

प्रावधान है। योजनान्तर्गत केन्द्र सरकार द्वारा मजदूरी मद में राज्य के अकुशल श्रमिकों हेतु निधार्रित मजदूरी दर के अनुरूप व्यय राशि का शत-प्रतिशत तथा सामग्री मद में निर्धारित सीमा के अधीन 75 प्रतिशत राशि का वहन केन्द्र सरकार द्वारा तथा 25 प्रतिशत राशि का वहन राज्य सरकार द्वारा किया जाना है। मंत्री ने आगे बताया कि विभागीय पदाधिकारी को निदेशित किया है कि योजना की लगातार समीक्षा कर संचालित मनरेगा योजनाओं को ससमय पूरा किया जाय।

इस योजना में किसी भी तरह की शिथिलता बर्दाश्ती नहीं की जाएगी। मंत्री ने कहा कि यह योजना बिहार के ग्रामीण जनता को रोजगार मुहैया कराने का प्रमुख साधन है। इसी संबंध में मंत्री ने सभी क्षेत्रीय पदाधिकारियों को निदेश दिया है कि दशहरा महोत्सरव एवं आने वाली प्रमुख त्योधहारों को देखते हुए विशेष तैयारी करते हुए जॉब कार्ड बनाने हेतु इच्छुक लोगों से आवेदन प्राप्त कर निर्धारित समय सीमा के अंदर जॉब कार्ड उपलब्ध कराया जाय एवं ससमय मजदूरों को रोजगार दिया जाय ताकि योजना तीव्र गति से पूरा हो सके साथ हीं मंत्री ने मनरेगा योजना के साथ हीं जीविका योजना के लिए भी बिहार के विभिन्न ग्रामीण इलाकों में संचालित जीविका के हजारों स्वयं सहायता समूहों को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में द्वितीय किस्त के रूप में 52282.62 लाख रुपए का राशि जारी किया है। यह राशि स्वयं सहायता समूहों को चक्रीय निधि एवं सामुदायिक निवेश निधि के तहत प्रदान की जाएगी जिसका उपयोग समूह सदस्यों द्वारा कृषि, पशुपालन, हस्तशिल्प, लघु उद्योग, और अन्य जीविकोपार्जन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए किया जाएगा। इसके साथ ही, इन गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और परिवारों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में भी मदद मिलेगी। विशेष रूप से, ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के साथ-साथ उनके उत्पादों को बेहतर मूल्य प्राप्त होगा।

महिलाएं हो रही आत्मनिर्भर व सशक्त :

मंत्री श्रवण कुमार बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा शुरू किया गया जीविका एक महत्वाकांक्षी योजना है। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को संगठित कर उन्हें सशक्त करना और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना है। जीविका के तहत, विभिन्न जिलों में 10 करोड 63 लाख स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है जिससे 1 करोड़ 34 लाख से अधिक महिलाएँ जुड़ी हैं। लगभग 6 हजार स्वयं सहायता समूह की महिलाएँ बैंक सखी बनकर ग्रामीण क्षेत्र में वित्तीय सुविधाएँ मुहैया करा रही है। समूहों के माध्यम से महिलाएं ना केवल आर्थिक रूप से सक्षम हो रही हैं, बल्कि सामुदायिक विकास में भी सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं।

हरियाणा में नया मुख्यमंत्री चुनने के लिए पर्यवेक्षक बने अमित शाह

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी भाजपा ने हरियाणा में विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। पार्टी महासचिव अरुण सिंह ने रविवार को यहां एक विज्ञप्ति में बताया कि पार्टी के संसदीय बोर्ड ने हरियाणा में विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए श्री शाह और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। इसी तरह से पार्टी संसदीय बोर्ड ने जम्मू-कश्मीर विधायक दल के नेता के चयन के लिए केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। राजनीतिक हलकों में श्री शाह को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किए जाने को आश्चर्य से देखा जा रहा है। हाल के वर्षों में ऐसा पहली बार हुआ है जब श्री शाह को किसी राज्य विधानसभा के चुनाव के बाद भाजपा विधायक दल के नेता के चुनाव की जिम्मेदारी दी गई है। इससे यह संकेत भी मिल रहा है कि हरियाणा में नई सरकार में नये और अप्रत्याशित चेहरों को जगह मिलने की संभावना है।

संक्षिप्त खबरें

नीलगाय को बचाने में बाइक सवार दंपती जख्मी

फतुहा। बीते शनिवार को रात थाना क्षेत्र के कोल्हर पुल के समीप एनएच 30 ए पर नीलगाय को बचाने में एक बाइक पर सवार दम्पति समेत तीन लोग जख्मी हो गये। जानकारी होते ही पुलिस ने तीनों को स्थानीय सीएचसी में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद दम्पति को एनएमसीएच के लिए रेफर कर दिया गया तथा एक अन्य का इलाज निजी अस्पताल में कराया गया। बताया जाता है कि फतुहा शीशामील यदुवंश नगर के रहने वाले दिलीप कुमार अपनी एएनएम पत्नी प्रेमलता कुमारी को करायपरशुराय पीएचसी से साथ लेकर घर लौट रहे थे। उनके साथ उनका दोस्त पुष्पेंद्र कुमार भी साथ थे। कोल्हर पुल के पास अचानक उनकी बाइक के आगे एक नीलगाय आ गयी। उसे बचाने के चक्कर में बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गयी तथा बाइक पर सवार तीनों जख्मी हो गये।

शहर में शांतिपूर्वक संपन्न हुआ दशहरा

फतुहा। बीते शनिवार को प्रखंड क्षेत्र के शहरी व ग्रामीण इलाके में मूर्ति विसर्जन के साथ ही दशहरा का पर्व छिटपुट घटनाओं को छोड़ कर शांतिपूर्ण सम्पन्न हो गया। बीते शनिवार को देर रात तक मूर्ति विसर्जन का दौर चलता रहा। अथाह भीड़ व भारी संख्या में जुटे श्रद्धालुओं के उपस्थिति में भी कहीं से अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। जगह-जगह पर पुलिस प्रशासन मुस्तैद रही। शहर में निकले विसर्जन जुलूस के साथ-साथ केवला घाट पर हो रहे मूर्ति विसर्जन की प्रक्रिया पर एसडीपीओ निखिल कुमार की पैनी नजर बनी रही। बैंड-बाजे, हाथी-घोड़ा व अखाड़े के साथ मूर्ति विसर्जन की प्रक्रिया जारी रही। जुलुस में कहीं से भी अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन नहीं देखा गया। पुलिस ने डीजे वालों पर भी कारवाई कर कई डीजे को जब्त किया। प्रखंड कार्यालय के सामने सम्मसपुर काली जी व रायपुरा काली जी की खोइचा मिलन समारोह श्रद्धालुओं के लिए अद्भुत दृश्य रहा। महिलाओं ने नम आंखों से दोनों काली जी की खोइचा बदलकर विदाई दी। गंज पर के बड़ी देवी जी पर स्टेशन रोड में श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। नदी थाना क्षेत्र में भी पुलिस की तैनाती में मूर्ति विसर्जन शांतिपूर्ण सम्पन्न हुआ।

विजयादशमी को श्रद्धालुओं के बीच खिचड़ी महाप्रसाद का हुआ वितरण

फतुहा। शहर में बांकीपुर गोरख स्थित 5 स्टार क्लब भारत माता पूजा समिति की ओर से खिचड़ी महाप्रसाद का वितरण किया गया। जिसे सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने चखा। 5 स्टार क्लब द्वारा काफी सुंदर पंडाल बनाया गया था। खिचड़ी महाप्रसाद वितरण में भाजपा नेत्री अनामिका अग्रवाल, पीयूष कुमार (जिम्मी), सूरज गुप्ता, बलराम कुमार (बल्लू), आकाश कुमार, गोलू कुमार, प्रियेश कुमार, रौशन गुप्ता का योगदान महत्वपूर्ण रहा।

मां दुर्गा के विसर्जन पर खगौल की बिजली हुई गुल, लोगों ने मचाया शोर

दानापुर खगौल नगर के अंतर्गत शहर में शनिवार को मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन के समय बिजली विभाग की लापरवाही के कारण खगौल को अंधेरे ने घेर लिया चारों तरफ अंधकार सी छा गई। रात 9:00 बजे के आसपास पूरे खगौल की अचानक बिजली गुल हो जाने के कारण सारा शहर अंधेरे में समा गया चारों तरफ शोरगुल की आवाज साफ सुनाई दे रही थी सड़क के किनारे वह बीच में महिलाओं की भीड़ अंधेरे होने के कारण घबरा रही थी। महिलाओं में अंधेरा होने के कारण एक अजीब सा डर देखा गय। इधर कुछ लोगों ने बिजली विभाग को जब फोन लगाया तो शॉर्ट सर्किट की बातें बताकर बिजली विभाग मौन हो गया है। खगौल का पूरा इलाका महिलाओं बच्चों एवं श्रद्धालुओं से खचाखच भरा हुआ था वहीं बिजली गुल हो जाने की वजह से दुर्गा पूजा का अंतिम छन अंधेरा में समा गया। वहीं बिजली कट जाने के बाद मानो बिजली विभाग चादर ओढ़ कर सो चुकी थी रात के लगभग 2 बजे चुके थे फिर भी खगौल में बिजली की आपूर्ति चालू नहीं की जा सकीं थी।

तख्तश्री में चंडी पाठ का समापन, शस्त्र पूजन

पटना सिटी (प्राकि)। तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब में नवरात्र के अवसर पर चल रहे दुर्गा पाठ चांदी डाबर का समापन नवमी को हो गया। इसके साथ ही अष्टमी से गुरु महाराज के अस्त्र शस्त्रों का दर्शन संतो को दरबार साहिब में कराया जा रहा था। इसका भी समापन हो गया है। जत्थेदार ज्ञानी बलदेव सिंह व अतिरिक्त मुख्य ग्रंथी ज्ञानी दिलीप सिंह ने शस्त्र पूजन व दर्शन कराया। आयोजन में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, झारखंड सहित अन्य राज्यों से आए सिख संगत शामिल हुई थी।

एमएमडीपी के अंतर्गत लाइन लिस्ट के अनुसार मार्च 2025 तक सभी हाइड्रोसील मरीजों का होगा ऑपरेशन

अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी ने पत्र जारी कर दिया निर्देश

प्रात :किरण संवाददाता

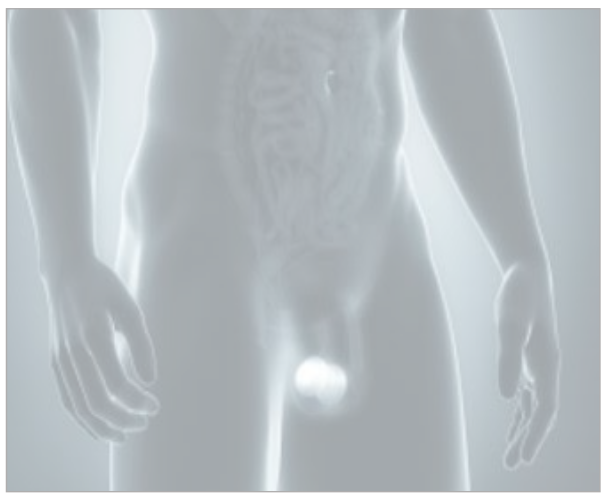

पटना- राज्य के सभी हाइड्रोसील मरीजों का मार्च 2025 तक ऑपरेशन करने का लक्ष्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्धारित किया गया है. इस बाबत अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, फाइलेरिया डॉ. परमेश्वर प्रसाद ने राज्य के सभी सिविल सर्जन को पत्र जारी कर तय समय के अंदर उक्त लक्ष्य को प्राप्त करने का निर्देश दिया गया है. जारी पत्र में बताया गया है कि राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य मंत्री द्वारा हाइड्रोसील मरीजों के ऑपरेशन का बैकलॉग मार्च 2025 तक समाप्त करने का निर्देश दिया गया है। कैंप मोड में किया जायेगा ऑपरेशनः जारी पत्र में बताया गया है कि शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के लिए जिला के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, रेफरल हॉस्पिटल, जिला एवं अनुमंडलीय हॉस्पिटल तथा जिले में अवस्थित मेडिकल कॉलेज में प्रक्रिया का पालन करते हुए कैंप मोड पर शल्य चिकित्सा शिविर लगाकर लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित किया जाए. जारी पत्र में निर्देशित है कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत प्राइवेट हॉस्पिटल में भी हाइड्रोसील मरीजों का ऑपरेशन करने के लिय प्रोत्साहित करते हुए वहां किये गए ऑपरेशन के आंकड़ों को भी जिला की संख्या में शामिल करें। जारी पत्र में बताया गया है कि इस कार्यक्रम के सफल संचालन एवं जनमानस में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए प्रचार प्रसार एवं मोबिलाईजेशन पर ध्यान देते हुए मार्च 2025 तक शत-प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित करें। राज्य में 17,863 हाइड्रोसील के केसः जारी पत्र में जिलावार सूचि ले अनुसार राज्य में 17,863 हाइड्रोसील के केस हैं. राज्य में प्रति माह 2977 हाइड्रोसील मरीजों के ऑपरेशन का लक्ष्य रखा गया है. विदित हो कि हाइड्रोसील मरीजों के ऑपरेशन के लिए उन्हें एम्बुलेंस की सुविधा प्रदान की जाती है एवं ऑपरेशन के उपरांत उन्हें दवा निशुल्क उपलब्ध करायी जाती है।

बिहार चैप्टर एएमयू के संस्थापक की जयंती सर सैयद डे 17अक्टूबर को पटना में मनायेगा समारोहपूर्वक

पटनाः अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी(एएमयू)ओल्ड बॉयज एसोसिएशन, बिहार चैप्टर अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के संस्थापक सर सैयद सैयद अहमद खान की जयंती सर सैयद डे 17अक्टूबर को पटना मे समारोहपूर्वक मनाने जा रहा है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट नदीम सिराज, महासचिव मोहम्मद मुशीर आलम और अन्य सदस्यों व आयोजकों ने बिहार भर के अलीगढ़ समुदाय से सर सैयद डे समारोह में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की है। यह आयोजन सर सैयद अहमद खान के महान योगदान और उनके शैक्षिक और सामाजिक विचारों की याद में किया जा रहा है, जो राष्ट्र की जागरूकता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैं। एसोसिएशन के अध्यक्ष नदीम सिराज व महासचिव मोहम्मद मुशीर आलम ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल अतीत की महान परंपराओं को याद करना ही नहीं है, बल्कि वर्तमान चुनौतियों का सामना करते हुए सर सैयद की शिक्षाओं के प्रकाश में इन समस्याओं का समाधान खोजना भी है।उन्होंने कहा कि अलीगढ़ आंदोलन केवल एक ऐतिहासिक विरासत नहीं है, बल्कि एक जीवित मिशन है, जो आज भी हमें नए रास्तों की तलाश में मार्गदर्शन करता है। अलीगढ़ समुदाय को इस कार्यक्रम में पूरी भागीदारी करनी चाहिए और अपनी एकता और शैक्षिक और सामाजिक विकास के लिए नए अवसरों का सृजन करना चाहिए। यह कार्यक्रम गुरुवार, 17 अक्टूबर, को मौलाना मजहरुल हक ऑडिटोरियम, हज भवन, पटना में आयोजित किया जाएगा।

प्रशासनिक सुरक्षा के बीच भगवती की प्रतिमाओं का विसर्जन जारी

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

प्रशासनिक सुरक्षा-व्यवस्था के बीच भगवती दुर्गा देवी की प्रतिमाओं का विसर्जन शनिवार को मध्याह्न से शुरू हुआ। रविवार को रात 11 बजे तक जारी था और इसके सोमवार कल सुबह तक विसर्जन का दौर जारी रहने की संभावना है। इसी बीच भद्र घाट पर नवयुवक विकास सेवा समिति की ओर से पूर्व पार्षद लल्लू शर्मा व मिथिलेश शर्मा के नेतृत्व में पूजा आयोजकों का स्वागत किया गया। प्रशासनिक सुरक्षा के बीच भद्र घाट, गायघाट, लॉ कॉलेज घाट, खाजेकलां घाट, कंगन घाट आदि घाटों पर बनाए गए कृत्रिम तालाब के साथ गंगा नदी में भी देर रात तक प्रतिमा का विसर्जन चलता रहा। प्रतिमा विसर्जन के लिए अनुमंडल प्रशासन ने विसर्जन स्थल भद्र घाट व गायघाट पर अस्थायी थाना खोल रहा है, ताकि विधि व्यवस्था बहाल रहे। इन दोनों घाटों पर अधिक संख्या में भगवती की प्रतिमाओं का विसर्जन होता है। यहां पर तैनात दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी के साथ नगर पुलिस अधीक्षक शुभांक मिश्र, एसडीओ सत्यम सहाय, एएसपी अतुलेश झा, डीएसपी डॉ गौरव कुमार, डीसीएलआर अभिलाषा कुमारी, वरीय उप समाहर्ता के साथ प्रशासन व पुलिस के आलाधिकारी, अर्धसैनिक बल के जवान देर रात तक डटे थे। एसडीओ ने बताया कि दो दिनों के अंदर करीब 329 प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया है। इसके पूर्व शनिवार को ब्रह्म मुहूर्त के बाद से विभिन्न शक्ति पीठ स्थल मंदिरों और घरों में कलश की स्थापना कर पूजा-अर्चना की गई थी। इसका विसर्जन सुबह में गंगा नदी के विभिन्न घाटों पर किया गया।

कन्याओं के सर्वांगीण विकास को शिक्षा के आथआत्मरक्षा के लिए जरूरी प्रशिक्षण दें : राज्यपाल

सेवा भारती के आयोजित किया गया था कन्या पूजन अनुष्ठान

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

वर्तमान सामाजिक परिवेश में कन्या पूजन की महत्ता पर राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने विशेष रूप से चर्चा की। उन्होंने कन्याओं के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के अलावा उन्हें उनकी आत्मरक्षा के लिए भी जरूरी प्रशिक्षण देने पर बल दिया राज्यपाल ने कहा कि कन्याओं के शैक्षणिक और सामाजिक उत्थान के लिए विभिन्न सामाजिक संगठनों के द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस संबंध में उनसे और भी ज्यादा करने की आवश्यकता जताई। यह बात सेवा भारती की पटना महानगर इकाई के द्वारा आचार्य श्री सुदर्शन पटना सेंट्रल स्कूल परिसर में सेवा भारती के द्वारा आयोजित कन्या पूजन अनुष्ठान के दौरान राज्यपाल ने कही। कन्या पूजन अनुष्ठान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर थे। मंच पर आसीन अन्य अतिथियों में आचार्य श्री सुदर्शन जी महाराज व श्रीमती दीप्ति कुमारी थीं। सेवा भारती के महानगर अध्यक्ष डॉ अशोक कुमार ने राज्यपाल का स्वागत परंपरागत विधि से अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह प्रदान कर किया। सह सचिव विनोद साह ने आचार्य सुदर्शन जी, नवीन सिन्हा ने रामनवमी को, जय प्रकाश कुमार ने विंग कमांडर नरेंद्र कुमार और श्रीमती दिव्या मिश्रा ने प्रोडॉ दीप्ति कुमारी को स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। कन्या पूजन अनुष्ठान का वैदिक विधि विधान के साथ सेवा भारती महानगर इकाई के अध्यक्ष डॉ अशोक कुमार के द्वारा किया गया। इस अनुष्ठान में शामिल होने के लिए सेवा भारती के द्वारा संचालित की रही सेवा बस्तियां, पटना सेंट्रल स्कूल तथा अन्य सामाजिक संगठनों से कन्याओं को आमंत्रित किया गया था। सैकड़ों कन्याओं का पूजन किया गया। मंच का संचालन सेवा भारती के प्रांतीय प्रशिक्षण प्रमुख जितेंद्र कुमार ने किया। पटना एम्स की प्रोडॉ वीणा सिंह ने राज्यपाल और अन्य अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्था के द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यकतार्लापों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुल 28 सेवा केंद्र फिलहाल चलाया जा रहा है। प्रांतीय सह सचिव अमित कुमार ने सभी कन्याओं, माता और बहनों का आभार जताया। प्रांतीय प्रचारक उमेश जी ने संस्था के कार्यों में सहयोग के लिए आभार जताया। साथ ही धन्यवाद ज्ञापन करते हुए स्कूल प्रशासन और अन्य सभी सहयोगी कार्यकताओं का आभार जताया गया।

विजयादशमी पर आयोजित देवी मिलन को देखने के लिए लगा भीड़

प्रात :किरण संवाददाता

दानापुर खगौल नगर के अंतर्गत विजया दशमी पर आयोजित देवी मिलन को देख श्रद्धालुओ के आंखे भर आयी। नगर के सुलतानपुर में श्री श्री बड़ी देवी जी व छोटी देवी जी के साथ खोईछा मिलन पूरे परंपरा के अनुसार किया गया। वही पेठिया बाजार काली स्थान में मां काली व बड़ी देवी का खोईछा मिलन हुआ। सुलतानपुर में बड़ी देवी की प्रतिमा कांधे पर लेकर श्रद्धालु छोटी देवी के पास पहुँचे। दोनों देवी के पहुँचते ही पुष्प वर्षा के साथ करतल ध्वनि व जयकारा से पुरा इलाका गुंजयमान हो उठा। जिसके बाद पूरे विधि विधान से पुरोहित पं0 बृज बिहारी मिश्र, प्रदीप्त व सिद्धार्थ भारद्वाज ने खोइछा मिलन व आरती कराया। जिसमें भारी संख्या में शामिल महिलाएं आरती व देवी भजन पर झुमते नजर आयी। माता की प्रतिमा को सबसे पहले महिलाओ ने कांधे पर उठा आगे बढी। बाद में युवाओ ने कांधे पर लेकर शोभायात्रा में शामिल हुए। खोईछा मिलन का अदभूत नजारा देख महिलाओ आंखे छलक आयी। उधर प्राचीन कालीस्थान में मछुआटोली स्थित मां काली व पेठियाबाजार बड़ी देवी की प्रतिमा से प्राचीन परंपरा के अनुसार मिलन कराया गया। वही खगौल में गोरगांवा बड़ी देवी व छोटी देवी जी के साथ मोती चौक पर खोइचा मिलन पूरे परंपरा के अनुसार किया गया जिसमें श्रद्धालू महिला एवं पुरूषों की भारी भीड़ जुटी रही। खोइछा मिलन का दृश्य देख महिलाओ के आंखे भर आयी। श्री श्री दक्षिणेश्वरी काली मंदिर पेठिया परिसर में श्रद्धालुओ की भीड़ उमड़ पड़ी।

ससुराल पहुंचे दामाद की पिकअप वैन के धक्के से मौत

विरोध में लोगों ने किया सड़क जाम, परिजन का हत्या करने का आरोप

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

दीदारगंज थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव में दुगार्पूजा पर टाटा मैजिक के धक्के से एक युवक की मौत हो गई। युवक प्रकाश राज अपने ससुराल आया हुआ था। ससुर राजकुमार दास का आरोप है कि साजिश के तहत धक्का मार दामाद की हत्या की गयी है। दीदारगंज थाना की पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। इस घटना के बाद गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने नवमी की सुबह एनएच पर उतर कर हंगामा करते हुए प्रदर्शन भी किया। इस कारण से पटना-गया मार्ग में फतेहपुर के समीप दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। जाम की सूचना मिलने के बाद दीदारगंज, गौरीचक, गोपालपुर सहित अन्य थाना की पुलिस पहुंची। आक्रोशित नागरिकों को समझा-बुझा कर सड़क जाम हटवाने का काम किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कालेज भेजा। ससुर ने पुलिस को दिए बयान में बताया है कि स्कार्पियो और पिकअप वैन पर सवार लोग आपस में झगड़ा कर रहे थे। झगड़ा के बीच प्रकाश बीच-बचाव कर रहा था। इसी दौरान टाटा मैजिक ने सड़क किनारे खड़े दामाद 26 वर्षीय प्रकाश राज को धक्का मार दिया। जख्मी हालत में उसे इलाज के लिए एनएमसीएच में लाया गया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दीदारगंज थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार ने बताया कि पोस्टल पार्क का रहने वाला 26 वर्षीय प्रकाश राज फतेहपुर के रविदास टोला स्थित ससुराल जा रहा था। टाटा मैजिक से धक्का लगने से प्रकाश की मौत हुई है। मृतक के परिजन हत्या का आरोप लगा रहे हैं। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

कट्टा लहराते युवक को आर्म्स व दो गोली के साथ दबोचा

पटना सिटी (प्राकि)। दशहरा के अवसर पर भीड़ और गहमा-गहमी के बीच मेला में हथियार लेकर घूम रहे एक युवक को अगमकुआं थाना की पुलिस ने देसी कट्टा व दो गोली के साथ गिरफ्तार किया है। अगमकुआं थाना की पुलिस ने बताया कि भूतनाथ रोड में गश्त कर रही पुलिस को स्थानीय लोगों से सूचना मिली कि एक युवक अपराध की नीयत से कांटी फैक्ट्री रोड में हथियार लहरा रहा है। मौके पहुंची पुलिस को देख युवक भागने लगा। पुलिस ने युवक को खदेड़ कर दबोच लिया। पुलिस ने इसी थाना क्षेत्र के गांधी नगर का रहने वाला जीतू के शरीर की तलाशी ली। पुलिस ने उसके पास से एक लोडेड देसी कट्टा व एक गोली उसके पॉकेट से बरामद किया है।

चंदा या रंगदारी के विवाद में स्वर्ण दुकानदार से मारपीट, स्कूटी जलाया

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

खाजेकलां थाना क्षेत्र के लोदीकटरा पुलिस चौकी चौराहा से थोड़ा दक्षिण एक ज्वेलरी दुकान में शुक्रवार को झड़प हो गई। इस संबंध में रंजन कुमार के द्वारा थाना में मामला दर्ज कराया गया है। इसमें तेजाब से दो लोग अमन और साहिल घायल हो गया है, जिसका इलाज अस्पताल में चल रहा है। वहीं दूसरी ओर दुकानदार संतोष कुमार के पुत्र राजकुमार उर्फ राज के द्वारा भी एक मामला दर्ज कराया गया है, जिसमें दुकान में तोड़फोड़ करने, स्कूटी जलाने और रंगदारी मांगने की बात कही गई है। पुलिस ने स्वर्ण दुकानदार संतोष कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। हालांकि मोहल्ले के लोगों का कहना है कि चंदे को लेकर विवाद हुआ था। जो राशि की मांग की जा रही थी, वह दुकानदार द्वारा पिछले वर्ष दिए अनुसार नहीं दे पा रहे थे। इसी को लेकर नोकझोंक हुआ। इसी बीच दुकानदार ने रंगदारी मांगने का आरोप लगाते हुए हाथापाई करने लगा। तब गाली देने लगा। इसी पर दूसरे पक्ष के लोगों ने भी उसके साथ मारपीट की। इस पर दुकानदार के द्वारा लोगों पर तेजाब फेंकने का आरोप है। तेजाब से अमन कुमार पिता अनिल कुमार और साहिल कुमार पिता चुनचुन चंद्रवंशी घायल हो गए। दोनों का इलाज अस्पताल में कराया जा रहा है। इस संबंध में हरनाहा टोला के रहने वाले रंजन कुमार पिता रंजीत कुमार के द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर मामला दर्ज किया गया है, जिसमें स्वर्ण दुकानदार संतोष कुमार, जो दाहुचक नगला थाना मालसलामी का रहने वाला है, को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और उसे जेल भेज दिया है। वहीं एक अन्य मामला दुकानदार संतोष कुमार के पुत्र राजकुमार उर्फ राज के द्वारा दर्ज कराया गया है। इसमें कहा गया है कि दशमी यानी शुक्रवार को दुकान पर आकर दो लोग रंगदारी की मांग कर रहे थे। बतौर रंगदारी पांच हजार की मांग की गई। जब देने से इनकार किया गया, तो काउंटर पर तोड़फोड़ की गई। साथ ही स्कूटी में आग लगा दी गई। यही नहीं, उन लोगों ने दुकान में रखे तेजाब के बोतल को तोड़ कर उसके पिता को मारने की कोशिश की गई, जिसके चलते दोनों घायल हो गया। इस संबंध में एक को नामजद एवं अन्य अज्ञात बनाया गया ह थाना अध्यक्ष प्रभात रंजन सक्सेना का कहना है कि दोनों ओर से दिए गए आवेदन के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। घटना के बाद मौके पर पहले दुकानदार के द्वारा डायल 112 पर सूचना दी गई। थाना से दो मोटरसाइकिल पर पुलिस के जवान पहुंचे। दोनों भीड़ से दुकानदार संतोष कुमार को दो बार बचा कर निकालने का काम किया, मगर भीड़ बार-बार उसकी पिटाई कर रही थी। बाद में खाजेकलां थाना से एसआई सुशील पासवान पहुंचे। उन सबों ने भीड़ से दुकानदार को अपने कब्जे में लेकर थाना पहुंचवाया। इधर स्कूटी में लगे आग को भी पुलिस बल ने स्थानीय लोगों की मदद से बुझाने का काम किया। बाद में सिटी फायर स्टेशन से मोटरसाइकिल अग्निशमन दस्ता और नैनो वाहन वहां पहुंचा। हालांकि तब तक आग बुझ चुका था। फिर भी पानी का छींटा मारकर आज को पूरी तरह से बुझा दिया गया।

गंगा घाटों पर तैनात रहे सिविल डिफेंस के वार्डन

पटना सिटी (प्राकि)। विजयादशमी में भद्र घाट में मूर्ति विर्सजन एवं प्रशासन के साथ विधि-व्यवस्था बनाए रखने में सिविल डिफेंस के वार्डन गंगा घाटों पर तैनात रहे। गंगा घाट में विर्सजन देखने आए खोए हुए बच्चों को माता-पिता से मिलवाया। प्रतिमा विर्सजन स्थल पर बनाए गए अस्थाई कृत्रिम तालाब के निकट दूरदराज से आए हुए प्रतिमाओं को पंक्तिबद्ध करा कर वार्डन के द्वारा विर्सजन करवाया गया। घाट पर भीड़ को नियंत्रण करने में सिविल डिफेंस के वार्डन दो दिनों तक तैनात रहे। सिविल डिफेंस के वार्डनों में गणेश कुमार, सरदार मनोहर सिंह, प्रवीण प्रीतम, जेपी त्रिवेदी, राम कुमार, राजकुमार, प्रकाश कुमार, द्वारका प्रसाद, सुदय रंजन शर्मा आदि उपस्थित रहे।

सांसद ने पटना - हावड़ा - पटना वंदे भारत एक्सप्रेस का बख्तियारपुर जंक्शन स्टेशन पर ठहराव का हरी झंडी दिखाकर किया गया शुभारंभ

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। सांसद रवि शंकर प्रसाद एवं कौशलेंद्र कुमार द्वारा गाड़ी सं. 22348 / 22347 पटना - हावड़ा - पटना वंदे भारत एक्सप्रेस का बख्तियारपुर जंक्शन स्टेशन पर ठहराव का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रा) अनुपम कुमार चंदन, वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक एवं अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। विदित हो गाड़ी सं. 22348 पटना- हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस 08.37 बजे बख्तियारपुर पहुंचेगी और 08.39 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी । इसी तरह दिनांक 13 अक्टूबर से गाड़ी सं. 22347 हावड़ा - पटना वंदे भारत एक्सप्रेस 21.32 बजे बख्तियारपुर पहुंचेगी और 21.34 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी । इस कारण गाड़ी सं. 22348 पटना - हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस का मोकामा एवं लखीसराय स्टेशनों पर ठहराव समय में संशोधन किया गया है। 13 अक्टूबर से गाड़ी सं. 22348 पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस संशोधित समयानुसार मोकामा में 09.02/09.04 बजे तथा लखीसराय में 09.24/09.26 बजे रूकते हुए आगे के लिए प्रस्थान करेगी ।

शिविर लगा भक्तों की हुई सेवा भूले-बिसरे को मिलाया

प्रात :किरण संवाददाता

श्री गांधी स्मारक पूजा समिति की ओर से बावली मोड़ पर दशहरा पर भक्तों की सेवा के लिए शिविर लगाया गया था। इसकी अध्यक्षता पूर्व पार्षद बलराम चौधरी ने की। यहां पूर्व केंद्रीय मंत्री राम कृपाल यादव और आईएमए के पदाधिकारी वह हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर प्रवीण कुमार विशेष रूप से पहुंचे। पश्चिम दरवाजा में हिन्दू-मुस्लिम एकता विचार मंच की ओर से संयोजक शमशेर खां की देखरेख में शिविर लगाया गया। उद्घाटन एसडीओ सत्यम सहाय, एएसपी अतुलेश झा व डीएसपी डॉ गौरव कुमार ने किया। आयोजन में पूर्व पार्षद बलराम चौधरी, गोविंद कानोडिया, डॉ अजय प्रकाश, राजेश बल्लभ उर्फ मुन्ना यादव, संजय अलबेला, भूषण माली, राम नारायण सिंह, पार्षद गायत्री गुप्ता, प्रतिनिधि राजू गुप्ता, पूर्व निगम पार्षद स्मिता रानी, राजू मेहता, मो जावेद, एजाजुद्दीन शानू, मो मुख्तार, इलियास बाबर, शाहिद अंसारी, इबरार अहमद रजा, डॉ शोएब, फैयाज काजमी, मो गजाली, अफरोज आलम, मो राजू, फिरोज हसन, गुलफिशा जबीं, सबा करीम, हेदायत अहमद, शारीफ अहमद रंगरेज, शमीम अख्तर, मो मोहसिन आदि शामिल थे।

50 दलित छात्रायों को किया गया मच्छरदानी और चटाई का वितरण

पटना। श्रीमती कनकलता मेमोरियल ट्रस्ट , राजाबाजार ,पटना की ओर से दानापुर अलख सिन्हा मार्ग स्तिथ रेनबो होम में रहकर पढ़ाई करनेवाली 50 दलित छात्रायों के लिए मच्छरदानी और चटाई का वितरण किया गया। डेंगू से बचाव के उद्देश्य से समाज सेवा के क्षेत्र में किया गया प्रयास एक सराहनीय कदम है। श्रीमती कनकलता मेमोरियल ट्रस्ट की सचिव पूनम लाल ने बताया कि ट्रस्ट के द्वारा आर्थिक और सामाजिक पिछड़े समुदाय के लिए सेवा कार्य के रुप मे अपना योगदान निरन्तर जारी रहेगा।रेनबो होम के केयर टेकर श्रीमती मंजू देवी ने इस नेक कार्य के लिए ट्रस्ट को धन्यवाद दिया।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच दो बड़ी देवी के खोइंछा की अदला-बदली

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

आलमगंज थाना क्षेत्र के पुरानी सिटीकोर्ट के कुछ दक्षिण के पास श्री बड़ी देवी जी मारूफगंज (बड़ी बहन) और महाराजगंज (छोटी बहन) के मिलन, खोइंछा की अदला-बदली के साथ ही महाआरती की गई। इस मनोरम दृश्य को देखने के लिए चप्पा-चप्पा पूरी तरह से भरा हुआ था। स्थिति यह थी कि पैर रखने की जगह तक नहीं बच रही थी। यहां पर पुलिस प्रशासन के द्वारा पर्याप्त संख्या में रैफ और पुलिस बल को तैनात किया गया था। साथ ही ड्रोन से भी भीड़ पर नजर रखी जा रही थी। शनिवार की रात को पुरानी सिटी कोर्ट के समीप में श्री बड़ी देवी जी मिलन समारोह समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बड़ी बहन श्री बड़ी देवी जी, मारूफगंज व छोटी बहन महाराजगंज का मिलन व खोइंछा की अदला-बदली देर रात हुई। सबसे पहले महाराजगंज की श्री बड़ी देवी जी यहां पहुंची वह अपने बड़ी बहन के आने का इंतजार कर रही थी जैसे ही मार्फगंज की बड़ी देवी जी पहुंची पूरा वातावरण भगवती के जयकारा और तालियों की अनुगूंज से गूंज उठा। इसके बाद बड़ी बहन छोटी बहन के बगल में आकर ठहर गईं। इस दौरान पुष्प वर्षा दोनों भगवती की प्रतिमाओं पर की गई। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार की गूंज से माहौल और भक्तिमय हो गया था। बड़ी देवी जी पूजा समिति और महाराजगंज के पुजारी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवती की फूल-माला व खोइंछा की अदला-बदली की। आयोजन में बड़ी देवी जी मारूफगंज के उपाध्यक्ष संत लाल गोलवारा, सचिव डॉ राजेश कुमार, साधु शरण भदानी, सुनील बंका ,राज नारायण केसरी, अतानु शाहा, बड़ी देवी जी महाराजगंज के अध्यक्ष सह पूर्व पार्षद प्रमोद गुप्ता, पूर्व पार्षद विनोद गुप्ता सहित अन्य शामिल थे। श्री बड़ी देवी जी मिलन समारोह समिति की ओर से पुरोहित मनोज कुमार भट्ट ने भगवती की आरती उतारी। इसके बाद महाराजगंज की बड़ी देवी जी आगे और उसके पीछे महाराजगंज की बड़ी देवी जी विसर्जन के लिए भद्र घाट को प्रस्थान की। भद्र घाट मोड पर भी श्री नवयुवक समिति के द्वारा दोनों बड़ी देवी जी का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। विसर्जन के लिए निकली शोभायात्रा के आगे श्रद्धालु सड़क को पानी से साफ करते व पुष्पा की वर्षा करते हुए चल रहे थे। हालांकि बेलवरगंज फायर ब्रिग्रेड के समीप बड़ी देवी जी की ट्रॉली में खराबी आ गई थी। इस कारण से दो घंटे से अधिक समय तक बड़ी देवी की प्रतिमा को मिलन के लिए प्रतीक्षा करना पड़ा। आयोजन स्थल पर लोगों की जबरदस्त भीड़ थी।

मुख्यमंत्री ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती के अवसर पर आयकर गोलम्बर स्थित प्रतिमा स्थल पर आयोजित राजकीय समारोह में राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नन्द किशोर यादव, जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, सूचना एवं जन-सम्पर्क मंत्री महेश्वर हजारी, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी, पूर्व मंत्री श्याम रजक, पूर्व मंत्री विक्रम कुंवर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, बिहार राज्य नागरिक परिषद के पूर्व महासचिव अरविंद कुमार सिंह, बिहार बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पूर्व सदस्य शिवशंकर निषाद सहित अनेक सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ताओं एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें शत-शत नमन किया एवं श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के कलाकारों ने आरती-पूजन, बिहार गीत एवं भजन कीर्तन का गायन किया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने चरखा समिति (प्रभा-जयप्रकाश स्मृति संग्रहालय) कदमकुआं जाकर लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की धर्मपत्नी जयप्रभा जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने चरखा समिति (प्रभा-जयप्रकाश स्मृति संग्रहालय) में स्थित लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी के शयनकक्ष, सभा कक्ष, प्रभावती स्मृति कक्ष सहित पूरे परिसर का मुआयना किया। मुख्यमंत्री ने महिला चरखा समिति के चरखा घर में महिलाओं द्वारा चरखा चलाये जाने की गतिविधि को देखा और उनके कार्यों के बारे में जानकारी ली। इस दौरान जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, पटना के जिलाधिकारी डॉ चन्द्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा, महिला चरखा समिति की सचिव मृदुला प्रकाश सहित प्रभा-जयप्रकाश स्मृति संग्रहालय के अन्य सहयोगी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

जब तेजस्वी या प्रशांत किशोर यात्रा निकालें तो कोई सवाल नहीं उठाता : गिरिराज

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने रविवार को हिंदू स्वाभिमान यात्रा पर उठ रहे सवालों के बीच बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगर कोई दूसरा व्यक्ति यात्रा निकाले, तो उस पर कोई भी सवाल नहीं उठाता है, लेकिन अगर हम यात्रा निकालें, तो हर कोई हमसे सवाल पूछता है। आखिर यह दोहरा पैमाना क्यों? उन्होंने कहा, तेजस्वी यादव ने यात्रा निकाली तो किसी के पेट में दर्द नहीं हुआ। प्रशांत किशोर ने यात्रा निकाली तो किसी के भी पेट में दर्द नहीं हुआ। उन लोगों ने तो वोट के लिए यात्रा निकाली थी। किसी ने मुसलमानों को जोड़ने की बात की, तो किसी ने अपना सियासी हित साधने का प्रयास किया, लेकिन हम तो इन बातों से परे हटकर लोगों को जोड़ने के मकसद से यात्रा निकाल रहे हैं। मगर, यह दुर्भाग्य की बात है कि कुछ लोग हमारी बातों और उसके पीछे छिपे निहितार्थों को समझने का प्रयास नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारी यात्रा का मुख्य मकसद हिंदुओं को एकजुट करना है। मैं कई बार इस बात पर बल दे चुका हूं कि अगर हिंदू एकजुट नहीं रहेंगे, तो उनके लिए आगे चलकर सियासी मोर्चे पर मुश्किलें पैदा हो जाएंगी। भारत के सनातनी के एक होने का समय आ चुका है। मैं फिर से कहता हूं कि अगर हिंदू एकजुट नहीं हुए, तो कट जाएंगे। पिछले दिनों गिरिराज सिंह ने हिंदू स्वाभिमान यात्रा निकालने का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि मैं यह यात्रा मौजूदा परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए हिंदुओं को एकजुट करने के मकसद से निकाल रहा हूं। इस यात्रा के जरिए हम हिंदुओं को एकजुट करने की कोशिश करेंगे, ताकि मौजूदा समय में स्थिति को दुरुस्त किया जाए। 18 अक्टूबर से लेकर 22 अक्टूबर तक हिंदू स्वाभिमान यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा भागलपुर से शुरू होकर किशनगंज में खत्म होगी। इस यात्रा को लेकर बिहार की राजनीति में चर्चा अपने चरम पर है।

मुख्यमंत्री ने स्व डॉ राम मनोहर लोहिया की पुण्य तिथि पर दी श्रद्धांजलि

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

महान समाजवादी नेता स्व डॉ राम मनोहर लोहिया जी की पुण्य तिथि के अवसर पर राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उनकी आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पुण्यतिथि के अवसर पर कंकड़बाग के लोहिया नगर स्थित लोहिया उद्यान में आयोजित राजकीय समारोह में मुख्यमंत्री ने स्व डॉ राम मनोहर लोहिया को नमन कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व का स्मरण करते हुए उनके अधूरे कार्यों को पूरा करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर केन्द्रीय पंचायती राज, मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष श्री नंद किशोर यादव, जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, सूचना एवं जन-सम्पर्क मंत्री महेश्वर हजारी, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, विधान पार्षद ललन सर्राफ, पूर्व मंत्री श्याम रजक, जदयू के राष्ट्रीय महासचिव मनीष कुमार वर्मा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, पटना प्रमण्डल के आयुक्त मयंक वरवड़े, पटना के जिलाधिकारी डॉ चन्द्रशेखर सिंह, पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा, बिहार राज्य नागरिक परिषद् के पूर्व महासचिव अरविन्द कुमार सहित अनेक सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने भी स्व डॉ राम मनोहर लोहिया की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के कलाकारों ने आरती-पूजन, बिहार गीत एवं भजन कीर्तन का गायन किया।

कांग्रेस सरकार ने बिहार की बाढ़ समस्या को कभी गंभीरता से नहीं लिया : सम्राट

वाजपेयी की नदी जोड़ो योजना बाढ़ और सूखे की दोहरी मार से बचाने में उपयोगी

- बाढ़ सहायता के लिए उपमुख्यमंत्री चौधरी ने प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि नेपाल से आने वाली लाखों क्यूसेक्स वर्षा जल से हर साल उत्तर बिहार की नदियों में आने वाली भीषण बाढ़ की समस्या को कांग्रेस की सरकारों ने कभी गंभीरता से नहीं लिया, जबकि पहले अटल बिहारी वाजपेयी और अब नरेंद्र मोदी की सरकार ने बाढ़-नियंत्रण और जल प्रबंधन को उच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने बाढ़ सहायता के लिए प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल का आभार प्रकट किया। गुजरात के सूरत में वर्षा जल संचयन पर आयोजित जल संचयन-जन भागीदारी कार्यक्रम में बिहार के उपमुख्यमंत्री चौधरी ने कहा कि बिहार ऐसा राज्य है, जिसके 21 जिले बाढ़ग्रस्त होते हैं, तो 17 जिलों में सूखे का सामना करना पड़ता है। श्री चौधरी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी ने नदियों को जोड़ने की योजना पर काम करने की शुरुआत की थी, ताकि बाढ़ और सूखे की समस्या का स्थायी समाधान किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार से गुजरने वाली गंगा के जल का उचित प्रबंधन कर एक मॉडल पेश किया, जिससे आज गंगा जल मोक्षधाम गया, नवादा और राजगीर को भी मिलने लगा है। श्री चौधरी ने गुजरात की सिंचाई योजनाओं में बिहार के हजारों लोगों के योगदान को सराहनीय बताया। सूरत के जल भागीदारी कार्यक्रम में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन सिंह यादव और राजस्थान के मुख्यमंत्री मोहन लाल शर्मा ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र भाई पटेल ने की।

मोदी सरकार ने दिया है बिहार को उपहार : रणबीर

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए राज्यों को केंद्रीय करों की हिस्सेदारी में बिहार सर्वोच्च दो राज्यों में शामिल है। इस संबंध में पूर्व विधान पार्षद व भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रो. रणबीर नंदन ने कहा है कि केंद्रीय करों में जो आवंटन हुआ है, उसमें सबसे अधिक रकम पाने वाले दो राज्यों में बिहार है। उत्तर प्रदेश के बाद बिहार को ही मोदी सरकार ने सबसे अधिक रकम जारी की है। इस रकम से बिहार में कई विकास कार्यों का संचालन होगा, जिसका सीधा लाभ आम जनता को मिलेगा। प्रो. नंदन ने कहा कि केंद्रीय करों में से सबसे अधिक रकम पाने वालों में बिहार दूसरे स्थान पर है। बिहार को कुल 17,921 करोड़ रुपए मिले हैं। जबकि पहले नंबर पर रहे उत्तर प्रदेश को 31,962 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। वहीं मध्य प्रदेश को 13,987 करोड़ रुपए जारी हुए हैं। पश्चिम बंगाल को 13,404 करोड़, महाराष्ट्र को 11,255 करोड़, राजस्थान को 10,737 करोड़ और ओडिशा को 8068 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार के प्रति विशेष लगाव का नतीजा है, जिससे बिहार की जनता सीधे लाभान्वित होगी। प्रो. नंदन ने कहा कि इस राशि से राज्य के विकास को गति मिलेगी। प्रधानमंत्री ने बिहार को विशेष पैकेज भी दिया है और राज्य में डबल इंजन सरकार तेजी से काम कर रही है। बिहार के सभी 38 जिलों के गांवों की उन सड़कों को पूरी तरह ठीक कर दिया जाएगा, जिनमें मरम्मत की जरुरत है। जिस गांव और टोले की आबादी एक सौ से ज्यादा है, वहां भी सड़कें रहेंगी और इस योजना से 9 हजार बसावटों को नई सड़क का तोहफा मिलेगा। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से बिहार ने अर्थव्यवस्था में मोर्चे पर अपनी पहचान देश में तेज गति से विकास करने वाले राज्य के रूप में बनाई है। चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य की विकास दर के दो अंकों में रहने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल का आकलन है कि बिहार सहित देश के शीर्ष 18 राज्यों की विकास दर वित्तीय वर्ष 2024-25 में आठ से दस प्रतिशत के बीच रहेगी, जो मोदी सरकार की विकासवादी नीति का ही प्रतिफल है। बीते वित्त वर्ष 2023-24 में भी बिहार की विकास दर 10.98 प्रतिशत रही थी।

बाबा सिद्दीकी की हत्या ने महाराष्ट्र में चरमराती कानून-व्यवस्था को किया उजागर: तेजस्वी

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय जनता दल के नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने मुंबई में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या पर दुख व्यक्त करते हुए रविवार को कहा कि इस घटना ने महाराष्ट्र में चरमराती कानून-व्यवस्था की स्थिति को उजागर कर दिया। सिद्दीकी को शनिवार रात मुंबई के बांद्रा इलाके के खेर नगर में उनके बेटे व विधायक जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के ठीक बाहर तीन लोगों ने गोली मार दी। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री को अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। यादव ने यहां संवाददाताओं से कहा, यह घटना चौंकाने वाली और दुखद है। मैं उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानता था क्योंकि वह बिहार के गोपालगंज जिले के मूल निवासी थे। अगर मुंबई जैसे शहर में, खासकर बांद्रा इलाके में ऐसी घटना हो सकती है तो फिर कहा जा सकता है कि वहां कोई भी सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा, यह उस राज्य में कानून-व्यवस्था की चरमराती स्थिति को दशार्ता है। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं।

गया में दलित व महादलित की हत्या, माँझी व चिराग इस्तीफा दें : माले

- दलित उत्पीड़न की घटनाओं पर रोक लगाने में सरकार असफल : कुणाल
- मूँछ रखने पर शिक्षक भरत मांझी की हत्या दुर्भाग्यपूर्ण : माले

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भाकपा- माले राज्य सचिव कुणाल ने कहा है कि बिहार में दलित उत्पीड़न की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। ऐसा तभी संभव है जब सामंतों-हमलावरों को सत्ता का संरक्षण हासिल होता है। विगत 2 महीने में जिस प्रकार से दलितों पर सामंती हिंसा की घटनाएं हुई हैं उसने बिहार मे बदलाव के एजेंडे को और मजबूती से स्थापित किया है। बदलो बिहार न्याय यात्रा के जरिये हम पूरे बिहार में सामंती हिंसा के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। यात्रा की तैयारी अपने अंतिम चरण में है। वहीं, सिवान जोन के प्रभारी धीरेन्द्र झा ने कहा कि सिवान जिला के पूर्वी छोर महाराजगंज में शिक्षक भरत मांझी की हत्या सामंती दबंगों की हत्या बिहार में योगी राज के विस्तार की कोशिश है। बिहार की जनता इसका मुकम्मल जवाब देगी। विधायक सत्यदेव राम ने पासवान समुदाय के शिक्षक भरत मांझी, गया की महादलित विधवा सहित राज्य में दलित उत्पीड़न की घटनाओं पर केंद्रीय मंत्रियों जीतन राम माँझी और चिराग पासवान से इस्तीफा माँगा है। कहा कि दलितों के रहनुमाई का दावा करने वाले इन दोनों नेताओं की भाजपा के सामने बोलती बंद है। बिहार की जनता उनसे जवाब चाहती है।भाजपा तो इन सामंती अपराधियों की संरक्षक ही है। क्या जेडीयू के सांसद मुंह खोलेंगे? भरत मांझी एक खुशहाल दलित परिवार से आते थे। उनका मूंछ रखना, स्वतंत्र तरीके से रहना, अच्छा मकान बनाना सामंती लोगों को रास नहीं आ रहा था। पहले भी उनपर हमले हुए थे। दरौंदा थाना में मुकदमा भी दर्ज हुआ था। मुकदमा हटाने का दबाव था। इसकी पैरवी थाना भी कर रहा था। मुकदमा नहीं हटाने के चलते एक दलित स्वाभिमानी शिक्षक की सरेआम बाजार में हत्या कर दी गई। केस नहीं हटाने के चलते कई और हत्याएं सिवान में हुई है। गोरिया कोठी में माले नेता की हत्या का आधार भी यही है। अमरनाथ यादव, जयशंकर पंडित आदि माले नेताओं की टीम घटनास्थल पर पहुंची है और पीड़ित परिवारों से मिलकर इस जघन्य हत्या का प्रतिवाद करने का भरोसा दिया है।

लोजपा रामबिलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने फ्रांस के डिजॉन शहर में आयोजित 45वें विश्व वाइन एवं सम्मेलन में भारत के प्रतिनिधित्व के तौर पर हुए शामिल

राजद का दोहरा चरित्र उजागर : प्रभाकर

पटना। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने राजद पर प्रहार करते हुए कहा कि जब पूरा देश असत्य पर सत्य की विजय का पर्व दशहरा मना रहा, तब दशहरे के पावन मौके पर भी राजद धोखेबाजी और दगाबाजी जैसा कुकृत्य करने में लगा रहा। राजद ने सिर्फ दिखावे के लिए समाजवादी नेता राममनोहर लोहिया की पुण्यतिथि मनायी, इससे स्व. लोहिया जी की आत्मा को काफी दुख पहुंचा होगा। श्री मिश्र ने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि राजद का हमेशा दोहरा चरित्र रहा है। वह सिर्फ दिखावा करके आम लोगों को भ्रमित करने का प्रयास करता है। यह कौन नहीं जानता कि लोहिया जी जीवनभर कांग्रेस का विरोध करते रहे। वे देश में कांग्रेसविरोधी राजनीति के प्रणेता थे। उन्होंने कांग्रेस की नीतियों के विरोध में सोशलिस्ट कांग्रेस की स्थापना की थी। लेकिन, आज उनके नाम का लोग बेजा इस्तेमाल कर रहे हैं। जिस कांग्रेस का लोहिया जी ने हमेशा विरोध किया, आज राजद और सपा के नेता उसी कांग्रेस की गोद में बैठकर लोहिया की पुण्यतिथि मनाने का दिखावा कर रहे हैं। श्री मिश्र ने कहा कि स्व. लोहिया जी ने नेहरू के खिलाफ चुनाव भी लड़ा था, पर वे हार गये थे। लेकिन, कांग्रेस का विरोध करते रहे और कभी हार नहीं मानी। 1967 में उत्तर प्रदेश में पहली गैर कांग्रेसी सरकार बनने में उनकी प्रमुख भूमिका थी। आज राजद और सपा तिकड़मबाजी को ही समाजवाद समझ रखें हैं।

लोजपा आर प्रतिनिधिमंडल ने क्षतिग्रस्त प्रतिमा का लिया जायजा

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व विधायक राजू तिवारी के नेतृत्व में पार्टी का एक 6 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल गया जिला अंतर्गत अतरी प्रखंड के बथानी गांव पहुंचे जहां बीते दिनों असामाजिक तत्वों द्वारा पूर्व केंद्रीय मंत्री पद्म भूषण स्व रामविलास पासवान की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त की गई थी जिसके उपरांत पार्टी का प्रतिनिधिमंडल बथानी प्रतिमा स्थल पर पहुंचे और वहां स्थिति का जायजा लिया और स्थानीय प्रशासन से इस घटना के संदर्भ में बातचीत किये। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने प्रशासन से इस घटना में सन्लिप्त सभी दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी और उन्हें कठोर से कठोर दंड देने की मांग की। श्री तिवारी ने कहा कि इस घटना को लेकर पार्टी का प्रतिनिधिमंडल जल्द ही प्रदेश के मुख्यमंत्री से मिलेगा और उन्हें इस घटना का संज्ञान दिलाएगा। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता राजेश भट्ट ने प्रेस को बताया कि उक्त प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष अशरफ अंसारी चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अजय विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अमित किशोर सिंहा प्रदेश प्रवक्ता राजेश सिंह मौजूद थे।

बाबा सिद्दीकी की हत्या पर राजद में शोक

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की गोलीबारी से हुई मौत पर राजद परिवार ने गहरे रंजो- गम का इजहार किया है ,और कहा कि इनके इंतेकाल (निधन) से सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्रों को काफी नुकसान हुआ है ,जिसकी भरपाई काफी मुश्किल है। अल्लाह इन्हें जन्नतुल फिरदौस में आला मुकाम अता करे। और अहले -खाना को सब्र जमील अता करे। इनके इंतेकाल (निधन) का समाचार सुनकर राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव, सांसद डॉ मीसा भारती, पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव, प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय नारायण चौधरी,राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी, पूर्व केंद्रीय मंत्री जयप्रकाश नारायण यादव, डॉ कांति सिंह,राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता प्रोफेसर मनोज कुमार झा, राज्यसभा सांसद संजय यादव,राष्ट्रीय महासचिव भोला यादव, सैयद फैसल अली, प्रदेश उपाध्यक्ष शिवचंद्र राम, प्रदेश के प्रधान महासचिव रणविजय साहू, प्रदेश राजद के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव , प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद सहित अन्य नेताओं ने महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की गोलीबारी में हुई मौत का समाचार बेहद दुखद और चिंता जनक है। नेताओं ने कहा कि परवरदिगार मरहूम को जन्नतुल फिरदौस में आला मुकाम अता करे और परिजनों को सब्र और हिम्मत दे। साथ ही यह भी कहा कि महाराष्ट्र में एनडीए शासन में लगातार इस तरह की मौतें हो रही है लेकिन सरकार के स्तर से कोई कार्रवाई नहीं हो रही है,ऐसी आपराधिक घटनाओं को क्या नाम देंगे?

साहित्य सम्मेलन के 43वें महाधिवेशन की तैयारियाँ हुई पूरी

वैचारिक-सत्रों के विद्वानों और विदुषियों के नाम भी हुए तय

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

आगामी 19-20 अक्टूबर को आयोजित बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के 106ठे स्थापना दिवस समारोह एवं दो दिवसीय 43वें महाधिवेशन की तैयारियाँ लगभग पूरी हो चुकी हैं। उद्घाटन-समारोह एवं समापन-समारोह के अतिथियों के साथ ही विभिन्न वैचारिक-सत्रों के अध्यक्षों और वक्ताओं की सूची भी तैयार हो चुकी है। समारोह का उद्घाटन 19 अक्टूबर को पूर्वाहन 11-30 बजे, झारखण्ड उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और महानदी जल-विवाद प्राधिकरण के सदस्य न्यायमूर्ति श्री रवि रंजन तथा केंद्रीय मंत्री जीतन राम माँझी दीप-प्रज्वलित कर करेंगे। यह जानकारी देते हुए, सम्मेलन के अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने बताया है कि हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग तथा माहात्मा गांधी द्वारा स्थापित संस्था राष्ट्राभाषा प्रचार समिति, वर्धा के अध्यक्ष प्रो सूर्य प्रसाद दीक्षित, वृंदावन के सुप्रसिद्ध विद्वान डा गोपाल चतुर्वेदी, कुँवर वीर सिंह मार्तण्ड(कोलकाता), मेरठ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो रवीन्द्र कुमार, डा जसबीर चावला (चंडीगढ़), आचार्य विजय रंजन (अयोध्या), प्रो महेन्द्र मधुकर, डा वंदना वाजपेयी (दिल्ली), अमरेन्द्र नारायण (जबलपुर) आदि विद्वान विभिन्न सत्रों में अपना व्याख्यान देंगे। 19 अक्टूबर की संध्या में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी संपन्न होगा। अगले दिन भोजन के अवकाश के पश्चात एक विराट राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता गीत के अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के कवि पं बुद्धिनाथ मिश्र करेंगे। समापन समारोह का उद्घाटन बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डा नन्द किशोर यादव करेंगे। मुख्य अतिथि होंगे बिहार के पुलिस महानिदेशक आलोक राज। समापन समारोह में हिन्दी की मूल्यवान सेवा करने वाले विद्वानों और विदुषियों को विविध अलंकरणों से सम्मानित किया जाएगा। समारोह के पहले दिन उद्घाटन के पूर्व सम्मेलन की शीर्ष समिति स्थायी समिति की बैठक भी संपन्न होगी। व्यवस्था संबंधी सभी उपसमितियों का भी गठन किया जा चुका है, जो दूसरे प्रांतों से आ रहे अतिथियों के आवासन और यातायात सहित दोनों दिन सभी अतिथियों,प्रतिनिधियों और भाग लेने वाले सभी सदस्यों के लिए भोजन-जलपान,चाय आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी। विद्यार्थियों और युवाओं को प्रतिभागिता हेतु विशेष

जदयू कार्यालय में डॉ राम मनोहर लोहिया की मनाई गई पुण्यतिथि

पटना। जदयू प्रदेश कार्यालय में डॉ राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि के मौके पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, विधानपार्षद सह पार्टी के कोषाध्यक्ष ललन कुमार सर्राफ, विधानपार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी विधानपार्षद सह पार्टी के वरीय प्रदेश उपाध्यक्ष रवींद्र प्रसाद सिंह, प्रदेश महासचिव डॉ धर्मेंद्र कुमार चंद्रवंशी सहित पार्टी के कई नेताओं एवं कार्यकताओं ने उनके तैल्यचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर डॉ लोहिया को श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सामाजिक न्याय को स्थापित करने की दिशा में डॉ राम मनोहर लोहिया के द्वारा किए गए सकारात्मक प्रयास भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। हमारी पार्टी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व और मार्गदर्शन में डॉ लोहिया के विचारों को अपनाकर समाजवाद की धारा को आगे बढ़ाने का काम कर रही है।

जयप्रकाश नारायण का जीवन संघर्ष, त्याग और सेवा का प्रतीक : दुबे

केंद्रीय राज्य मंत्री ने लोकनायक को जंयती पर अर्पित की श्रद्धांजलि

पटना। केंद्रीय कोयला और खनन राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती के अवसर पर उन्हें नमन किया और श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर श्री दुबे ने कहा, जयप्रकाश नारायण का जीवन संघर्ष, त्याग और सेवा का प्रतीक रहा है। उन्होंने भ्रष्टाचार, अन्याय और असमानता के खिलाफ आवाज उठाई और सम्पूर्ण क्रांति का नारा दिया, जो आज भी प्रासंगिक है। उनकी क्रांति न केवल राजनीतिक बल्कि सामाजिक और आर्थिक न्याय की दिशा में थी। श्री दुबे ने कहा, जयप्रकाश नारायण ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का संदेश पहुँचाने का काम किया। उनकी सोच थी कि हर व्यक्ति को समान अधिकार और अवसर मिले। आज हमारी सरकार उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए समाज के हर वर्ग को सशक्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कोयला और खनन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विकास के माध्यम से हम ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में भी समृद्धि लाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, देश को एक सशक्त और भ्रष्टाचार मुक्त लोकतंत्र देने के लिए जयप्रकाश नारायण जी के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। उनकी विचारधारा से प्रेरित होकर हम अपने मंत्रालय के अंतर्गत काम कर रहे क्षेत्रों में पारदर्शिता, विकास और जनहित के कार्यों को बढ़ावा दे रहे हैं। इस अवसर पर श्री दुबे ने सभी नागरिकों से जयप्रकाश नारायण जी के आदर्शों को अपनाने और उनके दिखाए रास्ते पर चलने की अपील की।

राजद ने मनाई डॉ राममनोहर लोहिया की पुण्यतिथि

पटना। महान समाजवादी नेता एवं चिंतक डॉ राम मनोहर लोहिया के पुण्यतिथि के अवसर पर राजद नेताओं एवं कार्यकताओं द्वारा उनके तैल चित्र पर माल्यार्पण कर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए उनके बताए आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया। प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ तनवीर हसन की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि आज के वर्तमान परिप्रेक्ष्य में उनके द्वारा कही गई बातों की प्रासंगिकता काफी बढ़ गई है। अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में डॉ तनवीर हसन ने कहा कि लोहिया जी ने कहा था कि सड़क अगर खामोश हो जाएं तो संसद आवारा हो जाएंगी। डॉ हसन ने कहा कि डॉ लोहिया भारतीय राजनीति के महान योद्धा थे। उन्होंने सामाजिक न्याय की लड़ाई को जमीन पर उतारा। लोहिया जी जीवन पर्यन्त दलितों, पिछड़ों अकलियतों तथा गरीब-गुरबों के लिए संसद से सड़क तक आवाज उठाते रहे। राष्ट्रीय जनता दल अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद के मार्गदर्शन एवं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के नेतृत्व में डॉ0 लोहिया के आदर्शों पर चलकर सामाजिक न्याय की लड़ाई को आगे बढ़ा रहा है। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बिनु यादव, पार्टी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व विधायक डॉ अनवर आलम, पार्टी के प्रदेश महासचिव प्रमोद राम , निर्भय अम्बेडकर, प्रदेश प्रवक्ता प्रमोद कुमार सिन्हा के साथ हीं अफरोज आलम, दिलीप कुमार दिवाकर, चन्द्रेश्वर प्र सिंह,बेचन राम,हरि उरांव, प्रभाकर महतो,शहनाज अहमद, विनोद यादव एवं जीतेन्द्र शर्मा सहित उपस्थित अन्य लोगों ने डॉ लोहिया के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

जयप्रकाश नारायण की जयंती पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने दी श्रद्धांजलि

जयप्रकाश नारायण की सम्पूर्ण क्रांति आज भी प्रेरणा का स्रोत : दिलीप

पटना। लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की जयंती के अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री डॉ दिलीप जायसवाल ने उन्हें नमन किया। इस अवसर पर डॉ जायसवाल ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा, जयप्रकाश नारायण जी ने देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ी और सशक्त लोकतंत्र के लिए आवाज उठाई। उनके द्वारा दिए गए सम्पूर्ण क्रांति के विचार आज भी हमें प्रेरणा देते हैं। उन्होंने हमें सिखाया कि राष्ट्रहित सर्वोपरि है और इसी मार्ग पर चलते हुए भारतीय जनता पार्टी देश के विकास के लिए निरंतर कार्यरत है। भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री डॉ जायसवाल ने इस अवसर पर कहा जयप्रकाश नारायण ने हमेशा किसान और गरीबों के हितों के लिए संघर्ष किया। भूमि सुधार की दिशा में उनका योगदान अविस्मरणीय है। हमारी सरकार उन्हीं के आदर्शों पर चलते हुए किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। भूमि सुधार के क्षेत्र में हमारी सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जो आगे भी जारी रहेंगे। पार्टी कार्यकताओं ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर कई वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

बोचहां में कार गड्ढे में गिरी, बड़ा हादसा टला

बोचहा। थाना क्षेत्र के दरभंगा रोड एनएच 57 मझौली चौक के समीप शुक्रवार को दरभंगा से मुजफ्फरपुर जा रही कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने आनन फानन में कर चला रहे अधिवक्ता एवं उनके पुत्र को सही सलामत बाहर निकाला गया। मझौली में रोड पार कर रहे बाइक सवार को बचाने के क्रम में चालक द्वारा जोरदार ब्रेक लगाने से कार हवा में उछल गया। इस के बाद चालक नियंत्रण खो दिया और रेलिंग को पार करते हुए रोड के दूसरी छोर के किनारे गड्ढे में जा गिरा हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। गड्ढे में फंसे कार को जेसीबी की मदद से बाहर निकाला गया। घटना को लेकर दरभंगा जिला के रहने वाले अधिवक्ता मो जियाउद्दीन ने बताया दरभंगा से मुजफ्फरपुर जाने के क्रम में मझौली चौक के समीप बाइक सवार को बचाने के दौरान यह हादसा हो गया।

मीडिया कर्मियों को टोल टैक्स से मुक्त करने की मांग

मुजफ्फरपुर। पत्रकार कल्याण मंच ने मीडिया कर्मियों के वाहनों को टोल टैक्स से मुक्त करने की मांग केन्द्र सरकार से की है। इससे सम्बंधित एक मांग पत्र मंच की ओर से केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री डाक्टर राज भूषण निषाद को आज सौंपा गया। मांग पत्र में कहा गया है कि मिडिया लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है। मीडिया का काम जोखिम भरा होता है। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर देश हित के सभी कार्यों में मीडिया बखूबी अपना दायित्व निभाता आ रहा है लेकिन लोकतंत्र में मीडिया हमेशा उपेक्षित रहा है। राजमार्गों पर जहां भी सड़क पुल को लेकर टॉल टैक्स लिये जाते हैं उसमें अधिकारी, पंचायत से लेकर ऊपर स्तर तक के जनप्रतिनिधियों को टॉल टैक्स की छूट दी गई है। लेकिन मीडिया को इस लाभ से वंचित रखा गया है। अखबार पहुंचाने की गाड़ी से लेकर समाचार संकलन तक के लिए उपयोग किये जाने वाले सभी वाहनों से टॉल टैक्स लिया जाना उचित नहीं है। आपसे आग्रह है कि विभागीय मंत्री और सरकार के समक्ष इस मामले को गंभीरता से रखते हुए मीडिया से जुड़े सभी प्रकार के वाहनों को इस टैक्स से मुक्त करवाने का कष्ट करें। इसके लिए पत्रकार कल्याण मंच आपका आभारी रहेगा।

जिला भर में शान्तिपूर्ण एवं सौहाद्रपूर्ण वातावरण में दुर्गा पूजा हुआ सम्पन्न

मधुबनी में शान्तिपूर्ण एवं सौहाद्रपूर्ण वातावरण में दुर्गा पूजा सम्पन्न। विसर्जन जुलूस को लेकर भी जिला प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद रहा। सभी महत्वपूर्ण स्थलों पर दंडाधिकारी पुलिस बल के साथ सजग, ड्रोन कैमरे, वीडियोग्राफी से विसर्जन जुलूस पर रखी जा रही थी नजर। अधिकांश स्थानों पर विसर्जन सम्पन्न। जिला नियंत्रण कक्ष से भी 24 घण्टे पल-पल की गतिविधियों पर रखी जा रही थी नजर।

सड़क दुर्घटना सहित मारपीट में तीन जख्मी

कल्याणपुर, समस्तीपुर। प्रखंड क्षेत्र के हजपुरवा पंचायत स्थित बसंत पट्टी गांव में सड़क दुर्घटना में गांव के ही अमरजीत पासवान के किशोर पुत्र 6 वर्षीय अमन कुमार बाइक की ठोकर से जख्मी हो गये। जिसका सामुदायिक अस्पताल में प्राथमिक ईलाज के बाद बेहतर ईलाज के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर रेफर किया गया। वहीं दूसरी और आपसी विवाद में मारपीट में एक पक्ष के 21 वर्षीय रंजीत कुमार की पत्नी दुर्गा कुमारी घोघरमा गांव की जख्मी हो गई। परिजनों के सहयोग से जख्मी का इलाज समुदायिक अस्पताल में कराया गया। जानकारी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर बीके ठाकुर ने दी। वहीं दूसरी ओर शुक्रवार को मोहवारा सड़क पर पकड़ी डीह की एक 65 वर्षीय महिला गोविंद साहनी की पत्नी मीना देवी ओटो की ठोकर से जख्मी हो गई। परिजनों के सहयोग से सामुदायिक अस्पताल कल्याणपुर में इलाज कराया गया। वहीं प्रखंड डीएसपी सह थानाध्यक्ष विकास केशव ने बताया कि जख्मी के परिजन द्वारा आवेदन मिलने पर आगे कार्रवाई किया जाएगा।

तैयारी पूरी, आज से होगी दंगल कुश्ती

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड अंतर्गत कल्याणपुर उत्तर पंचायत स्थित दैता पोखर भीम अखाड़ा के प्रांगण में दंगल कुश्ती प्रतियोगिता की तैयारी पूरी कर ली गई है। आज से शुरू होगी दंगल कुश्ती प्रतियोगिता में देश भर के पुरुष एवं महिला पहलवान अपना दांव लगाएंगे। बता दें कि यह आयोजन दुर्गा पूजा के अवसर पर सर्व कल्याणी मां दुर्गा पूजा व दंगल कुश्ती समिति की ओर से किया जा रहा है। तीन दिवसीय दंगल कुश्ती प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला 16 अक्टूबर को होगा। दंगल में बनारस, हरियाणा, दिल्ली, बगहा, खगड़िया, गोरखपुर, अयोध्या, बक्सर, लखनऊ, बिहार व पड़ोसी देश नेपाल आदि जगहों के महिला एवं पुरुष पहलवान अपना दांव लगाएंगे।

माँ दुर्गा समेत अन्य देवी देवताओं के प्रतिमा विसर्जन, यात्रा में आस्था और भक्ति का उमड़ा जनसैलाब

कमला नदी समेत आस पास के सरोवरों में किया गया प्रतिमाओं का विसर्जन

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिला के सीमांचल क्षेत्र स्थित जयनगर के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शारदीय नवरात्र दुर्गा पूजनोत्सव हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ श्रद्धापूर्वक भक्तिभाव से मनाया गया। मन्दिरो और पूजा पंडालों में निर्मित कर स्थापित माँ देवी दुर्गा समेत अन्य देवी देवताओं की पंडितों के द्वारा विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ पूजा अर्चना एवं आरती की और प्रसाद का वितरण किया गया। पूजा कमिटियो के द्वारा देवी देवताओं के प्रतिमाओं का विसर्जन को ले पूजा पंडालो और मन्दिरो से प्रतिमाओं के साथ भव्य आकर्षक झांकियां एवं बैण्ड बाजे गाजे ढोल नगारे के साथ प्रतिमा विसर्जन यात्रा निकाली गई। वही एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर और महिलाओ ने सिंदुर लगाया। प्रतिमा विसर्जन यात्रा को ले लोगो के द्वारा सड़क को झाड़ु लगा कर पानी की बौछार से साफ करते दिखे एव सड़क को माता के विदाई को ले अबीर गुलाल रंगोली बना कर फूलो से सजाया गया था। प्रतिमा विसर्जन यात्रा चौभन्न चौक चौराहों पर पहुची और यात्रा के दौरान मन्दिरों के समीप महिलाओ श्रद्धालु भक्तजन आम लोगों के द्वारा माँ दुर्गा समेत अन्य देवी देवताओं की पूजा अर्चना की गई। भक्ति भाव से श्रद्धापूर्वक पूजा अर्चना कर यात्रा में शामिल होकर नम आंखों से विदाई देते हुए एवं सभी के शुभ मंगलकामना, विश्व मे शांति, सुख समृद्धि वैभव का आशीर्वाद मांगा एवं पुनः अगले वर्ष शुभ आगमन को ले माता रानी एवं देवी देवताओं से याचना कर कामना की गई प्रतिमा विसर्जन विधिव्यवस्था को ले पुलिस प्रशासन चौकस दिखी और विसर्जन के दौरान पुलिस की टीम साथ चल रही थी और क्षेत्र में गश्त लगाते देखा गया। प्रतिमा विसर्जन के दौरान युवाओं की टोली समेत अन्य लोग झूमते नाचते देखें गये और जय माता दी के जयकारें लगा रहे थे। प्रतिमा विसर्जन यात्रा को देखने और विसर्जन में शामिल होने को ले लोगों की काफी भीड़ उमड़ पड़ी। कई जगहों और मिथिला के पर्व कोजगरा के दिन तक पूजा पाठ कर प्रतिमाओं का विसर्जन करने की परंपरा है। क्षेत्र के कमला नदी समेत अन्य सरोवरों में देवी देवताओं की प्रतिमाओं का विसर्जन पूजा अर्चना आरती कर किया गया।

नदी बचाओ अभियान के तहत सांस्कृतिक यात्रा की शुरूआत

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। गंगा मुक्ति आंदोलन द्वारा आज नदी बचाओ अभियान के तहत ह्वसांस्कृतिक यात्राह्व की शुरूआत जय प्रभा नगर मझौलिया हुई। इस सांस्कृतिक यात्रा का पहला ठहराव परिवार परामर्श केंद्र ह्वसंबलह्व में हुई । जहां समाजसेवी संगीता सुभाषिनी एवं पत्रकार अनिल गुप्ता द्वारा सांस्कृतिक यात्रा का स्वागत सम्मान किया गया। दूसरे ठहराव में कुढ़नी प्रखंड के सकरी में कठपुतली द्वारा नदी संवाद किया गया। एकता परिषद के लखींद्र प्रसाद के द्वारा सांस्कृतिक यात्रा को सहयोग एवं शुभकामना दी गई। इसके बाद बलहा घाट, पंचायत बसंता जहानाबाद, प्रखंड लालगंज, वैशाली में हुआ। सांस्कृतिक यात्रा को संबोधित करते हुए मत्स्य जीवी सहयोग समिति लिमिटेड के प्रदेश अध्यक्ष प्रयाग सहनी ने कहा कि नदियों पर बन रहे बांध एवं उससे हो रहे जान माल की क्षति और बाढ़ की समस्या तथा फरक्का बांध के कारण गंगा सहित विभिन्न नदियों की स्थिति, ,गाद की समस्या,67 प्रकार की मछलियों की प्रजातियां विलुप्त होने तथा 80 प्रतिशत मछलियों के उत्पाद में कमी आई हैं।आज से 60-70 साल पहले नदियों पर कोई बांध नही था तो नदियां अविरल और निर्मल बहती थीं । नदियों में सिल्ट जमा नहीं होता था और न ही बाढ़ की समस्या होती थी।सरकार की गलत नीति के कारण आज पूरे बिहार की आम जनता बाढ़ और सुखाड़ के चपेट में आ गई हैं। गंगा मुक्ति आंदोलन के प्रणेता पर्यावरणविद अनिल प्रकाश ने कहा कि बागमती, गण्डक, लखनदेई, अधवारा समूह की नदियों, करेह, नून आदि नदियां अपनी जालनुमा उपस्थिति से जन जीवन को सदियों से सुखमय बनाती रही हैं। लेकिन विकास के नाम पर बन रहे तटबन्धों,बराजों, फैक्ट्रियों, मिलों और थर्मलपावर स्टेशनों से बह रहे जहरीले, काले, पीले जहरीले कचरे के कारण हमारी जीवनदायी नदियों का दम घुट रहा है। नदियों पर जीनेवाले नाविक, मल्लाह, किसान, सब्जी उगानेवाले, भैंस पाल कर सुख से जीने वाले करोड़ों स्त्री- पुरुषों की आजीविका और सांस्कृतिक पहचान बड़े गम्भीर संकट में है। अब तो गंगा एवम उससे जुडी तमाम नदियों को बड़ी बड़ी देशी विदेशी कम्पनियों के हाथ मे सौंपने की शुरूआत हो चुकी है। सोंस को बचाने के नाम पर मल्लाहों को नदियों से खदेडने की बात की जा रही है। नदियों के किनारे के सौंदर्यीकरण के बहाने किसानों की बेशकीमती जमीनों पर भी लुटेरी कम्पनियों की बुरी नजर है। इन्ही सवालों को लेकर गंगा मुक्ति आंदोलन के मित्रों का मिलन 14 अक्टूबर 2024 यूथ हॉस्टल, फ्रेजर रोड, पटना में होगा। कठपुतली कलाकार सुनील सरला ने ये वक्त की आवाज हैं नदी बचाओ, ये जिंदगी का राज नदी बचाओ, गंगा-गंगा रटईत रहली, गंगा हथीन जलवा के रानी। गंगा पूजे चलू हे सखी, गंगा जी में मिले न मछरिया कोना के दिनवा जतई हे। नदी गीत सुनाकर सांस्कृतिक यात्रा में अपनी संवेदना प्रकट की।इस अवसर पर मुख्य रूप गंगा मुक्ति आंदोलन के प्रणेता पर्यावरणविद अनिल प्रकाश,कठपुतली कलाकार सुनील सरला, रविदास महासंघ के प्रदेश महासचिव चंदेश्वर राम, अजय कुमार,देवेंद्र कुमार, लालगंज प्रखंड मत्स्य जीवी सहयोग समिति लिमिटेड के सचिव दिनेश सहनी,सदस्य गोपाल सहनी, दिलीप सहनी, लाल बाबू सहनी,हरिहर सहनी एवं अन्य सदस्य मौजूद थे।

किशोर -किशोरियों के सशक्तीकरण पर पोस्टर प्रदर्शनी आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर शुक्रवार को बंदरा प्रखंड स्थित बरियारपुर दुर्गा पूजा पंडाल में एक्शन एड के द्वारा उड़ान परियोजना अंतर्गत किशोर-किशोरियों के सशक्तिकरण तथा बच्चों के संरक्षण के लिए चलाये जा रहे कार्यक्रमों व उपलब्धियों को लेकर एक स्टाल लगाया। स्टाल में पोस्टरों के माध्यम से एकतरफ जिसमें बच्चों की गतिविधियों में जिलाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, निदेशक जिला बाल संरक्षण ईकाई, श्रम अधिक्षक, प्रखंड विकास पदाधिकारी, से मिल रहे सहयोग दूसरी ओर जनप्रतिनिधियों का सहयोग, पत्रकार व बुद्धिजीवियों सहित फ्रांटलाइन कार्यकताओं का सहयोग, मिडिया में अभियान का कॉवरेज दिखाया गया। वहीं बच्चों व अन्य तमाम अन्य स्टाक होल्डर के सहयोग से अबतक के उपलब्धियों को पोस्टर के जरीए दिखाया गया। फीता काट कर मुख्य अतिथि प्रखंड विकास पदाधिकारी,बंदरा शाकिब अहमद ने स्टाल का शुभारंभ किया। साथ में वरिष्ठ पत्रकार ब्रह्मानंद ठाकुर, बड़गांव मुखिया अब्दुल सत्तार अंसारी, नुनफारा के पूर्व मुखिया अशोक कुमार सिंह, पीयर थानाध्यक्ष पंकज यादव, एक्शन एड के जिला समन्वयक अरविन्द कुमार प्रखंड समन्वयक, राजगीर कुमार, मानवाधिकार रक्षक, रामसुंदर राम,आंगनबाड़ी पर्यवेक्षिका, गीता कुमारी,जगदीश मांझी मौजूद थे। अतिथियों द्वारा स्टाल का भ्रमण करने के पश्चात बच्चों के साथ संवाद स्थापित किया। संवाद के पश्चात विभिन्न नारा लिखित प्ला कार्ड व नारा लगाते हुए किशोरियों की अगुवाई तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित सभी गणमान्य अतिथियों ने विभिन्न सामाजिक कुरीतियों यथा बाल विवाह, दहेज, बाल श्रम तथा कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ मेला परिसर में पैदल मार्च किया।कार्यक्रम में समाजसेवी सुरेश राम,चंदन कुमार व विकास मित्र कुमारी आरती का विशेष सहयोग रहा, स्टाल अवलोकन में तथा पैदल मार्च में समुदाय सदस्यों सहित किशोरी समूह की किशोरियां, विकास मित्र, आंगनबाड़ी सेविकाएं , पीयर थाना के कांस्टेबल, एक्शन एड के वोलंटियर मौजूद थे

कर्पूरीग्राम थाना के टॉप टेन में शामिल कुख्यात अपराधी को एसआईटी ने दबोचा, कई मामलों में था फरार

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

पुलिस ने कई कांडों फरार चल रहे कपूर्रीग्राम थाना के टॉप टेन में शामिल कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार किया है।पुलिस के अनुसार वह एक बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना में था। गिरफ्तार अपराधी के पास से पुलिस ने एक पिस्तौल और एक गोली बरामद किया है। उसकी पहचान आधारपुर के रामजी सिंह के पुत्र राजकुमार उर्फ राजू के रूप में हुई है। इस संबंध रविवार को अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में एएसपी सह सदर एसडीपीओ-1 संजय कुमार ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी के विरुद्ध कपूर्रीग्राम थाना में तीन व वैनी थाना में पूर्व से एक आपराधिक मामला दर्ज है। वह तीन मामलों में फरार चल रहा था और उसका नाम कपूर्रीग्राम थाना के टॉप टेन अपराधियों में भी शामिल है। उन्होंने बताया कि 12 अक्टूबर को कपूर्रीग्राम थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह को गुप्त सूचना मिली थी कि वह कुख्यात अपराधी आधारपुर स्कूल के पीछे गाछी में बैठा हुआ है और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में है। इसकी सूचना उनके द्वारा वरीय पदाधिकारियों को दी गई। जिसके बाद एसपी अशोक मिश्रा के निर्देश पर कपूर्रीग्राम थानाध्यक्ष के नेतृत्व में तत्काल एक एसआईटी का गठन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। एसआईटी टीम ने पुअनि विनय कुमार के नेतृत्व में आधारपुर स्कूल के पीछे स्थित गाछी का घेराबंदी करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुत्र के साथ रुपए के लेनदेन के विवाद में डांट लगाने पर बदमाशों ने की थी किसान की गोली मारकर हत्या

मृतक के पुत्र की संदिग्ध गतिविधि की पुलिस कर रही है जांच

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के फतेहपुर के पास बीते 11 अक्टूबर की सुबह बाइक सवार दो अपराधियों के द्वारा एक किसान की गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था। जिसे इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। उस मामले में एएसपी सह सदर एसडीपीओ-1 संजय कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में गठित एसआईटी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के 24 घंटों के अंदर घटना में शामिल बदमाश को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान सरायरंजन थाना क्षेत्र जितवारपुर कुम्हिरा के रविंद्र कुमार के पुत्र संदीप कुमार (20 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस ने घटना के दौरान पहने गए उसके कपड़े और एक मोबाइल को बरामद किया है। वहीं इस घटना में शामिल चकमेहसी थाना क्षेत्र के सोमनाहा के उमेश प्रसाद के पुत्र जितेंद्र कुमार छोटू की गिरफ्तारी व घटना में प्रयुक्त हथियार और बाइक की बरामदगी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। इस संबंध में अपने कार्यालय कक्ष में रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए एएसपी सह सदर एसडीपीओ-1 संजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि घटना के खुलासे व इसमें संलिप्त बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए एसपी अशोक मिश्रा के निर्देश पर उनके नेतृत्व में एक एसआईटी गठित की गई थी। एसआईटी ने तकनीकी व मानवीय आसूचना के आधार पर घटना में संलिप्त एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बदमाश ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि उसका मृतक के पुत्र सत्यम कुमार से पैसा के लेनदेने को लेकर विवाद था। इस विवाद की जानकारी जब मृतक को हुई तो उसने संदीप कुमार से पूछताछ कर उसे डांट फटकार किया था। उसने कहा था कि उन लोगों ने उसके पुत्र को बिगाड़ दिया है और वह उन लोगों पर केस करेंगे। इसी की प्रतिक्रिया में बदमाशों ने उनकी हत्या कर दी। वहीं एएसपी संजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि मृतक के पुत्र की भी छवि ठीक नहीं है और पुलिस उस बिंदु पर भी जांच कर रही है।

अबकी बार घड़ी लाए हो, ले जाओ...अगली बार समय तुम लाना तोहफे में

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मां दुर्गा मंदिर माधोपुर परिसर में शायर दिवाकर दिव्यंक ने ज्यों ही ह्वअबकी बार घड़ी लाए हो, ले जाओ...अगली बार समय तुम लाना तोहफे में...श्रोताओं के सम्मुख मंच से कही कि शब्दों की गंभीरता को देख लोगों ने जमकर दाद दी। अवसर था ह्वविकल्पह्व के तत्वाधान में भव्य कवि सम्मेलन का जहां कवियों ने अपनी प्रस्तुति से दर्शक श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कवि सम्मेलन का उद्घाटन बीडीओ चंद्रमोहन पासवान, पूर्व प्रमुख सह पंसस रुपांजलि कुमारी, जिला पार्षद रीना राय, पूर्व मुखिया अरुण कुमार राय और वरिष्ठ साहित्यकार रामाकांत राय ह्वरमाह्व ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलित कर किया। आगत कवियों में जनकपुर से आई वाह भाई वाह फेम कवियित्री रंजना लता ने मातृ वंदना के पश्चात प्रेम के गीतों से मंच को सजाया तो कुमार अमरेश ने लोग कहते घर जमाई है कहो हम क्या करें से लोगों को गुदगुदाया। बेगूसराय के मनीष मोहक अपनी रचना गांव की मिट्टी से लोगों के दिलों तक पहुंचे तो रोसड़ा की कवियित्री शेफालिका झा की सेल्फी वाली कनियां ने उपस्थित लोगों को ठहाके लगाने पर विवश कर दिया। हसनपुर के वायरल शिक्षक और हास्य व्यंग्य के चर्चित कवि बैद्यनाथ रजक ने अपने ही अंदाज में दहेज प्रथा पर कड़ा प्रहार कर लोगों की वाहवाही बटोरी तो स्थानीय युवा और स्थापित शायर व गजलकार दिवाकर दिव्यंक की गजल करने हैं सारे ख्वाब मुकम्मल भी साथ-साथ, अफसोस !एक रात है दोनों के दरमियां ने खूब तालियां बटोरी। माता जानकी की धरती सीतामढ़ी से आई कवियित्री नैना साहू ने भारती की आरती पढ़कर जन जन को रोमांचित कर दिया। प्रो. सत्य संध भारद्वाज की गीतिका कविता क्या है छंदबद्ध शब्दों का सुचित श्रृंगार है ने जनसमूह को बांध कर रख दिया। प्रस्तुति के दौरान वाह ! वाह ! और तालियां बजा-बजाकर दर्शकों ने कवियों का बखूबी साथ दिया। स्थानीय वरिष्ठ शिक्षक कवि राजाराम महतो की अध्यक्षता में संपन्न हुए। अध्यक्षीय उद्बोधन में राजाराम महतो ने मातृशक्ति को समर्पित अपने मनमोहक काव्य पाठ से भव्य कवि सम्मेलन की सफलता पर मुहर लगाने का काम किया। आयोजन समिति की ओर से मैथिली भाषा के वरिष्ठ कवि और साहित्यकार रमाकांत राय ह्वरमाह्व को विशेष तौर पर ह्वरामजपी शर्मा स्मृति सम्मानह्व से सम्मानित किया गया। सभी आगत कवियों को अंगवस्त्र, माला और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। आयोजन में समस्तीपुर के लब्ध प्रतिष्ठित गजलकार अक्स समस्तीपुरी और मांडवी, सरीखी व कालजयी जैसी पुस्तकों के प्रणेता सौरभ वाचस्पति रेणु का अहम योगदान रहा। मौके पर अंचलाधिकारी रंधीर रमण, थानाध्यक्ष आनंद कुमार कश्यप, बेगुसराय के खोदावंदपुर बीडीओ नवनीत नमन, मुखिया विभा कुमारी, सरपंच वंदना कुमारी, पैक्स अध्यक्ष रविन्द्र कुमार, पंसस दीपक कुमार साह, रंधीर कुमार राय, विशाल कुमार राय, शोभाकांत राय, विजय कुमार, नील कमल समेत हजारों की तादाद में आए काव्यप्रेमी कार्यक्रम के समापन तक डटे रहे। कवियों और कवयित्रियों के साथ फोटो सेशन के लिए देर रात तक लोगों की भीड़ रही। चचाओं के दौर में यह कवि सम्मेलन लोगों की जुबान पर है।

शांतिपूर्ण संपन्न हुआ दुर्गा पूजा

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड क्षेत्र में विभिन्न जगहों जैसे कल्याणपुर, मुस्तफापुर, चकहवीब, सिंघिया घाट, नरहन, माधोपुर, बेलसंडी, चकविदुलिया, दामोदरपुर सहित अन्य सभी जगहों पर आयोजित दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। काफी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी थी। प्रशासन की चौकसी व पूजा पंडालों में लगे सीसीटीवी कैमरा निगरानी तथा कमिटी के वोलेंटियर के सहयोग से यह पूजा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। वहीं माधोपुर और मुस्तफापुर में रावण का पुतला बनाकर दहन किया गया। उससे पहले राम, लक्ष्मण, हनुमान आदि भगवान का स्वरूप बनकर गाजा-बाजा के साथ जूलुस निकालकर क्षेत्र भ्रमण किया। तत्पश्चात रावण का पुतला दहन किया गया। मौके पर हजारों की संख्या में भीड़ थी।

कम्युनिस्ट आंदोलन को तेज करने का अपील : राणा प्रताप सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) उछाल ब्रांच का सम्मेलन उछाल टोल के संजीव यादव के दरवाजे पर समय से प्रारंभ किया गया सर्वप्रथम ब्रांच सचिव कॉमरेड पवन कुमार यादव ने पार्टी झंडोतोलन किया और सम्मेलन में उपस्थिति सभी साथी उपस्थित रहे और शहीद वेदी पर पुष्प अर्पित किया गया। सम्मेलन की कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए सम्मेलन प्रारंभ किया गया सर्वसम्मति से सम्मेलन की अध्यक्षता कॉमरेड रविन्द्र बिहारी उर्फ मोहन की अध्यक्षता में आगे बढ़ा। सम्मेलन का उद्घाटन कॉमरेड कुमार राणा प्रताप सिंह लोकल कमिटी सचिव सह जिला कमिटी सदस्य ने किया अपने सम्बोधन में देश राज्य एवं जिला में घटित घटनाओं तथा राजनीतिक परिस्थिति पर प्रकाश डालते हुए साथियो के कम्युनिस्ट आंदोलन को तेज करने का अपील किया। पार्टी के वरिष्ठ नेता कॉमरेड रामजी यादव ने बताया कि आज पार्टी साथी का जवाबदेही सबसे अधिक है पार्टी साथी को देश के कारपोरेट घरानो के हाथों से देश की संपत्ति को बचाने का आवश्यकता है। ब्रांच सचिव कॉमरेड पवन कुमार यादव ने अपना कार्य रिपोर्ट पेश किया सम्मेलन में उपस्थित सभी ने रिपोर्ट को सर्वसम्मति से पास किया सम्मेलन में पवन कुमार यादव, रविन्द्र बिहारी उर्फ मोहन, हलखोरी यादव उर्फ आत्मा राम, जगदेव यादव, योगेन्द्र मुखिया, गुरुदेव मुखिया, संजीव कुमार यादव सम्मेलन में सर्वसम्मति से पुनः ब्रांच सचिव कॉमरेड पवन कुमार यादव चुने गये। तथा जिला सम्मेलन के लिये दो साथी का चुनाव किया गया।

लोगों ने कहा आधी अधूरी बनी है सड़क हमें केवल गुमराह किया गया

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी में योजना बोर्ड मे हुई तकनीकी भूल विधायक के लिए सिरदर्द बन गया योजना हरलाखी विधानसभा का है जहां के सत्ताधारी दल जेडीयू के विधायक सह सचेतक सुधांशु शेखर शनिवार को हरलाखी के मनोहरपुर में सीएम क्षेत्र विकास योजना से निर्मित सड़क का उद्घाटन करने के लिए पहुंचे थे। दरअसल योजना बोर्ड में मनोहरपुर वार्ड नं 13 के कपिलदेव यादव के घर से सैनी दास के घर तक पीसीसी सड़क निर्माण को अंकित किया गया था। लेकिन सड़क का निर्माण बोर्ड में दिए गए स्थल तक नही होने का आरोप ग्रामीण लगा रहे थे। हालांकि बताया जा रहा है कि उक्त सड़क का निर्माण राशि और विभागीय प्रावधान के अनुसार ही कराया गया है लेकिन कुछ लोगो ने गलत ढंग से इस तकनीकी समस्या को लोगो के बीच परोस दिया। जिसके कारण गांव के लोग खासकर महिलाएं गुमराह हो गए और विधायक का विरोध शुरू कर दिए।हालांकि विधायक सुधांशु शेखर अपने कार्यकर्ताओ के साथ सड़क का उद्घाटन किया और फिर ग्रामीणो के साथ बात की, पूछा ये विरोध करने का कोई तरीका है क्या जो विभाग में प्रावधान है, उसके अनुसार ही कार्य हुआ है, अगर फिर भी दिक्कत है तो जांच कराए। जिसके बाद ग्रामीण भी विधायक से सहमत नजर आए।

24 पंचायतों में पहुंचा अभियान, 16 पंचायतों में हुआ गठन,जनता का फैसला सर्वमान्य

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर आम आवाम पंचायत जनसंपर्क अभियान और संगठन निर्माण से जुड़े प्रतिनिधि और उनके समर्थक का जो भी निर्णय होगा मेरे लिए सर्वमान्य होगा। अगर वे कहेंगे की चुनाव लड़िये तो चुनाव लड़ेंगे, अगर वे नहीं कहेंगे तो चुनाव नहीं लड़ेंगे। जनता का हर फैसला शिरोधार्य होगा। ये बातें प्रखंड के नरवन में अपने निजी आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में समाजसेवी विश्वनाथ चौधरी तूफान ने कही। उन्होंने कहा कि उनका पसंदीदा गठबंधन एनडीए है। एनडीए से भी वे अपनी दावेदारी पेश करेंगे। इसके लिए वे अलग से भी काम कर रहे हैं। अभी तक 24 पंचायत में यह अभियान चला है जबकि 16 पंचायत में पंचायत स्तर पर अध्यक्ष एवं सचिव का चुनाव कर लिया गया है।फिलहाल उक्त अभियान के तहत उनका कार्यक्रम लगातार जारी है। मौके पर जदयू के प्रखंड अध्यक्ष अशोक पटेल, रामबाबू राय, राम बहादुर सिंह, रामबालक राय, तरुण कुमार सिंह, कमोद प्रसाद सिंह, पूर्व मुखिया लक्ष्मण देव सिंह, धर्मेश कुमार चौधरी, राम विनोद चौधरी, चंद्रभूषण सिंह आदि थे। कार्यक्रम में उन्होंने सभी स्थानीय पत्रकारों को चादर माला आदि देकर सम्मानित भी किया।

सीपीएम के दो शाखाओं का सम्मेलन संपन्न

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) शाखा मोहनपुर का सम्मेलन मध्य विद्यालय मोहनपुर के परिसर में राम सुहावन महतो की अध्यक्षता में संपन्न हुई।सर्वप्रथम झंडोतोलन किया गया। इसके बाद शहीद वेदी पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की गई।तदुपरान्त राज्य सचिव मंडल सदस्य सह स्थानीय विधायक अजय कुमार ने मोहनपुर शाखा का विधिवत उद्घाटन किया। संबोधित करते हुए उन्होंने ने कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना काल से वर्तमान तक उसके इतिहास को विस्तार से बताया। वहीं मोहनपुर शाखा के सचिव चन्द्र भूषण प्रसाद वर्मा ने विगत तीन वर्षों के राजनैतिक सांगठनिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। सर्वसम्मति से चन्द्र भूषण प्रसाद वर्मा पुनः शाखा सचिव चुने गए। लोकल सम्मेलन के लिए छह प्रतिनिधियों का चुनाव किया गया। सम्मेलन को अरविन्द कुमार दास, रामदयाल भारती, शंभु कुमार यादव, ब्रह्मदेव महतो,अनिल कुमार, अवधेश कुमार रंजन सीताराम सिंह,अचल कुमार, मोह्म्म युनुस,अजीत कुमार, दिलीप कुमार ने अपना विचार व्यक्त किया। वहीं मानारायटोल शाखा का सम्मेलन मध्य विद्यालय वासोटोल के परिसर में रामजी महतो की अध्यक्षता में संपन्न हुई। वहीं सर्वसम्मति से क्रान्ति कुमार को शाखा सचिव चुना गया। लोकल सम्मेलन के लिए आठ प्रतिनिधि का चुनाव किया गया। सम्मेलन को राम दयाल भारती, श्याम किशोर कमल, सिया प्रसाद यादव,अरविन्द कुमार दास, जागेश्वर महतो, जितेन्द्र प्रसाद सिंह, रामनाथ महतो, सकलदेव दास, मुनेश्वर दास, मनटुन लाल राम, नवल किशोर राय, चन्दन कुमार राय, रामचन्द्र दास, अमरजीत रजक आदि ने संबोधित किया।

आमलोगों को आज भी भरोसा प्रिंट मीडिया पर ही हैं : प्रो विनय चौधरी

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा । ख्यातिलब्ध पत्रकार एवं समाजसेवी स्वर्गीय राम गोविंद प्रसाद गुप्ता की 89वीं जयंती के अवसर पर सागर सभागार में आयोजित डिजिटल युग में पत्रकारिता की भूमिका और चुनौतियां विषयक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए विशिष्ट वक्ता बेनीपुर के विधायक व जदयू प्रवक्ता प्रो विनय कुमार चौधरी ने कहा कि डिजिटल मीडिया ने हर व्यक्ति को पत्रकार बना दिया है। खबरों का प्रसार तेज गति हो रहा है पर आमलोगों को आज भी भरोसा प्रिंट मीडिया पर ही हैं। जिसका कारण डिजिटल मीडिया पर भ्रामक खबरों का प्रसारण है। इसके बावजूद डिजिटल मीडिया का दायरा विस्तृत है। इससे मिडिया संस्थानों का अधिपत्य समाप्त हुआ है और खबरों के प्रसारण की गति तेज हो गई। उन्होंने बताया कि डिजिटल युग में भी पत्रकारिता की अहमियत बनी हुई है। जरूरत इसे सजाने-संवारने की है। जिसके लिए सक्षम लोगों को आगे आना होगा। राजनीतिक चिंतक सह विश्लेषक एवं पूर्व निदेशक आकाशवाणी पूर्णिया डॉ. प्रभात नारायण झा ने कहा कि मीडिया का उपयोग अब जनमत बनाने मे नहीं बल्कि जनमत को नियंत्रित करने मे हो रहा है। डीजिटल मिडिया के समक्ष यह चुनौती है कि ऐसे तमाम नियंत्रकों को बेनकाब करे और सच्चे लोकतंत्र की स्थापना मे अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। टाइम्स आफ स्वराज के संपादक संतोष सिंह ने कहा कि डिजिटल युग में पत्रकारिता भरोसे के संकट से जूझ रही हैं। खबर देखकर लोगों को यकीन नहीं होता है। लोग उसकी पुष्टि पत्रकारिता के दूसरे माध्यम से करते है। इस विषम स्थिति के बावजूद डिजिटल युग की पत्रकारिता स्थापित हो चुकी हैं। भले ही विश्वसनीयता की कमी हो पर व्यापकता की वजह से इसने प्रिंट व दृश्य दोनों मीडिया माध्यम को प्रभावित किया है। उन्होंने बताया कि लोकतंत्र तभी तक स्वस्थ है जबतक पत्रकारिता स्वतंत्र है। स्वतंत्र पत्रकारिता ही सत्ता को चुनौति दें सकती हैं। इसलिए डिजिटल युग की पत्रकारिता को विश्वसनीय बनाने की आवश्यकता है। संगोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार एवं शिक्षाविद डॉ. कृष्ण कुमार व संचालन प्रो.सतीश सिंह ने किया। जबकि अतिथियों का स्वागत पत्रकार प्रदीप कुमार गुप्ता ने किया।

संक्षिप्त खबरें

दानापुर- आसनसोल डिवीजन के सीमावर्ती क्षेत्र का डीआरएम ने किया निरीक्षण

जमुई[झाझा] दानापुर रेल मंडल के डीआरएम जयंत कुमार चौधरी विशेष सैलून से रविवार को निरीक्षण के लिए झाझा पहुंचे। इस दौरान उन्होनें निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने दानापुर एवं स्थानीय अधीनस्थ अधिकारियों को कई तरह के आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया। डीआरएम ने निरीक्षण को लेकर बताया कि यह रूटींग निरीक्षण है ।झाझा रेलवे स्टेशन पर साफ-सफाई को देखा और उसके बाद दानापुर और आसनसोल रेल डिवीजन के सीमावर्ती क्षेत्र दुद्धीजोर पुल तक अप एवं डाउन रेललाइन का पैदल ही चलते हुए निरीक्षण किया। रेलवे लाइन निरीक्षण के बाद आरआरआई भवन, क्रूलोबी, रेलवे रनिंग रूम सहित अन्य रेल विभागों का भी निरीक्षण किया। उन्होनें आगे बताया कि बड़े स्टेशनों, यार्ड का निरीक्षण करना है ताकि रेलवे संरक्षा पर विशेष कार्य हो सके। डीआरएम ने बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस का भी ठहराव बढ़ती मांगों को देखते हुए किया जा रहा है भविष्य में यहां पर भी वंदे भारत एक्सप्रेस का ठहराव करवाने की ओर प्रयास किया जाएगा।

दुर्गा पूजा को लेकर एडीएम ने सोनखार मंदिर परिसर में विधि व्यवस्था का लिया जायजा

प्रात: किरण संवाददाता

जमुई/ई०अलीगंज:- दुर्गा पूजा के आयोजन को लेकर प्रशासनिक तैयारियों को सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने विभिन्न मंदिर परिसर का दौरा किया और विधि व्यवस्था का जायजा लिया इस दौरान शुक्रवार संध्या सोनखार स्थित दुर्गा मंदिर परिसर का एडीएम सुभाष चंद्र मण्डल, सीओ रंजन कुमार दिवाकर,एवं अन्य पदाधिकारी द्वारा दुर्गा मंदिर परिसर में पूजा स्थल एवं पंडाल का जायजा लिया।

पूजा समिति के सदस्यों से पूजा शांति पूर्वक सम्पन्न कराने को लेकर तैयारी के बारे में जानकारी ली। एडीएम ने सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और आपातकालीन सेवाओं से संबंधित तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने स्थानीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि पूजा के दौरान कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए और मंदिर परिसर में स्वच्छता, लाइटिंग और अन्य सुविधाओं का ध्यान रखा जाए। साथ ही, उन्होंने श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर सभी आवश्यक उपाय करने पर जोर दिया।

उन्होंने पूजा समिति के सदस्यों से अपने-अपने भोलन्टियर का पहचान सूची आधार कार्ड के साथ स्थानीय थाना में उपलब्ध कराने का निर्देश दिया तथा, हरेक मोड़ पर सी सी टी वी कैमरे, लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जो लोग मेला में हुड़दंग करेंगे या शोशल मीडिया और गलत अफवाह फैलाएगा, उस पर जिला प्रशाशन तथा पुलिस प्रशासन की कड़ी निगरानी रहेगी। अलीगंज में सभी पूजा स्थलों पर दण्डाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। उन्होंने कहा कि सभी लोग दुर्गा पूजा परम्परागत तरीके से मनाए, कोई भी त्योहार शांति पूर्वक हर्ष एवम उल्लास के साथ मनाए। इस मौके पर पूजा समिति रुद्रनारायण सिंह, रामबालक सिंह,गोपाल सिंह आलोक सिंह, संजीत सिंह तथा , संजय कुमार सिंह,पिंटू सिंह, संतोष कुमार एवं पूजा समिति सदस्य सहित कई लोग उपस्थित थे।

मां दुर्गे के जयघोष के साथ मां की प्रतिमा का किया विसर्जन

प्रात: किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] जय मां दुर्गे के जयघोष के बीच शारदीय नवरात्र प्रखंड क्षेत्र में शांतिपूर्ण रूप से संपन्न किया गया। अष्टमी पूजा की शाम क्षेत्रीय विधायक दामोदर रावत, डीडीसी सुमित कुमार एवं अन्य अधिकारी ने नगर क्षेत्र स्थित सभी दुगार्मंदिर में पहुंचकर मां दुर्गा की दर्शनकर क्षेत्र में सुख समृद्वि, शांति और भाईचारा बनाए रखने की मन्नत मांगी तो वही नवमी और दशमी पूजा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ पूजा पंडाल में देखने को मिला। बड़ी दुगार्मंदिर, रेलवे इंडियन इस्टीच्यूट, बारोवारी दुगार्मंदिर, सार्वजनिक दुगार्मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ इस कदर थी कि पूजा समिति को भीड़ नियंत्रण करने में काफी मशक्कत उठानी पड़ी। वही विजयदशमी को पूजा पंडाल में विसर्जन जूलूस निकलने से पूर्व महिलाओं ने अबीर गुलाल एक दूसरे को लगाते हुए अपने उत्साह को दुगुना किए हुए था। प्रखंड क्षेत्र स्थित सभी पूजा पंडालों से मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन जूलूस पुलिस की देखरेख में निकाली गई। नगर क्षेत्र के चारों पूजा पंडालों से गाजे बाजे के साथ निकली शोभायात्रा में श्रद्धालुओं ने मां की भक्ति गीत पर झूमते नजर आए और जय माता दी, जय मां दुर्गे के जयकारे लगाते हुए रेलवे तालाब के पास पहुंचा जहां मां दुर्गा की महाआरती होने के बाद मां दुर्गा के साथ देवी लक्ष्मी, सरस्वती, भगवान गणेश और कार्तिक की प्रतिमा का विसर्जन किया गया।

बेगूसराय गढ़पुरा के पत्रकार दीपक कुमार दीप के असामयिक निधन पर दी गई श्रद्धांजलि

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारिता जगत को हुई अपूर्नीय क्षति : सुमलेश कुमार

प्रात : किरण संवाददाता

खगड़िया। जिला प्रेस क्लब पत्रकार संघ के तत्वाधान में बेगूसराय जिले के गढ़पुरा के पत्रकार दीपक कुमार दीप के आकस्मिक निधन पर जिले के पत्रकार एवं समाजसेवी द्वारा 2 मिनट का मन रखकर श्रद्धांजलि दी गई तथा पत्रकार दीपक कुमार दीप अमर रहे, नारों को बुलंद किया गया। जिला प्रेस क्लब पत्रकार संघ के संरक्षक किरण देव यादव ने कहा कि पत्रकार दीपक कुमार दीप सच्चे अर्थों में नेक दिल इंसान, प्रखर निर्भीक निडर निष्पक्ष पत्रकार थे। उनके आकस्मिक निधन से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को गहरा आघात पहुंचा है, पत्रकारिता के क्षेत्र में अपूर्नीय क्षति हुई है, निकट भविष्य में इनकी भरपाई संभव नहीं है। उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रकृति से प्रार्थना करते हैं तथा उनके शोक संतृप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करते। दिवंगत दीपक कुमार पत्रकारिता के पास सामान्य क्षितिज में ध्रुव तारा की तरह सदैव चमकते रहेंगे। श्री यादव ने शोक संतप्त आश्रितों को 5 लाख रुपए मुआवजा देने की जिलाधिकारी से मांग किया। पत्रकार संघ के अध्यक्ष सुमलेश कुमार, सचिव संजय कर्ण , उपाध्यक्ष जन्मेजय कुमार, कोषाध्यक्ष विक्रम शर्मा, संयुक्त सचिव सुनील कुमार, प्रवक्ता धर्मेंद्र कुमार आदि ने कहा कि पत्रकारों के निधन से हम सब मर्माहत हैं, दुख के घड़ी में हम उनके साथ हैं हम उनके प्रति हार्दिक संवेदना सहानुभूति व्यक्त करते हैं एवं कोटि-कोटि नमन, विनम्र श्रद्धांजलि व्यक्त करते हैं। इधर, ऑल इंडिया मिशन प्रेस एसोसिएशन, ऐम्पा के संस्थापक अध्यक्ष किरण देव यादव, महासचिव चंद्रहास यादव ने पत्रकार कल्याण बोर्ड एवं पत्रकार कल्याण आयोग गठित करने की मांग बिहार सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से किया।

दिवंगत दीपक कुमार दीप

- दीपक कुमार दीप सच्चे अर्थों में नेक दिल इंसान, निर्भीक, निष्पक्ष, निडर, प्रखर पत्रकार थे : किरण देव यादव
- अपने दीप के रोशनी से पत्रकारिता जगत को जगमगाने वाले दीपक बुझ गया - समझ कर्ण

थाने में वीडियो बनाना जासूसी नहीं, बाम्बे हाई कोर्ट के उक्त निर्णय स्वागत योग्य

जिला प्रेस क्लब पत्रकार संघ ने किया स्वागत व सराहना

प्रात : किरण संवाददाता

खगड़िया। थाने में वीडियो बनाना जासूसी व निषेध नहीं, मुंबई हाई कोर्ट की औरंगाबाद बेंच के द्वारा उक्त कथन व एक मामले में सुनवाई कर उक्त निर्णय देना, स्वागत योग्य व सराहनीय है। कोर्ट ने कहा कि गोपनीयता अधिनियम की धारा में प्रतिबंधित स्थान की परिभाषा में पुलिस स्टेशन थाना नहीं है। कोर्ट के उक्त आदेश निर्देश का हार्दिक स्वागत करते हुए जिला प्रेस क्लब पत्रकार संघ के संरक्षक किरण देव यादव, अध्यक्ष सुमलेश कुमार, सचिव सचिव संजय कर्ण , कोषाध्यक्ष विक्रम शर्मा उपाध्यक्ष जन्मेजय कुमार, संयुक्त सचिव सुनील कुमार, प्रवक्ता धर्मेंद्र कुमार, पत्रकार मोहम्मद सुहेल, संजय पोद्दार , नयन यादव आदि ने कहा कि जनहित, देश हित, समाज हित को ध्यान में रखकर अभिव्यक्ति की आजादी मीडिया को रहनी चाहिए, जिससे सरकार, प्रशासन और जनता के बीच समाचार सेतु का कार्य संभव हो सके। पत्रकारों ने कहा कि कभी स्कूल कभी थाना कभी अन्य कार्यालय कभी अतिक्रमण हटाने संबंधी अन्य प्रशासनिक कार्रवाई को समाचार संकलन करने पर निषेध की जाती है जो मीडिया के अधिकार का हनन है। प्रशासन व सरकार द्वारा निर्गत प्रेस विज्ञप्ति के आलोक में दरबारी समाचार प्रकाशन मीडिया के कलम को कुंध करती है।

नम आखों से दी मां दुर्गा की विदाई

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/ई० अलीगंजः-,दुर्गा महोत्सव नौ दिनों तक चले शारदीय नवरात्र के बाद प्रखंड में विजयादशमी और दशहरा का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। त्योहार शान्ति व सौहार्द्रपूर्ण महौल में संपन्न हुआ। लोगों ने माता की दर्शन कर परिवार व समाज की सुख समृद्धि के लिए कामना की। वहीं रविवार को अलीगंज प्रखंड के अलीगंज अंदर बाजार पुरानी दुर्गा मंदिर श्री श्री 108 दुर्गा पूजा समिति,एवं सोनखार गांव स्थित दुर्गा पूजा समिति, तथा गहलौर गांव में दुर्गा माता की स्थापित प्रतिमा का नम आखों में विदाई दी,और तालाबों में विसर्जन किया गया। जबकि प्रखंड के अधिकांश जगहों पर स्थापित प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। मां दुर्गा के भक्तों ने नम आखों से मां की विदाई दी।साथ ही अगले वर्ष फिर से आने का वादा लिया।और ढ़ोल नगाड़े एवं गाजे बाजे के साथ निकली शोभायात्रा पूरा अलीगंज बाजार भ्रमण के बाद मां की विदाई दी गई। श्रद्धालु भक्ति गीतों की धुन पर झूमते दिखे, माता की विदाई के लिए प्रतिमा को ट्रैक्टर पर उठाकर पुरा बाजार में भ्रमण करने के बाद तालाबों में विसर्जित की गई।लाल चुनरी ओढे बडी संख्या में युवाओं-युवतियों के अलावे पुरूषों एवं महिलाए बड़ी संख्या में मां की अंतिम विदाई में शरीक हुई।पूरा अलीगंज बाजार भक्तिमय माहौल बना हुआ था,वहीं अवगीला गांव में दुर्गा माता की स्थापित प्रतिमा पूर्णिमा के दिन किये जाते हैं। अन्य सभी जगहों पर मां का प्रतिमा का विसर्जन ढोल नगाड़े गाजे बाजे, अर्केष्टा,के साथ किया गया। जय माँ दुर्गे की जय घोष से पुरा इलाका गूंजायमान हो उठा और जुलूस के दौरान तलवार एवं लाठी से अपना कर्तव्य दिखा रहे थे, विसर्जन जुलूस में पुलिस प्रशासन तैनात किया गया था। जिला प्रशासन द्वारा तय किये गये निर्धारित रूट पर ही विसर्जन जुलूस चल रहा था। प्रशासन द्वारा तय किये मापदंड को जुलूस में अपनाया गया। आरती किये जाने के बाद मां की प्रतिमा को अपने अपने गांव के तालाब में विसर्जित किया गया। सेवा समिति के कार्यकर्ता युवकों पर नजर रखे रहे थे। जिस मार्ग से होकर जुलूस गुजर रहा था। उस मार्ग से वैकल्पिक व्यवस्था की गयी थी। प्रशासन के निर्देश का पूरा-पूरा पालन किया गया। अंदर बाजार 108 दुर्गा पूजा समिति एवं सोनखार गांव के दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष और कार्यकर्ता एवं पुलिस प्रशासन जुलूस में मुस्तैद दिखे।

भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ शारदीय नवरात्र, श्रद्धालुओं ने नम आंखों से दी माता को विदाई

संग्रामपुर (मुंगेर)। फिर आना मनुहार के साथ माता के भावभीनी विदाई के साथ प्रखंड क्षेत्र में शारदीय नवरात्र श्रध्दा, भक्ति व शांतिपूर्ण सम्पन्न हो गया। विदित हो कि प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों के दुर्गा मंदिर में दुर्गा की प्रतिमा स्थापित किया गया था। विजयादशमी के अवसर पर माता के दर्शन करने श्रद्धालुओं भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने पूरी श्रध्दा व भक्ति के साथ पूजा अर्चना की। वहीं शुक्रवार को दुर्गा मंदिरों में मनोकामना पूर्ण हो चुके श्रद्धालुओं ने बलि प्रदान की। इस अवसर पर मेले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जहां दण्डाधिकारी के साथ पुलिस बल की तैनाती की गई थी। विजयादशमी के दिन स्थानीय जदयू विधायक राजीव कुमार सिंह ने सभी दुर्गा मंदिरों में जाकर माता के दर्शन कर मेला में शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। वहीं प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न दुर्गा मंदिरों में सामाजिक व राजनीतिक कार्यकर्ता इंजीनियर रोहित चौधरी ने भी मत्था टेका और दुर्गा मंदिर समिति के सदस्यों से मिलकर मेला एवं विसर्जन संबंधित जानकारी लिया।

दो बाइक की टक्कर में तीन लोग घायल, स्थिति गंभीर देखकर डॉक्टर ने किया जमुई रेफर

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] दुगार्पूजा के दशमी दिन झाझा गिद्धौर मुख्य मार्ग में पड़ने वाले गोलकी आम के पास तेज रफ्तार दो बाइक की आमने सामने की भीषण टक्कर में चालक सहित बाइक पर सवार कुल तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना देखकर स्थानीय लोगों ने तुरंत डायल 112 की पुलिस और स्थानीय पुलिस को घटना की जानकारी दी जिसके बाद घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से उठाकर इलाज के लिए रेफरल अस्पताल लाया जहां सभी घायलों को इलाज किया गया लेकिन तीनो घायलों की स्थिति गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने सभी को बेहतर इलाज के लिए तुरंत सदर अस्पताल जमुई रेफर कर दिया। घायल दो की पहचान थानाक्षेत्र के धपरी गांव के रहने वाले श्रवण कुमार, बीरबल कुमार तथा तीसरा सोहजाना गांव निवासी सुजीत कुमार के रूप में हुई है। बताया जाता है कि एक बाइक पर बैठे श्रवण और बीरबल झाझा दिशा से मेला देखकर अपने घर जा रहा था कि तभी सामने से आ रही बाइक से भीषण टक्कर हो गया।

मवेशी चोरी कर भाग रहे दो युवकों को ग्रामीणों ने पकड़ा, पिटाई करने के बाद किया पुलिस के हवाले

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/ई० अलीगंजः-, चंद्रदीप थाना क्षेत्र अंतर्गत तेलार गावं से एक मवेशी चोरी कर भाग रहे दो युवकों को ग्रामीणों ने चंद्रदीप चौक के समीप पकड़ कर मार पिट कर किया पुलिस के हवाले । जानकारी के अनुसार शनिवार रात्रि को मवेशी चोरी के उद्देश्य से आए दो युवक तेलार गांव से एक मवेशी चोरी कर भाग रहा था। तभी स्थानीय ग्रामीणों के मदद से दोनों युवकों को पकड़ लिया और दोनों युवकों को लात-घुसें से जमकर धोया। ग्रामीणों द्वारा दोनों युवकों से पूछताछ करने पर दोनों युवक की पहचान आढ़ा गाँव निवासी मोङ्ग साबिर के पुत्र फुरकान एवं कैथा गावं निवासी सेराज के पुत्र मेराज के रूप में बताया। वहीं पशुपालक तेलार गाँव निवासी अंकित पिता वीरेंद्र साव ने जानकारी देते हुए बताया की शनिवार रात्रि घर के पास बथान में बंधा एक गाय को दो युवक चोरी कर ले जा रहा था।, तभी हो हल्ला हुआ और चोरों को पीछा किया जिसके बाद ग्रामीणों द्वारा चंद्रदीप ग्रामीण बैंक के पास दोनों को मावेशी के साथ पकड़ा गया। तलाशी के दौरान चोरों के पास से एक कटर एवं दो मोबइल बरामद हुई।,इसके बाद सूचना चंद्रदीप थाना को दी गई सूचना मिलते ही चंद्रदीप पुलिस अपने दल बल के साथ मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों द्वारा पकड़े दोनों युवकों को हिरासत में लेकर थाना ले गया। जहां वादी अंकित कुमार के द्वारा थाने में आवेदन दिया गया,वहीं थानाध्यक्ष राजेंद्र साह ने कहा दो युवक तेलार गाँव से एक मावेशी खोल कर ले भाग रहा था। तभी ग्रामीणों की मदद से पकड़ कर पुलिस को सौपा गया ।वहीं दोनों युवकों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए थाना कांड संख्या 194/24 दर्ज कर जमुई जेल भेज दिया गया।

3 स्टेंट डालकर खोला ब्लॉकेज, मरीज स्वस्थ

खानपान और एक्सरसाइज करने की दी गई सलाह

- परक्यूटेनियस ट्रांसलुमिनल कोरोनरी एंजियोप्लास्टी (पीटीसीए) से मिली मरीज को फौरन राहत

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा। सहरसा के केदार शर्मा (73 साल) को सीने में तेज दर्द हुआ तो वह काफी घबरा गए। आननफानन में उन्हें पटना ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने सीएबीजी (कोरोनरी आट्री बायपास ग्राफ्ट) करने की सलाह दी। सर्जरी का नाम सुनकर वह काफी परेशान हो गए। घर आने के बाद वह सहरसा स्थित निंती कार्डियक केयर में सेकेंड ओपिनियन लेने गए, जहां उन्हें सर्जरी के बजाय पीटीसीए कराने की सलाह दी गई। वह इसके लिए फौरन राजी हो गए। शुक्रवार को उनका सफलतापूर्वक पीटीसीए (परक्यूटेनियस ट्रांसलुमिनल कोरोनरी एंजियोप्लास्टी) किया गया, जिसके बाद उन्होंने राहत की सांस ली। निंती कार्डियक केयर के इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. गिरिजा शंकर झा ने बताया कि हृदय की मांसपेशियों में रक्त प्रवाह कम होने के कारण मरीज को एनजाइना (सीने में दर्द) की समस्या हुई थी। दो धमनियों में 80-90 प्रतिशत ब्लॉकेज था। मरीज को सीएबीजी (कोरोनरी आट्री बायपास ग्राफ्ट) करने को कहा गया था पर यहां पीटीसीए के जरिए ब्लॉकेज ठीक किया गया है। इस प्रक्रिया में एक चीरे से दिल के अंदर स्टेंट डालकर ब्लॉकेज को ठीक किया जाता है। मरीज के दिल के अंदर 3 स्टेंट डाले गए ताकि ब्लॉकेज खुल जाएं। मरीज पूरी तरह से स्वस्थ हैं और अब राहत महसूस कर रहे हैं। बता दें कि पीटीसीए का मुख्य उद्देश्य संकुचित या अवरुद्ध कोरोनरी धमनियों को खोलना है। यह एक न्यूनतम इनवेसिव प्रक्रिया है, जिसमें बंद धमनियों को ठीक किया जाता है। प्लाक नामक वसायुक्त जमाव के कारण धमनियां, जो संकुचित या अवरुद्ध हो गई, उनमें कैथेटर नामक एक पतली, लचीली ट्यूब को डाला जाता है। इसके बाद कमर, कलाई या बांह में चीरा लगाकर कैथेटर को अंदर डाला जाता है और इसी के माध्यम से प्रभावित हिस्से में एक छोटा बैलून पहुंचाया जाता है ताकि धमनी को चौड़ा कर इसे फुलाया जा सके। इस तरह से हृदय की मांशपेशियों में रक्त प्रवाह सही हो जाता है।

संपूर्ण क्रांति के जनक लोकनायक जयप्रकाश नारायण की 122वीं जयंती मनाया गया

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर । संपूर्ण क्रांति के जनक स्वतंत्रता सेनानी लोकनायक जयप्रकाश नारायण का 122वीं जयंती जेपी सेनानी मंच की तरफ से शुक्रवार को जेपी स्मारक लाल कोठी स्थित उनके आदमकद प्रतिमा पर फूल माला चढ़ाकर मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जेपी सेनानी मुंगेर के जिला अध्यक्ष अशर्फी यादव ने किया।संचालन जेपी सेनानी दुर्गेश पटेल ने किया। इस अवसर पर अपना विचार व्यक्त करते हुए 1974 छात्र आंदोलन के छात्र नेता नरेश सिंह यादव ने कहा कि संपूर्ण क्रांति का आह्वान उन्होंने श्रीमती इंदिरा गांधी की तानाशाही सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए किया था। इस मौके पर प्रोफेसर विनय कुमार सुमन ने कहा कि वर्ष 1974 में बिहार एवं गुजरात के छात्रों के आग्रह पर उनके आंदोलन का नेतृत्व करने का आग्रह स्वीकार करते हुए 15 जून सन 1975 को पटना के गांधी मैदान में छात्रों के विशाल समूह के सामने संपूर्ण क्रांति का उद्घोष उन्होंने किया था।जेपी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा था कि भ्रष्टाचार मिटाना, बेरोजगारी दूर करना, शिक्षा में क्रांति लाना आदि ऐसी चीज हैं जो आज की व्यवस्था से पूरी नहीं हो सकती, क्योंकि वह इस व्यवस्था की ही उपज है वह तभी पूरी हो सकती है जब संपूर्ण व्यवस्था बदल दी जाए और संपूर्ण व्यवस्था के परिवर्तन के लिए संपूर्ण क्रांति आवश्यक है। इस अवसर पर अपने संबोधन में जेपी सेनानी विश्वनाथ गुप्ता एवं वकील राम ने कहा कि इंदिरा गांधी ने 1975 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा रायबरेली लोकसभा सीट से अपना चुनाव अवैध किए जाने के बाद देशवासियों के सारे मौलिक व नागरिक अधिकार छीन देश सेंसरशिप एवं इमरजेंसी थोप दी, जेपी सहित सारे विपक्षी नेताओं को जेल में बंद कर दिया गया परिणाम स्वरूप जेपी के नेतृत्व में संपूर्ण भारत में ऐसी क्रांति हुई की 1977 के लोकसभा चुनाव में इंदिरा गांधी सिर्फ सत्ता से बाहर ही नहीं हुई बल्कि स्वयं भी चुनाव हार गई। जयंती के इस अवसर पर नवल किशोर यादव, शकील अहमद, राजा कुशवाहा सहित दर्जनों जेपी सेनानी मौजूद थे।

किशोर कुमार भारतीय संगीत के अद्वितीय पार्श्व गायक : प्रो.गौरी शंकर

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई:- मधुर गीतों के सम्राट किशोर कुमार की 37 वीं पुण्य तिथि पर जमुई के प्रबुद्ध लोगों ने आभास कुमार गांगुली उर्फ ह्यकिशोर दा को याद कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित की। जमुई जिला मुख्यालय स्थित कुमार कालिका मेमोरियल महाविद्यालय के स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.(प्रो.) गौरी शंकर पासवान ने कहा कि किशोर कुमार भारतीय संगीत के अद्वितीय पार्श्व गायक थे। वे बॉलीवुड के बहुमुखी रत्न, हरफनमौला कलाकार, संगीत प्रेमियों के दिलों की धड़कन, हास्य-अभिनय और संगीत की त्रिवेणी संगम थे। किशोर दा की आवाज में जादू था। उनकी संगीत सुनकर हर कोई मंत्रमुग्ध हो जाता था। मधुर गीतों का वो सम्राट चला गया,पर संगीत प्रेमियों के धड़कनों में आज भी गूंजता है। किसी ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा है कि- जाने वाला चला गया पर धुनों में वह जिंदा है। हर गीत उनकी कहानी कहता हर स्वर उनकी अमर निशानी है।ह्व किशोर दा अंगिनित गीतों एवं धुनों के कारण आज भी हमारे बीच जीवित हैं। उनकी आवाज तथा मुस्कान लोगों की यादों में हमेशा बनी रहेगी। प्रो.पासवान ने आगे कहा कि किशोर कुमार लगभग 29000 से अधिक गाने गा चुके हैं.11 भाषाओं में उन्होने मुख्य रूप से हिंदी सिनेमा के लिए गाने गाए हैं। आठ बार फिल्म फेयर सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायन का पुरस्कार ह्यदाह्ल ने जीता है। किशोर ह्यदाह्ल को उनके योगदानो के लिए कला के क्षेत्र में ह्य भारत रत्न अवार्ड मिलना चाहिए। चैंबर ऑफ कॉमर्स जमुई के उपाध्यक्ष श्री नितेश कुमार केसरी ने कहा कि किशोर कुमार उर्फ किशोर ह्य दा ह्य संगीत के अनमोल धरोहर थे। वे संगीत और यदाकारी के अनूठा संगम थे। स्व.दा भारतीय संगीत की दुनिया में वह नक्षत्र हैं, जिनकी आवाज लाखों-करोड़ों दिलों पर राज किया है। उनकी बहुमुखी प्रतिभा ने गायन, अभिनय, निर्देशन,संगीत में नए आयाम स्थापित किया है। उन्होंने भारतीय संगीत को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है। उनकी मधुर ध्वनि और अलौकिक कला हमें उनकी बहुत याद दिलाती है। किशोर का जन्म 4 अगस्त 1929 को मध्य प्रदेश के खंडवा के एक बंगाली ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनका वास्तविक नाम आभास कुमार गांगुली था। 13 अक्टूबर 1987 को इनका निधन हो गया। उन्होंने कहा कि जब तक प्रशांत में पानी लहराता रहेगा, तब तक किशोर ह्यदाह्ल की अमर कहानी युगों युगों तक गाया जाता रहेगा। हमें ऐसे कलाकार पर अभिमान है, जिन्होंने अपने देश का नाम देश में ही नहीं, विदेशों में रोशन किया है। वरिष्ठ शिक्षक सह प्रधानाध्यापक और संगीत के जानकार श्री दिनेश मंडल एवं अनिल कुमार पाठक ने कहा कि किशोर ह्य दा ह्य भारतीय संगीत के माहिर कलाकार थे। उनकी संगीत शैली ने न केवल भारतीय महाद्वीप में ही नहीं, वल्कि वैश्विक मंच पर भी संगीत का पताका फहराया है। राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संगीत प्रेमी किशोर दा की गायकी के फैन आज भी हैं। उन्हें अलग-अलग शैलियों में महारत हासिल था। किशोर दा ने रोमांटिक गानों से लेकर दुःख दर्द व मस्ती भरे तथा ऊजार्वान ढंग से गीत गाया है। उन्होंने कहा कि किशोर दा सिनेमा संगीत के पिलर थे। स्व.दा आवाज का ऐसा जादूगर थे, जिन्होंने लाखों संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध किया। वे हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका गीत करोड़ों फैन के दिलों में आज भी गूंज रहे हैं।

सम्पादकीय

कट्टरता के सामने तकनीक का कमाल

शक्ति की उपासना के पावन पर्व पर बंगला देश में इस्लामिक क्रान्ति का आह्वान करके कट्टरपंथियों ने एक बार फिर सनातन की शान्तिप्रियता को तार-तार कर दिया है। वहां पर होने वाली हिंसक घटनायें जहां आस्था के आयामों को सीधा प्रभावित करतीं है वहीं कट्टरपंथियों के मानवता विरोधी मंसूबों की मुसलमानों में आम सहमति के रूप में रेखांकित भी करती है। अन्याय पर न्याय की विजय, असत्य पर सत्य की जीत और वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा वाले पर्व पर हिंसा, अन्याय और विभेद का बारूद फोडने वाली जमात पूरी तरह सुरक्षित हैं। उनके आकाओं के दिखाने वाले दांतों के मध्य से एकता की चासनी टपक रही है परन्तु असली दांतों से गजवा-ए-दुनिया के रास्ते में आने वालों को निरंतर चबाते भी जा रहा है। वहां के चटगांव स्थित जत्रामोहन सेन हाल में चल रही दुर्गा पूजा में कट्टरपंथियों ने मंच चढकर जबरजस्ती इस्लामिक क्रान्ति का आह्वान करते हुए गीत गाये गया तो ढाका के भालो बंगला के पूजा पंडाल में तोडफोड की गई। ढाकेश्वरी मंदिर में इस्लाम के नारे बुलंद करने की खबरें आती रहीं तो जोरान में आस्था स्थल को सरेआम नस्तनाबूत कर दिया गया। वहां की अन्तरिम सरकार के नुमाइन्दों व्दारा सब कुछ नियंत्रण में होने के वक्तव्य जारी किये जाते रहे और धरातल पर लहू की धार से नहाने वालों की पीठ पर हाथ भी रखा जाता रहा। वहां के पुलिस महानिरीक्षक मोइनुल इस्लाम ने स्वयं ही 35 बडी घटनाओं को स्वीकारा है जिनमें से 11 मामले दर्ज हुए और 24 को सामान्य डायरी में लिखा गया है। बाकी सैकडों घटनाओं को पूरी तरह नजरंदाज कर दिया गया। ऐसा ही घटनाक्रम तख्तापलट के दौरान भी सामने आया था, जब वहां के अल्पसंख्यक हिन्दुओं की सम्पत्तियों को तहसनहस किया गया था। बेखौफ होकर लूटपाट की गई थी। निर्मम हत्याओं का सिलसिला चल निकला था। हिन्दुओं की महिलाओं को चुन-चुनकर हवस का शिकार बनाया गया था मगर उस सबको भीड़ की करामात, लोगों का आक्रोश और सामूहिक उत्तेजना कहकर हाशिये पर पहुंचा दिया गया था। तभी से वहां राष्ट्रीय तंत्र पर पूरी तरह से कट्टरपंथी हावी हैं जो आतंक को, जुल्म को, कत्लेआम को ही मजहब मानते हैं। वहीं दूसरी ओर भारत के महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी, शिवसेना तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सरकार ने मदरसों के मौलानाओं के वेतन में तीन गुना की बढोत्तरी करने की घोषणा कर दी। इस घोषणा को सरकार के सभी घटक दलों ने धर्म निरपेक्षता की दिशा में एक महात्वपूर्ण कदम बताया है। एक ओर कट्टरता की बाढ तले देश-दुनिया तबाह हो रही है वहीं मजहबी तालीम के नाम पर अधिकांश मदरसों में निकले वाली आतंकी जमात अपनी खुराफाती तामीलदारों की पढाई को ही हकीकत में खुदा का हुक्म मान बैठती है। ऐसे में जहां मदरसों को शासनाधीन करना बेहद आवश्यक है वहां मदरसों के वर्तमान स्वरूप को ही मजबूत करना घातक ही नहीं बल्कि आत्मघाती होगा। आन्दोलन के नाम पर शक्ति प्रदर्शन, जेहाद के नाम पर जुल्म और इस्लाम के नाम पर काफिरों के खात्मे का फतवा, अपना अमली जामा पहनता जा रहा है। देश के बद से बद्तर होते हालातों के साथ-साथ दुनिया के भर में आतंक का दावानल खतरनाक ढंग से बढता जा रहा है। सन् 1946 में इस्लामिक देशों की संख्या केवल 6 थी, जबकि वर्तमान में 57 हो गई है। इस्लाम के नाम पर संगठित होने का आह्वान कर चुके इरान के मुखिया अयातुल्ला अली खामेनेई तो यहूदी बाहुल्य देश इजराइल को नस्तनाबूत करने में कोई कसर नहीं छोड रहे हैं। उन्होंने अपनी रणनीति के तहत यहूदी राष्ट्र को एक साथ आठ मोर्चों पर घेर लिया है ताकि उसके बचने की संभावनायें पूरी तरह समाप्त हो जायें। गाजा की ओर से हमास, लेबनान की ओर से हिजबुल्लाह, यमन की ओर से हूती, ईराक की ओर से मिलिशिया के अलावा सीरिया, तेल अवीव, हदेरा तथा बीशेर्बा की ओर से निरंतर हमले हो रहे हैं। रूस और चीन जैसे देश पर्दे के पीछे से आर्तकियों को हथियारों के जखीरे भेज रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भी छद्म वेश में आर्तकियों के पक्ष में खडे दिख रहे हैं। उसने षडयंत्र करके शान्ति सेना में भारतीय सैनिकों को ब्लू लाइन पर तैनात कर दिया है ताकि इजराइली मिसाइलों से उनका वध हो सके। गुटेरेस की चाल समझकर इजाराइल ने अपनी युध्द शैली में अद्भुत परिवर्तन कर लिया। उसने साइबर हमले में एक बार फिर ईरान को धूल चटा दी। पहले उसने हिजबुल्लाह को पेजर ब्लास्ट, वाकी-टाकी ब्लास्ट, इलैक्ट्रानिक ब्लास्ट आदि से अपनी क्षमताओं की बानगी दी थी और अब उसने आर्तकियों के संरक्षक बनकर उभरने की तैयारी में लगे ईरान की न्यायापालिका, विधायिका और कार्यकारी शाखाओं सहित परमाणु विंग तक की नेटवर्किंग पर अपने साइबर शस्त्र से प्रहार शुरू कर दिये हैं। बंदरगाह नेटवर्क, ईंधन वितरण नेटवर्क, परिवहन नेटवर्क, सिटी नेटवर्क सहित अधिकांश तंत्र विकलांग हो गये हैं। ईरान के सुप्रीम कार्उंसिल आफ साइपरस्पेस के पूर्व सचिव फिरोजाबादी ने इन साइबर हमलों की पुष्टि करते हुए कहा है कि हमारे परमाणु संयंत्रों को भी इजराइल ने साइबर हमलों से निशाना बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि विगत दिनों ईरान ने इजराइल को बैलिस्टिक मिसाइल निशाना बनाया था। इसके बाद अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने स्पष्ट किया था कि ईरान को अपने मिसाइल कार्यक्रमों तथा आर्तकियों की मदद पर रोक लगाना चाहिए ताकि दुनिया में शान्ति कायम रह सके। मगर ईरान ने इजराइल को आठों ओर से घेरकर एक तरह से अमेरिका के सामने भी अप्रत्यक्ष चुनौती पेश कर दी है।

अब लहू-लुहान होता महाराष्ट्र

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावन की घोषणा से पहले ही महाराष्ट्र लहू--लुहान होने लगा है। मुंबई में एनसीपी (अजित पवार गट) के नेता बाबा सिद्दीकी की सरे आम गोली मरकर हत्या कर दी गयी, हालाँकि हत्यारों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन इस वारदात से पूरी मुंबई सदमे में है, क्योंकि दशहरे पर हुई इस वारदात को सूबे के लिए शुभलक्षण नहीं माना जा रहा। मैंने कल ही सियासत में ठण्ड रखने की बात कही थी, लेकिन मेरी बात नक्कारखाने में तूती की आवाज से ज्यादा हैसियत नहीं रखती। जनता तो मोदी और मल्लिकार्जुन की आवाजों को सुनकर हलकान है। मोदी कांग्रेस को अर्बन नक्सलियों द्वारा संचालित बता रहे हैं और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भाजपा को आतंकवादी पार्टी कह दिया है।। जनता किसकी बातो पर यकीन करे और किसकी बात पर नहीं? मोदी जी सरकार हैं और खड़गे साहब विपक्ष। या तो दोनों अपनी-अपनी लक्ष्मण रेखाएं लांघकर बोल रहे हैं या फिर दोनों की बातों में दम है। जो भी तो परेशान जनता है। हरियाणा और जम्मू-काश्मीर के बाद विधानसभा चुनावों के जरिये अपने आपको प्रमाणित करने का अगला मुकाम महाराष्ट्र ही है। महाराष्ट्र हर मामले में दूसरे सूबों से अलग है। इस सूबे में देश की आर्थिक राजधानी है, फिल्मी दुनिया है और ये शहर आतंकवाद के हमलों का भी शिकार रह चुका है। यहां नबंवर 2024 में विधानसभा चुनाव होने है। सत्तारूढ़ दल शिवसेना (एकनाथ शिंदे जुट] और भाजपा के गठबंधन सरकार की दशा इस समय बहुत अच्छी नहीं है, लेकिन ये गठबंधन दोबारा सत्ता में बनने रहने के लिए कुछ भी कर गुजरने के लिए कमर कसककर बैठा हुआ है। सत्तारूढ़ गठबंधन के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या राजनीतिक कारणों से की गयी या किसी और वजह से इसका पता फौरन नहीं लगाया जा सकता। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मौके से गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। हत्या का राज देर-सवेर खुलेगा ही, लेकिन समझा जाता है कि इसके पीछे कोई न कोई साजिश, कोई न कोई सियासत जरूर होगी, क्योंकि बाबा सिद्दीकी तीन बार के विधायक और मुंबईमें अल्पसंख्यकों के स्थापित नेता ही नहीं थे बल्कि फिल्मी दुनिया में टूटी कड़ियाँ जोड़ने वाले नायक भी थे। वे अनेक खानों कि दोस्त भी थे। सवाल ये है कि सियासत को अर्बन नक्सली और आतंकवादी क्यों बनाया जा रहा है? शुरूआत मोदी जी ने की कांग्रेस को अर्बन नकसली कहकर। जबाब में खड़गे साहब ने भाजपा को आतंकवादी कह दिया। ये कड़वाहट की इंतिहा है। यदि कांग्रेस सचमुच अर्बन नक्सली पार्टी है तो सरकार दस साल से हाथ पर हाथ रखकर बैठी क्यों है। सरकार को कांग्रेस को फौरन प्रतिबंधित कर देना चाहिए था। और यदि मोदी जी जल्दबाजी में कांग्रेस के बारे में गलत बात कह गए थे तो उन्हें समय रहते इसे दुरुस्त कर लेना चाहिए था। उन्होंने और उनकी पार्टी ने कांग्रेस को पहली बार अर्बन नक्सलीय नहीं कहा है। ऐसा पहले भी अनेकों बार देखा जा चुका है। लेकिन भाजपा को आतंकवादी पार्टी पहली बार कहा गया है। भाजपाके ऊपर अभी तक साम्प्रदायिक, हिंदूवादी, सनातनी, अल्पसंख्यक विरोधी पार्टी होने के आरोप तो लगे हैं किन्तु आतंकवादी होने का आरोप पहली बार लगा है। हालाँकि भाजपा की मातृ संस्था आरएसएस को कांग्रेस के तमाम नेता आतंकवादी संगठन अवश्य कह चुके हैं।। मुमकिन है कि दोनों दलों की और से एक -दूसरे पर लगाए जा रहे आरोपों में कोई दम भी हो और ये भी हो सकता है।

स्वामी विवेकानंद की प्रेरणा को आगे बढ़ायेंगे नोएल टाटा

अब नोएल टाटा को टाटा समूह के धर्मार्थ कार्यो पर फोकस देना होगा। उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक विकास, आपदा राहत और कला-संस्कृति जैसे क्षेत्रों में काम करना होगा। टाटा समूह समाज सेवा में एक दीर्घकालीन प्रतिबद्धता रखता है। वह कई दशकों से इन कार्यों में लगातार जुड़ा हुआ है और यह प्रतिबद्धता आगे भी जारी रहनी चाहिए। सारे देश को पता है कि टाटा समूह समाज सेवा के माध्यम से सतत विकास में विश्वास रखता है। इसके कार्य न सिर्फ वर्तमान पीढ़ी के लिए फायदेमंद हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी उपयोगी साबित होंगे।

आर.के. सिन्हा

लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं

रतन टाटा के निधन के एक दिन बाद ही उनके सौतेले छोटे भाई नोएल टाटा को टाटा ट्रस्ट का नया चेयरपर्सन नियुक्त किया गया है। टाटा ट्रस्ट के माध्यम से ही टाटा समूह परोपकारी कामों को करता है। पूरे देश की आशा है कि 76 वर्षीय नोएल टाटा अपने अग्रज के नक्शे कदमों पर चलते रहेंगे। वे नवल टाटा, जो रतन के पिता भी थे, और सिमोन टाटा के पुत्र हैं। वे टाटा ट्रस्ट सहित कई टाटा कंपनियों के बोर्ड में हैं। वह अब वे टाटा समूह के धर्मार्थ और लोक कल्याणकारी कार्यों का नेतृत्व करेंगे। वह टाटा इंटरनेशनल लिमिटेड, वोल्टास और टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन के चेयरमैन और टाटा स्टील और टाइटन कंपनी लिमिटेड के उपाध्यक्ष हैं। उनकी छवि रतन की तरह ही धीर-गंभीर है। वह कोई बहुत खबरों में रहना पसंद नहीं करते। वह एक कर्मयोगी की तरह काम में लगे रहना पसंद करते हैं। रतन टाटा भी तो सुर्खियों से दूर ही रहना पसंद करते थे और एक शमीर्ले अकेले व्यक्ति की सार्वजनिक छवि पेश करते थे। रतन की तरह नोएल को भी अपने पिता नवल टाटा से बिजनेस की बारीकियों को जानने का मौका मिला। नवल टाटा भारतीय हॉकी संघ के अध्यक्ष भी रहे। नवल टाटा ने अपने एक निकट संबंधी सुनी टाटा से शादी की, लेकिन जब रतन और उनके छोटे भाई, जिमी, अभी भी बहुत छोटे थे, तब वे अलग हो गए। नोएल की मां सिमोन हैं। वह रतन टाटा की अंत्येष्टि में मौजूद थीं। उन्होंने सौंदर्य प्रसाधन की कंपनी लैक्मे को स्थापित किया था। सिमोन टाटा मूल रूप से स्विट्जरलैंड से हैं। वह 1953 में जब भारत आईं तो यहां उनकी मुलाकात नवल एच. टाटा से हुई। उसके बाद दोनों शादी की। उन्होंने रतन टाटा और नोएल का पालन झपोषण किया। बहरहाल, नोएल टाटा के ऊपर एक बड़ी जिम्मेदारी है कि वह रतन टाटा की विरासत को आगे लेकर जाएं। रतन टाटा ने टाटा ग्रुप को दुनिया के बड़े कोरपोरेट हाउस में तब्दील कर दिया था। रतन टाटा अपने ग्रुप के 1991 से 2012 तक अध्यक्ष रहे। इस दौरान टाटा ग्रुप के मुनाफे में 50 गुना वृद्धि हुई, जिसमें अधिकांश राजस्व विदेशों में जगुआर और लैंड रोवर वाहनों और टेटली चाय जैसे पहचाने जाने वाले टाटा उत्पादों की बिक्री से आया। रतन टाटा के नेतृत्व में उनके समूह का भारत में प्रभाव पहले से कहीं अधिक ही हुआ। दरअसल रतन टाटा उन मूल्यों को प्रतिबिंबित करते थे जिनमें व्यावसायिकता, उद्यमशीलता और सभी हितधारकों के हितों को आगे बढ़ाने को लेकर एक प्रतिबद्धता का मिला जुला भाव होता है। उनके नेतृत्व में, टाटा ग्रुप ने कई चुनौतियों का सामना किया और लाभदायक विकास पर अधिक ध्यान देने के साथ हर बार मजबूत बनकर उभरी। बेशक, वह भारत के कॉरपोरेट जगत के सबसे सफल और सम्मानित नाम रहे। रतन टाटा ने वक्त रहते ही टाटा ग्रुप में अपने संभावित उत्तराधिकारियों को तैयार कर शुरू दिया था। यह तो सबको पता है कि हरेक व्यक्ति के सक्रिय करियर की आखिरकार एक उम्र है। उसके बाद तो उसे अपने पद को छोड़ना ही है, खुशी-खुशी छोड़े या मजबूरी में छोड़ना पड़े कइसलिए बेहतर होगा कि किसी कंपनी का प्रमोटर, चेयरमेन या किसी संस्थान का जिम्मेदार पद पर आसीन शख्स अपना एक या एक से अधिक उत्तराधिकारी तैयार कर ले। बेहतर उत्तराधिकारी मिलने से किसी कंपनी या संस्थान की ग्रोथ प्रभावित नहीं होती। सत्ता का हस्तांतरण बिना किसी संकट या व्यवधान के हो जाता है। आप कंपनी को मेंटोर के रूप में शिखर या कहें कि चेयरमेन के पद से हटने के बाद भी सलाह तो दे ही सकते हैं। एक बात समझनी होगी कि किसी कंपनी या उद्योग समूह की सफलता का माप केवल उसके वित्तीय प्रदर्शन से नहीं होता है। कंपनी का चरित्र, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व भी उसकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कंपनी के प्रबंधन को ग्राहकों, कर्मचारियों, या समाज के साथ ईमानदारी बरतनी चाहिए। रतन टाटा की सरपरस्ती में टाटा समूह ने निर्णय लेने की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया। रतन टाटा के लिए अपने ग्राहकों को संतुष्ट करना पहली प्राथमिकता रही। उनके चलते उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता और ग्राहक सेवा में उच्च मानक रखे गए। वह अपने ग्राहकों के साथ मजबूत और स्थायी संबंध बनाने में यकीन करते थे। वह ग्राहकों को सुनते और उनकी जरूरतों को समझते थे। रतन टाटा ने अपने सामाजिक दायित्वों को हमेशा समझा। इसीलिए टाटा समूह हर साल बहुत बड़ी रकम खर्च करता है। टाटा समूह सिर्फ एक कॉर्पोरेशन नहीं है, बल्कि एक ऐसा संगठन है जिसके डीएनए में ह्मसमाज सेवाह्म है। जमशेदजी टाटा की दूरदृष्टि से स्थापित इस समूह ने शुरू से ही समाज सेवा को अपने कार्यों का अभिन्न अंग बनाया है। यह अपने धर्मार्थ कार्यो के माध्यम से भारत में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक प्रभाव डालता है, जो देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। जमशेदजी को यह प्रेरणा स्वामी विवेकानंद जी से ही प्राप्त हुई थी। शिकागो के सर्व धर्म सम्मेलन में जाने के पूर्व जब वे दक्षिण भारत का भ्रमण कर रहे थे तो उन्हें यह बात खली कि दक्षिण भारत में विज्ञान की उच्चतर शिक्षा प्रदान करने वाला कोई संस्थान नहीं है।तब उन्होंने विचार किया कि इस काम में टाटा स्टील के संस्थापक जमशेदजी नसरवानजी टाटा उपयुक्त व्यक्ति होंगें और उन्होंने शिकागो जाने के पूर्व उन्हें एक पत्र लिखा जो माई डियर जेआरडी के नाम से प्रसिद्ध है।

ई वी एम संदिग्धता : या इलाही ये माजरा क्या है?

उस समय सभी का ई वी एम को लेकर एक ही स्वर था कि यदि उनकी सरकार आएगी तो वे ईवीएम को हटा देंगे। सवाल यह है कि आज जबकि हरियाणा के साथ साथ जम्मू कश्मीर विधान सभा के भी चुनाव परिणाम आये हैं। और जम्मू कश्मीर में फारूक अब्दुल्ला की नेशनल कॉफ्रेंस व कांग्रेस गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिला जबकि हरियाणा में भाजपा को जीत मिली। ऐसे में यदि कांग्रेस के नेता हरियाणा में ई वी एम की कार्यप्रणाली में त्रुटियां निकाल रहे हैं तो फिर जम्मू कश्मीर विधानसभा परिणामों से सहमत क्यों? पिछले लोकसभा चुनावों में इण्डिया गठबंधन ने बेहतर प्रदर्शन किया।

तनवीर जाफरी

लेखक

हरियाणा विधानसभा चुनाव के अप्रत्याशित परिणामों ने पूरे देश के न केवल सभी प्रमुख एजेंसीज द्वारा किये गए एक्जिट पोल्स को बुरी तरह झुठला दिया बल्कि बड़े बड़े राजनैतिक विश्लेषकों को भी हैरानी में डाल दिया। मजे की बात तो यह कि केवल कांग्रेस पार्टी ही हरियाणा में सत्ता में वापसी की उमीदों को लेकर गदगद नहीं थी बल्कि स्वयं भाजपा भी यह एहसास था कि किसान आंदोलन, अग्निवीर योजना व पहलवानों जैसे ज्वलंत मुद्दे उठने के बाद राज्य में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में इनके अलावा भाजपा को दस वर्ष की सत्ता विरोधी लहर का भी सामना करना पड़ सकता है। इसी संभावना के तहत भाजपा ने लगभग 35 प्रतिशत वर्तमान विधायकों के टिकट काट दिए थे। टिकट कटने वालों में कई मंत्री भी शामिल थे। इस कवायद के बावजूद 12 में से 9 मंत्री चुनाव में पराजित हो गये। हद तो यह है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा की सीटों को भी बदल दिया गया था। इन सबके बावजूद नायब सैनी और अनिल विज जैसे नेताओं को भी मामूली मतों से ही जीत हासिल हुई। राज्य में 10 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां बीजेपी की जीत का अंतर 5 हजार से भी कम है। आठ अक्टूबर को जब सुबह मतगणना शुरू हुई उस समय एग्जिट पोल द्वारा घोषित पूर्वानुमानों के अनुरूप ही कांग्रेस की भारी जीत के रुझान सामने आने लगे। बताया गया कि बैलट पेपर की गिनती में कांग्रेस तेजी से आगे जा रही थी परन्तु जैसे ही ई वी एम के मतों की गिनती शुरू हुई आंकड़ों ने उसी तेजी से करवट लेना शुरू कर दिया। उसी समय पूरे देश के सोशल मीडिया पर यह संदेह जाहिर किया जाने लगा कि क्या भाजपा द्वारा फिर ह्यखेला ह्य कर दिया गया? और शाम होते होते भाजपा राज्य की कुल 90 विधानसभा सीटों में से 48 पर जीत दर्ज करने व जरूरी बहुमत हासिल करने की ओर बढ़ चली। जबकि एक्जिट पोल के अनुसार 50 से 65 सीटें जीतने की उम्मीद रखने वाली कांग्रेस को मात्र 37 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। इन चुनाव परिणामों ने निश्चित रूप से सभी को हैरान इसलिये भी कर दिया क्योंकि राज्य से भाजपा की हरियाणा में सत्ता से बिदाई की रिपोर्ट्स केवल मीडिया आधारित नहीं थी बल्कि स्वयं अनेक सरकारी एजेंसीज ने भी यही फीड बैक दिया था। इसीलिये भाजपा के पक्ष में आये इन अप्रत्याशित परिणामों को लेकर संदेह पैदा होना स्वभाविक भी था। और इसतरह निशाने पर एक बार फिर ई वी एम आ गयी। कांग्रेस ने सीधा आरोप लगाया कि हरियाणा चुनाव में कई जगह ई वी एम को हैक किया गया है। यह सवाल भी उठा कि अनेक ई वी एम इंडिकेटर में बैटरी की मात्रा 90 व 95 % तक दिखा रही थी जबकि मतदान के अंतिम समय में प्रायः ई वी एम की बैटरी चार्जिंग की मात्रा 60 से 70% के बीच या इससे भी कम ही हुआ करती है। कांग्रेस का आरोप है कि जहां जहां ई वी एम में बैटरी कम थी उनमें प्रायः कांग्रेस को बढ़त मिली है। इस आरोप का सीधा अर्थ है कि ई वी एम को बदल दिया गया। कांग्रेस द्वारा 20 सीटों पर इसतरह की गड़बड़ी होने की शिकायत दर्ज की गई है।

सवाल यह है कि जब राहुल गांधी ने 17 मार्च को भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन के समय मुंबई में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा था कि ह्यराजा की आत्मा ईवीएम में हैह्न, उस समय केवल राहुल गांधी ही नहीं बल्कि एम के स्टालिन व फारूक अब्दुल्ला जैसे अनेक बड़े नेताओं ने भी ईवीएम का मुद्दा उठाया था। और उस समय सभी का ई वी एम को लेकर एक ही स्वर था कि यदि उनकी सरकार आएगी तो वे ईवीएम को हटा देंगे। सवाल यह है कि आज जबकि हरियाणा के साथ साथ जम्मू कश्मीर विधान सभा के भी चुनाव परिणाम आये हैं। और जम्मू कश्मीर में फारूक अब्दुल्ला की नेशनल कॉफ्रेंस व कांग्रेस गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिला जबकि हरियाणा में भाजपा को जीत मिली। ऐसे में यदि कांग्रेस के नेता हरियाणा में ई वी एम की कार्यप्रणाली में त्रुटियां निकाल रहे हैं तो फिर जम्मू कश्मीर विधानसभा परिणामों से सहमत क्यों? पिछले लोकसभा चुनावों में इण्डिया गठबंधन ने बेहतर प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश व हरियाणा में भी अच्छा प्रदर्शन रहा। उस समय भी किसी ने ई वी एम पर इतना दोष नहीं मढ़ा। कर्नाटक में जीते तो भी ई वी एम ठीक थी?

और इन सबसे बड़ी बात यह कि जब विपक्षी दलों के नेता ई वी एम को ही गलत बताते हैं फिर आखिर अब तक पूरे विपक्ष ने मिलकर ई वी एम के विरुद्ध संयुक्त रूप से कोई बड़ा आंदोलन क्यों नहीं किया? यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट के कई वरिष्ठ वकीलों व सामाजिक कार्यकताओं द्वारा चलाये जा रहे ई वी एम विरोधी आंदोलन का भी किसी राजनैतिक दल ने खुलकर साथ नहीं दिया? यदि वास्तव में ई वी एम निष्पक्ष चुनाव प्रभावित करने की क्षमता रखती है तो निश्चित रूप से यह लोकतंत्र के लिये घातक है। सभी राजनैतिक दलों को राष्ट्रीय स्तर पर इसका विरोध करना चाहिये। यहाँ तक कि यदि सत्ता पक्ष के भी कई वरिष्ठ नेता, तकनीकी एक्सपर्ट और पूरा विपक्ष ई वी एम से चुनाव नहीं चाहता तो इसके द्वारा होने वाले चुनावों का बहिष्कार तक किया जाना चाहिये। क्योंकि सच तो यह है कि ई वी एम पर शुरूआती संदेह की ऊँगली तो भाजपा नेता लाल कृष्ण आडवाणी व सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा ही उठाई गयी थी। वैसे भी इसकी संदिग्धता को लेकर इसलिये भी सवाल उठते रहते हैं कि आखिर दुनिया के अनेक आधुनिक देशों ने इसका प्रचलन अपने देशों में क्यों बंद कर दिया? और आधुनिक होने के बावजूद ऐसे देशों में आज भी चुनाव बैलट पेपर द्वारा ही क्यों कराये जाते हैं? ई वी एम की संदिग्धता को लेकर स्थिति स्पष्ट, पारदर्शी व सर्वस्वीकार्य होनी चाहिये। बेईमानी पर आधारित लोकतंत्र वास्तविक लोकतंत्र का परिचायक नहीं हो सकता।

भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टालरेंस जुमला साबित हो रहा..

चैतन्य भट्ट

पिछले दिनों लोकायुक्त ने रीवा की एक महिला पटवारी को ढाई हजार की घूस लेते रंगे हाथ पकड़ा। अब आप कहेंगे इस खबर में अनोखा क्या है? जब तब छपती रहती हैं। अनोखा यह है कि यही मैडम लोकायुक्त द्वारा 2016 में भी 9 हजार की घूस लेते हुए रंगे हाथ पकड़ी गई थी। लोकायुक्त की सूचना पर राजस्व विभाग ने कार्यवाही के नाम पर उसे 45 किमी दूर तेंदुल ट्रांसफर कर दिया जहां वह घूस लेते पुनः पकड़ी गई। 2016 की घटना की जांच पूरी कर लोकायुक्त द्वारा 2022 में राजस्व विभाग से अभियोजन चलाने मांगी गई मंजूरी 2 साल से राजस्व विभाग में धूल खा ही रही थी कि मैडम ने नया कारनामा अंजाम दे दिया। स्पष्ट है, लोकायुक्त जांच प्रक्रिया और अभियोजन स्वीकृति हेतु भेजने में विलंब और स्वीकृति मिलने में होने वाली सरकारी देरी सरकारी कारिंदों के मन से कार्यवाही का डर खत्म कर रही है। सरकारी कारिंदों द्वारा माल ऊपर तक पहुंचा कर उसके ऐवज में कार्यवाही के खिलाफ ताबीज हासिल किए जाने संबंधी आम धारणा भी मजबूत होती है। कुल मिलाकर भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टालरेंस की सरकारी नीति पर प्रश्न चिन्ह उठते हैं। भ्रष्टाचार मिटाने के लिए ही बनी लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू जैसी संस्थाओं को पहले कार्यवाही के लिए सरकारी अनुमति की जरूरत नहीं थी। यह व्यवस्था अचानक बदलकर कार्यवाही के लिए सरकारी मंजूरी अनिवार्य कर दी गई। आलम यह है कि रंगे हाथों पकड़े गए प्रकरण भी मंजूरी की प्रतीक्षा में धूल खाते रहते हैं जिसका फायदा उठाकर बेखौफ भृष्टाचारी फिर अवैध वसूली में जुट जाते हैं। यह बेखौफी इतनी विकराल हो गई है हाल ही में राजस्व विभाग के तहसीलदार स्तर के कारिंदे के खिलाफ भ्रष्टाचार के प्रकरण में एफआईआर दर्ज होने पर अन्य कर्मचारियों द्वारा संगठित रूप से कार्यवाही रोकने का दबाव बनाने की कोशिश की गई। 2023 में जारी लोकायुक्त की सालाना रिपोर्ट बताती है कि भ्रष्टाचार के मामले बढ़ रहे हैं। 2021 में 252 भ्रष्टाचारी रिश्वत लेते पकड़े गए थे। 2022 में यह संख्या 12 फीसदी बढ़कर 279 हो गई। इस सर्वव्यापी बीमारी में पटवारी, क्लर्क, नायब तहसीलदार, रेंजर जैसे निचले स्तरों के साथ साथ डॉक्टर, डायरेक्टर, इंजीनियर, सीईओ, एसडीओ, जैसे अफसर स्तर तक के सरकारी कारिंदे शामिल हैं। आंकड़ो पर नजर डालें तो 2022 में ही इजाजत नहीं मिलने की वजह से नगरीय आवास और विकास विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग और पंचायत एवं ग्रामीण राजस्व विभाग और स्वाथ्य विभाग के लगभग 130 से अधिक मामले लंबित थे। 15 केस तो 10 साल से लंबित थे। अनुमति संबंधी मामले पर हाईकोर्ट में भी विचार हो चुका है। लोकायुक्त ने एक लोक सेवक के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति जमा करने का आरोप लगाकर मामला अभियोजन स्वीकृति के लिए सरकार को भेजा। मंजूरी न मिलने पर लोकायुक्त ने यह कहकर कोर्ट का रुख किया कि आरोपी के खिलाफ पर्याप्त सबूत थे और मंजूरी न देकर सरकार ने गलती की है। सरकारी तर्क था कि लोकायुक्त मंजूरी के लिए परमादेश की मांग नहीं कर सकता। अदालत ने माना कि लोकायुक्त की भूमिका सरकार को रिपोर्ट भेजने के साथ समाप्त हो जाती है। सरकार का कर्तव्य है कि वह मूल्यांकन कर मंजूरी के बारे में निर्णय करे। स्वीकृति प्रदान करने का प्रश्न यह सुनिश्चित करने का इरादा है कि कोई तुच्छ मुकदमा नहीं चलाया जा रहा। स्वीकृति पूर्णतः सरकार के विवेक पर निर्भर है और उसके निर्णय को चुनौती नहीं दी जा सकती। इस व्याख्या के बावजूद रिश्वतखोरी करते हुए रंगे हाथों पकड़े जाने पर भी अभियोजन मंजूरी न दिए जाने के निर्णय पर नैतिक सवाल तो उठते हैं। सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार जीरो टॉलरेंस के दावे करती रहती है। लोकायुक्त जांच प्रक्रिया और उसके बाद सरकारी अनुमति में होने वाली हीलाहवाली और विलंब इन दावों को पलीता लगाता है। लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू जैसी संस्थाएं सरकार द्वारा भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए उठाए गए सबसे महत्वपूर्ण कदमों में से एक हैं। कहने को ये संस्थाएं स्वतंत्र हैं, मगर इनकी कार्यवाही को लेकर कालांतर में उठाए गए सरकारी कदम इस स्वतंत्रता की पुष्टि नहीं करते। सरकारी महकमों में भ्रष्टाचार की निरंतर बढ़ती घटनाएं बताती हैं कि किसी जमाने में भृष्टाचारियों के मन में सिहरन पैदा कर देने वाली इन संस्थाओं का रुतबा खत्म हो गया है। वित्तीय और मानव संसाधनों के लिए पूर्णतः सरकार पर निर्भर यह संस्थाएं विलंब के लिए संसाधनों की कमी का रोना रोती हैं।

व्यवसायी के घर से 5 लाख नकद सहित 15 लाख के कीमती गहनों की हुई चोरी, एफआईआर दर्ज

■ भगवान बाजार थाना पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर जांच में जुटी

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा।भगवान बाजार थाना क्षेत्र के दौलतगंज मोहल्ले में एक व्यवसायी के घर से नकदी और कीमती सोने के गहने चोरी होने का मामला सामने आया है.चोरी की गहनों और नकदी की कुल कीमत लगभग 25 लाख रुपए से अधिक आंकी जा रही है.इस संबंध में व्यवसायी मनोज कुमार श्रीवास्तव ने भगवान बाजार थाने में लिखित आवेदन देकर शिकायत करते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है.दिए हुए आवेदन में मनोज श्रीवास्तव के अनुसार, उनका दो मंजिला मकान दौलतगंज मोहल्ले में स्थित है.9 अक्टूबर को जब वे अपने लाह बाजार स्थित दुकान पर थे, तब उनकी पत्नी और बड़ा बेटा शाम 4 बजे बाजार गए थे और उनकी बुजुर्ग मां और छोटा बेटा थे, जो छत पर खेलने चला गया था.10 अक्टूबर को जब उनकी पत्नी ने गांव जाने की तैयारी के दौरान दोपहर 1:30 बजे आलमारी का लाकर खोला, तो उन्होंने पाया कि 5 लाख रुपये नकद और सोने के कीमती आभूषण गायब थे.चोरी हुए गहनों में सोने का हार, चूड़ियां, अंगूठियां, मंगलसूत्र, कान के आभूषण और अन्य गहने शामिल थे, जिनकी अनुमानित कीमत लाखों रुपये है.इसके अलावा पर्स में रखे 25 हजार रुपये भी गायब है.आवेदन के अनुसार मनोज श्रीवास्तव का कहना है कि उन्हें शक है कि यह चोरी घर के किसी करीबी व्यक्ति द्वारा की गई है, क्योंकि बाहरी लोगों का उनके घर में आना-जाना नहीं होता है. भगवान बाजार थाने की पुलिस ने आवेदन के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली है.यह मामला केस नंबर 528/24 के रूप में दर्ज किया गया है,चोरी के इस मामले की जांच भगवान बाजार थाने के पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी है

विजयादशमी पर इसुआपुर में धू धू कर जला दशानन रावण

असत्य पर सत्य की विजयादशमी का दिया गया संदेश

रावण दहन की साक्षी बनी हजारों की भीड़

प्रातः किरण संवाददाता

इसुआपुर । स्थानीय थाना क्षेत्र के इसुआपुर , निपनिया तथा मुड़वा बाजारों पर दशानन रावण के पुतले का दहन किया गया।इसुआपुर बाजार के पास 52 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन स्थानीय विधयक जनक सिंह, वरीय नेता शैलेंद्र प्रताप सिंह, जिला परिषद की उपाध्यक्ष प्रियंका सिंह ,जिला पार्षद छविनाथ सिंह तथा धीरज सिंह ने संयुक्त रूप से किया। संचालन ढ़ोलन सिंह, अमरनाथ प्रसाद, राजेश सिंह कुशवाहा, दिलीप चौरसिया, महादेव साह व अन्य ने किया। वहीं निपनिया बजार पर पूर्व मुखिया सुरेश दास तथा रमेश सिंह कुशवाहा ने संयुक्त रूप से 50 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया। जबकि मुड़वा बाजार पर 45 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन महंत मनिंदर गिरी ने किया। संचालन राजद के प्रखंड अध्यक्ष हाजी अमजद खान, बीडीसी प्रतिनिधि हरेराम राम व अन्य ने किया।इस मौके पर लोगों ने जमकर पटाखे फोड़े और आतिशबाजी की।

विधि व्यवस्था को लेकर सीओ करुण करण, मशरक पुलिस इंस्पेक्टर अशोक सिंह, थानाध्यक्ष कमल राम, अपर थानाध्यक्ष कुंदन कुमार भारी महिला व पुलिस बल के साथ सक्रिय दिखे।

मढ़ौरा में भी किया गया रावण दहन

प्रातः किरण संवाददाता

मढ़ौरा नगर । स्थानीय क्षेत्र के मढ़ौरा पुरानी बाजार, सलीमापुर, आवारी तथा करणपुरा बाजार पर दशानन रावण के पुतले का दहन किया गया। सलीमापुर में जिला परिषद सदस्य मीणा अरुण, अवारी में पूर्व मुखिया अरुण सिंह, मढ़ौरा पुरानी बाजार में एसडीएम प्रेरणा सिंह और करणपुरा बाजार में पैक्स अध्यक्ष दीपक राज मुख्य अतिथि रहें। सभी स्थलों पर बड़ी संख्या में भीड़ जुटी हुई थी। वहीं मढ़ौरा नगर क्षेत्र में पुरानी बाजार में रावण दहन के साथ ही मेघनाद का पुतला दहन किया गया। भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। पुरानी बाजार में गणमान्य लोगों में डीएसपी रामनरेश पासवान, प्रशिक्षु आईपीएस राहुल कुमार, इंस्पेक्टर मुकेश कुमार, मढ़ौरा नगर मुख्य पार्षद रूबी सिंह, पूर्व मुख्य पार्षद ललन राय, पूर्व मुख्य पार्षद प्रतिनिधि नागेंद्र राय, पूर्व मुख्य पार्षद अमर सिंह, जेडीयू के बलिराम सिंह समेत कई लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

बिजली के करंट से तालिमी मरकज की हुई मौत

प्रातः किरण संवाददाता

इसुआपुर। बिजली के करंट लगने से एक तालिमी मरकज शिक्षक की मौत शनिवार को हो गई। मृतक स्थानीय थाना क्षेत्र के गोहां गांव निवासी सलामत मियां का 40 वर्षीय पुत्र अब्बास आलम बताए जा रहे हैं। वे बिजली का मोटर चला कर अपने दरवाजे पर मोटरसाइकिल धो रहे थे कि बिजली की करंट की चपेट में आ गए। जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। मृतक प्राथमिक विद्यालय गोहां उर्दू में तालिमी मरकज शिक्षक के रूप में कार्यरत थे। घटना के बाद गांव में मातम छाया हुआ है। वहीं पत्नी राहत फातमी तथा 9 वर्षीय पुत्र शमशाद आलम का रो-रो के हाल बुरा है।

राजेंद्र स्टेडियम में रावण का हुआ दहन, लेजर शो ने दर्शकों का जीता दिल

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। विजयादशमी समारोह समिति के द्वारा छपरा के राजेंद्र स्टेडियम में रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिलाप्रशासन के द्वारा विधि एवं ट्रैफिक व्यवस्था शानदार होने की वजह से सफलतापूर्वक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हजारों की संख्या में लोगों ने परिवार के साथ स्टेडियम पहुंचकर रावण दहन का कार्यक्रम लुफ्त लिया। महाराजगंज सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने गुब्बारा उड़ाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। महावीर स्थान कटहरी बाग से शोभायात्रा निकाली गई जो राजेंद्र स्टेडियम पहुंची।

अध्यक्ष सलीम परवेज ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी जिला प्रशासन के सहयोग से विजयदशमी समारोह समिति के द्वारा रावण वध का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। भारी संख्या में दर्शन राजेंद्र स्टेडियम में पहुंचकर बेहतरीन आतिशबाजी देखी।

कार्यकारी अध्यक्ष वरुण प्रकाश राजा ने कहा कि बिहार में पहली बार छपरा के राजेंद्र स्टेडियम में लेजर शो का आयोजन किया गया। लेजर शो के जरिए राजेंद्र स्टेडियम में हजारों की संख्या में उपस्थित दर्शकों ने रामायण की झलकियां दिखा। दर्शकों के लिए इस वर्ष कई बेहतरीन पटाखे दिखाए गए। नए स्वरूप में रावण वध कार्यक्रम दर्शकों के बीच किया गया। लोगों ने फ्लैशलाइट जलाकर बताया कि उनका कार्यक्रम कितना बेहतरीन लगा।

कार्यकारी महामंत्री राजेश फैशन ने कहा कि शोभा यात्रा से लेकर रावण वध तक लोगों ने कार्यक्रम का जबरदस्त लुफ्त लिया। स्टेडियम में मौजूद सभी राम भक्तों ने लगातार भजन का श्रवण भी किया। महिला एवं पुरुषों के लिए बैठने की उत्तम व्यवस्था की गई थी। दर्शकों को किसी तरह की परेशानी ना हो इसको लेकर समिति और जिला प्रशासन के द्वारा विशेष नजर रखी गई थी। समिति के द्वारा जिला प्रशासन को विशेष आभार किया गया जिनके द्वारा प्रत्येक वर्ष यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न होता है।इस अवसर पर अध्यक्ष सलीम परवेज, पूर्व उपाध्यक्ष विधान परिषद्, पटना, बिहार, कार्यकारी अध्यक्ष वरुण प्रकाश राजा, कार्यकारी महामंत्री राजेश फैशन, महामंत्री विभूति नारायण शर्मा, सचिव ददन गिरि (राजू नयन शर्मा), उपाध्यक्ष मदन मोहन सिंह, सत्यप्रकाश यादव, संजय भारद्वाज , प्राचार्य अरुण कुमार सिंह, सयैद जफर अब्बास रिजवी, संजय कुमार सिंह, प्रकाश वर्मा, मनोज कुमार वर्मा संकल्प आदि थे।

मढ़ौरा में अष्टमी तिथि को आयोजित हुई दीप रंगोली प्रतियोगिता

प्रातः किरण संवाददाता

ढँङ्ग३ङ्ग एसडीएम के साथ प्रतिभागी

मढौरा नगर।स्टेशन रोड खादी भंडार के पास स्थित नवयुवक पूजा पंडाल समिति ने अष्टमी को दीप ज्योति आराधना सह प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में 34 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और रंगोली के साथ दीप ज्योति से माता की अराधना करते हुए मनोरम कलाकृति बनाई। प्रतिभागियों की बनाई रंगोली और दीप ज्योति आराधना अष्टमी पूजा का विशेष आकर्षण रहा।

मेला घुमने पहुंचे सैकड़ो लोगों की भीड़ विशेष तरह की आराधना का आनंद लेते दिखे। पुजा समिति अध्यक्ष ब्रज किशोर सिंह की अध्यक्षता में प्रतियोगिता उपरांत समिति के तरफ से सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया।

एसडीओ डॉ प्रेरणा सिंह, डीएसपी नरेश पासवान, नपं चेयरमैन रूबी सिंह, जिप सदस्य मीना अरूण बतौर अतिथि शामिल हुए। सभी प्रतिभागियों में सर्वक्षेष्ठ पांच प्रतिभागियों का चयनित किया गया।

एसडीएम डा. प्रेरणा सिंह ने प्रतिभागियों में शामिल लड़कियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि लड़किया देवी स्वरुप है उन्हे मेनहत और ईमानदारी से अपने काम को करने की सलाह दी। कहा कि लड़कियों की हाथों की कला इन्हें अन्य से अलग पहचान दिला रही है।

चयनित पांच प्रतिभागियों में सलोनी कुमारी, पूजा शर्मा, शालिनी कुमारी, रौशनी कुमारी सहित अन्य का नाम शामिल था ।कार्यक्रम को संपन्न करने में ब्रज किशोर सिंह, मुरारी प्रसाद, मुकेश सिंह, मनोज सिंह, धर्मवीर सिंह, मंटू सिंह, उधारु साह सहित अन्य ने सक्रिय सहयोग दिया।

दुर्गा मंदिर के 75 वें वर्षगांठ पर शतचंडी यज्ञ का हुआ आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

तरैया । प्रखंड के भटगाई गांव स्थित दुर्गा मंदिर के 75 वे वर्षगांठ के अवसर पर भव्य श्री शतचंडी यज्ञ का आयोजन श्री नारद बाबा के सानिध्य में किया जा रहा है। जिसका उद्घाटन जिला पार्षद हरिशंकर सिंह,मुखिया ओम प्रकाश कुमार व विनोद कुमार सिंह एवं गुड्डू सिंह,कृष्णा सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया।यज्ञ का आयोजन 12 से 17 अक्तूबर तक होगा। यज्ञ के शुभारंभ को लेकर गाजे बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु भक्त पीले परिधान में गाजे बाजे के साथ देवी देवताओं के जयकारा लगाते हुए शामिल हुए। कलश यात्रा यज्ञ स्थल से निकल कर गंडकी नदी के तट पर पहुंची जहां नरेंद्र मिश्रा के वैदिक मंत्रोचारण के साथ जलभरी की गई।जलभरी कर कलश यात्रा यज्ञ स्थल पहुंची।उसके बाद श्री शतचंडी यज्ञ प्रारंभ हुआ।मुख्य यजमान पूर्व मुखिया अरुण कुमार सिंह के साथ सुनील सिंह, सुबोध सिंह,अनिल सिंह, अवधेश सिंह,राजदेव सिंह,मनु श्रीवास्तव सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे।

अज्ञात वाहन के ठोकर से एक व्यक्ति घायल

प्रातः किरण संवाददाता

परसा।परसा-मकेर मुख्य मार्ग पर थाना क्षेत्र के पोखरपुर पेट्रोल पंप के पास एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मिथलेश दास नामक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया. घायल व्यक्ति को ग्रामीणों ने तत्काल मदद पहुंचाते हुए परसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया.प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना स्थित पीएमसीएच (पटना मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल) रेफर कर दिया. घायल बसगंडा गांव के निवासी स्वर्गीय रामचंद्र दास के पुत्र मिथलेश दास बताए जा रहे हैं.

नाटक का हुआ मंचन

प्रातः किरण संवाददाता

परसा ।दुगार्पूजा के शुभ अवसर पर परसा प्रखंड के बभनगावा पटेल चौक पर नवयुवक कला परिषद के युवाओं द्वारा राखी और सिंदूर, व घर की बबादी नामक नाटक का मंचन किया गया ।मा दुर्गा वंदना से नाटक से शुरूआत की गई। मुखिया अनिता देवी,समाजवसेविका राजमति देवी संयुक्त रूप से फीता काटने के उपरांत दीप प्रज्जवलित कर किया ।इस अवसर पर मुखिया प्रतिनिधि सत्येंद्र सिंह ने कहा कि नाटक समाज का आइना है। नाटक का मुख्य उद्देश्य समाज में छिपी कुरीतियों और इससे बचाव को लेकर नाटक की प्रस्तुति की गई है ।वही निदेशक अनिल कुमार के नेतृत्व में कलाकारों में अभिनय कुमार,प्रशांत कुमार,चंदन सिंह,रौशन कुमार,अमित कुमार आदि ने एक से बढ़कर एक कार्यक्रम की बेहतर प्रस्तुति दी जिससे श्रोताओं को खूब रिझाया ।

सर्प दंश से एक वर्षीय बालिका की हुई मौत परिजनों में कोहराम

प्रातः किरण संवाददाता

अमनौर । स्थानीय थाना क्षेत्र के धर्मपुरजाफर पंचायत स्थित गोसी अमनौर मिया टोली गांव में सर्प दंश से एक वर्षीय एक बालिका की मौत हो गई।घटना शनिवार की दोपहर का है ।मृतक बालिका समीम आलम उर्फ टिकोढी की एक वर्षीय बच्ची सिफा परवीन बताई जाती है ।बच्ची की मौत से इनकी समीना बेगम दादा भगत मिया का रो रो कर बुरा हाल है ।बच्ची दो पहर में खिड़की के पास खेल रही थी ।अचानक सर्प हाथो में डस लिया ।जिससे बच्ची के हाथों में खून रिसाव होने लगा ।परिजन घर के अन्य कार्य मे लगे थे ।बच्ची के रोने की आवाज सुन दौरे,खून का धब्बा हाथो में देख समझ गए ।आनन फानन में अस्पताल ले जाने लगे कि बच्ची रास्ते मे दम तोड़ दी ।इनके मृत्यु से टोला में मातम छाया हुआ है।

माँ गढ़ देवी फिजिकल एकेडमी क्लब का हुआ गठन

विधायक व सरपंच संघ के अध्यक्ष ने संयुक्त रूप से किया उद्घघाटन

प्रातः किरण संवाददाता

अमनौर।प्रखंड के डेरनी सुतिहार क्रीड़ा मैदान में माँ गढ़ देवी फिजिकल अकादमी क्लब का गठन हुआ।जहाँ बेरोजगार युवाओ को एथलेटिक्स पुलिस आर्मी एस-।आई आरपीएफ एसएससी की तैयारी कराई जाएगी।जिसका उद्घघाटन बीते शनिवार को मुख्यातिथि परसा बिधायक छोटेलाल राय सरपंच संघ अध्यक्ष प्रतिनिधि धीरज कुमार सिंह ने फीता काटकर बिधिवत किया।इस पश्चात अतिथियों ने रत्न टाटा को याद कर मौन रख श्रधांजलि अर्पित किया।युवाओ ने अतिथियों के समक्ष मैराथन दौड़ कर इसकी शुरूआत किया।बिधायक छोटेलाल राय ने कहा युवा देश के भविष्य है।इनके लिए यह क्लब भविष्य का द्वार खोलेगा।युवा नेता धीरज कुमार सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह का क्लब खोला जाना युवाओ के लिए हितकर है।युवाओ में कार्यक्षमता की कमी नही उन्हें उचित प्रशिक्षण व मार्गदर्शन की जरूरत है।युवा इस संस्था से प्रशिक्षण पाकर हर क्षेत्र में रोजगर प्राप्त कर सकते है।युवाओ को सरकार व किसी अन्य के भरोसे नही रहना चाहिए खुद के नए बिकल्प ढूढना चाहिए जिससे स्वयम को स्वालम्बी हो सके।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रिंस सिंह ने किया।क्लब के सदस्यों ने अतिथियों को अंगवस्त्र से सम्मानित किया।इस मौके पर मनन सिंह चन्द्रशेखर सिंह कुंदन सिंह पंकज यादव भरत सिंह उप सरपंच अतुल कुमार सिंह समेत दर्जनों लोग मौजूद थे।

सारण जिला एथलेटिक्स संघ की बैठक में लिए गए महत्तवपूर्ण निर्णय

■ एक दर्जन लोगों को संघ विरोधी गतिविधि के आरोप में किया गया निष्कासित

किरण संवाददाता

छपरा (सारण डिस्ट्रिक्ट एथलेटिक्स एसोसिएशन की बैठक रविवार को कार्यकारी अध्यक्ष अजय सिंह के दहियावां टोला आवास पर आयोजित की गयी.

बैठक में कुछ लोगों द्वारा समानांतर संघ की घोषणा को असंवैधानिक करार दिया गया. कहा गया कि इसके लिए न तो एजीएम कराया गया और ना ही एएफआई और बीएएस की नियमावली का पालन किया गया. एएफआई या बीएएस का कोई निवार्ची पदाधिकारी या पर्यवेक्षक भी उपस्थित नहीं था.

जिला संघ के अध्यक्ष राज्य संघ के भी अध्यक्ष हैं. बाइलॉज के अनुसार उनके राज्य में रहते हुए जिला में कोई अन्य अध्यक्ष हो ही नहीं सकता. समानांतर संघ की घोषणा को संगठन विरोधी कृत्य करार दिया गया. सर्वसम्मति से ऐसे दर्जन भर लोगों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई का निर्णय लिया गया.

उन्हें तत्काल प्रभाव से संघ की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया गया. जिसमें डॉ सुरेश प्रसाद सिंह, सभापति बैठा, पूर्व कोषाध्यक्ष निर्मल ठाकुर, पूर्व सचिव संजय कुमार सिंह(मशरक), कृष्णमोहन सिंह, मेराज खान, मुकेश यादव सोनू, हरेंद्र दास, सुजीत कुमार, एनआईए कोच संजय कुमार सिंह(कोपा) और रमेश कुमार सिंह(इनई) शामिल हैं. इसके साथ ही नदीम अहमद को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया.

कार्यकारी अध्यक्ष श्री सिंह और सचिव निलाभ गुंजन राका को प्रखंड इकाइयों को सक्रिय करने की जिम्मेवारी सौंपी गयी.

उनके सहयोग के लिए किशोर कुनाल, संजय सिंह, चंदन सिंह, बृजकिशोर सिंह, मृत्युंजय सिंह, कमलजीत कुमार, नवीन पूरी, दिनेश सिंह, सुरज कुमार, चंद्रकेत कुमार, संतोष कुमार सिंह, अमर सिंह, कुमार कौशलेन्द्र, विपिन कुमार गुप्ता, मुन्ना जी, विनय पंडित को सहयोग हेतु नामित किया गया.

वहीं आगामी एजीएम के पूर्व सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया. आगामी नेशनल प्रतियोगिता के लिए सचिव गजेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में सेलेक्शन कमिटी गठित की गयी जिसमें मुकेश कुमार(बनियापुर), वीना कुमारी और अमित सौरभ समेत सात सदस्य मनोनीत किए गए.

श्यामदेव सिंह की अध्यक्षता में तकनीकी कमेटी बनायी गयी जिसमें राजकिशोर तिवारी, एमआईएस कोच तरुण कुमार समेत छह सदस्य नामित किये गये. इसके साथ ही आंतरिक आचार संहिता और एज वेरिफिकेशन समिति का गठन भी किया गया. बैठक की अध्यक्षता संघ के प्रदेश व जिलाध्यक्ष पूर्व उपसभापति सलीम परवेज ने और अतिथियों का स्वागत व धन्यावाद ज्ञापन कार्यकारी अध्यक्ष अजय सिंह ने किया.

लोकनायक जय प्रकाश नारायण की जयंती समारोह संपन्न

■ विमर्श केंद्र के रूप में विकसित होगा जेपी अध्ययन केंद्रः कुलपति

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। लोकनायक जयप्रकाश नारायण की 122वीं जयन्ती शुक्रवार को जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के सीनेट सभागार में कुलपति प्रो. परमेंद्र कुमार बाजपेयी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति ने जेपी के प्रति अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि जेपी के सपनों का भारत अभी तक नहीं बन सका है। उन्होंने कहा कि जे पी के 1975 से 1977 के काल को केवल सत्ता परिवर्तन के लिए आज भी याद किया जाता है जबकि इसके इतिहास को गहराई से देखने की आवश्यकता है उन्होंने कहा कि जय प्रकाश विश्वविद्यालय का जेपी अनुसंधान केन्द्र एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के विमर्श केन्द्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जहाँ न सिर्फ देश के, बल्कि दुनिया भर के शोधार्थी जे पी के विचारों पर शोध, अध्ययन एवं चिंतन के लिए आएंगे। इसकी जिम्मेवारी भी लेनी चाहिए। इस अवसर पर बिहार विधान परिषद के सदस्य प्रो. वीरेन्द्र नारायण यादव ने जे पी को पीड़ित मानवता का मुक्तिदाता बताते हुए कहा कि उनके विचारों में समाज को राजनीतिक, आर्थिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन की रूपरेखा देखी जा सकती है, इसे प्राप्त करने के लिए हम सब को एकजुट प्रयास करना चाहिए।उन्होंने कहा कि जे पी विलासिता के खिलाफ थे।यह भी कहा कि जेपी अध्ययन केंद्र को विकसित करने की जरूरत है।

वि वि के राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं प्रखर वक्ता डॉ. लाल बाबू यादव ने जे पी को गाँधी का सच्चा अनुयायी बताते हुए युवा पीढ़ी से आह्वान किया कि वे जेपी के सपनों का भारत बनाने के लिए संकल्पित हों।उन्होंने जे पी की पूरी जीवनी को सविस्तार रखा तथा कहा कि जे पी त्याग के प्रतिमूर्ति थे। इनका आंदोलन काफी प्रगाढ़ है जिसे अध्ययन करने को आवश्यकता है। आयोजन के मुख्य अतिथि और पटना विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. आर पी एस ह्यराहीह्न ने जेपी से जुड़े कई संस्मरणों को साझा किया। उन्होंने जेपी को एक महामानव बताया तथा उनके विचार दर्शन को जीवन में अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आज जे पी रहते तो क्या होता।जे पी एक ऐसे वीर थे जिसे भुलाया नहीं जा सकता।

राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व विभागध्यक्ष डॉ. आर. एन. शर्मा ने कहा कि जे पी का जीवन क्रांतिधर्मिता पर आधारित है । विश्वविद्यालय के ।दर्शन शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रामनाथ प्रसाद का कहना था कि जेपी के विचार एवं दर्शन को विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जे पी में मानवता की चिंता व्याप्त थी।उन्होंने गांधी एवं जे पी के विचारधारा को तुलनात्मक ढंग से रखा।इतिहासकार प्रो. अभय कुमार ने जे पी आंदोलन से जुड़े कुछ तथ्यों को रखते ।प्रारंभ में जेपी अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. संजय कुमार पाठक ने आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला, जबकि रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रविन्द्र सिंह ने सभी के प्रति आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया। मौके पर राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. विभु कुमार, प्राचार्य प्रो. के. पी. श्रीवास्तव, डॉ उदय शंकर ओझा,प्रो. सुशील श्रीवास्तव, प्रो. दिव्यांशु कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अशोक कुमार मिश्रा, डॉ. दिनेश पाल डॉ. उदय अरविंद आदि थे।

परसा में संचालित शिव ज्योति आई हॉस्पिटल के नए भवन का किया गया भूमिपूजन

प्रातः किरण संवाददाता

परसाः परसा में संचालित शिव ज्योति आई हॉस्पिटल के नए भवन निर्माण कार्य के लिए भूमिपूजन किया गया । आचार्य नागमणि पांडे ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच चिकित्सक डा. अजीत कुमार यादव से भूमिपूजन कराई ।इस अवसर पर ट्रस्टी प्रो शिव कुमार प्रसाद राय ने कहा कि पोखरपुर में शिव ज्योति अस्पताल का नया भवन पांच सौ बेड का होगा । और यह अस्पताल आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा । वही डा.अजीत कुमार यादव ने कहा कि परसा में इस आई अस्पताल के खुलने से अब क्षेत्र के लोगो को शहरों जैसी चिकित्सीय सुविधा मुहैया कराई जाएगी ।जिससे लोगो को समय और पैसे की बचत होगी ।इस मौके पर चंद्रदेव सिंह , डा . भूषण यादव,शिक्षक रामायण राय,अधिवक्ता शंकर राय, प्रो विमल प्रसाद,शिक्षक अशोक कुमार,शैलेंद्र राय,कुमार अशोक, डा जलंधर राय,मनीष यादव, सहित दर्जनों गणमान्य लोग मौजूद थे ।

पूर्व विधायक ने किया पुस्तकालय का उद्घाटन

प्रातः किरण संवाददाता

लहलादपुर, प्रातः किरण। पूर्व विधायक मनोरंजन सिंह उर्फ धूमल सिंह ने जनता बाजार स्थित स्वर्गीय रामजन्म प्रसाद के मार्केट में एक पुस्तकालय का उद्घाटन फीता काटकर किया ' उन्होंने कहा कि शिक्षा से सम्बन्धित कार्यों से काफी संतुष्टि मिलती है ' पुस्तकालय से क्षेत्र के छात्र-छात्राएं लाभान्वित होंगे ' उद्घाटन के समय मुखिया पंकज तिवारी, जीतेन्द्र सोनी, राजबल सिंह कुशवाहा, पप्पु खां, दिनेश प्रसाद, राजेश पांडेय, उमाशंकर चौधरी आदि उपस्थित थे ।

महावीरी अखाड़े जुलूस में आए हाथी ने ली एक की जान

प्रातः किरण संवाददाता

एकमा । विजयदशमी को लेकर निकली गई माहवारी जुलूस में आई सनकी हाथी ने एक को मौत का घाट उतार दिया वही दो चारपहिया वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया जबकि हाथी पर सवार दो बच्ची की बाल बाल जान बच गई।

बताते चलें कि शनिवार के दिन विजयदशमी को लेकर एकमा थाने के भूईली व आमडाढी गांव से निकली महावीरी आखाड़े जुलूस में आई हाथी घोड़ा बैंड बाजा के दौरान भूईली गांव के जुलूस में आई एक हाथी जब एकमा थाने से आगे बढ़ने लगा तब पेट्रोल पंप के समीप भूईली गांव के ही मुकेश भारती ने अपने दो पुत्री को हाथी पर बिठा दिया। बैठाते ही हाथी अचानक क्रोधित होकर उत्पात मचाने लगी और मुख्य सड़क पर खड़ी एक बस व कार को बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया वही जब मांझी बरौली पथ की ओर आगे हाथी बढ़ा तब शिक्षक राजकिशोर सिंह के पुत्र टुन्ना सिंह की एक कार को भी मामूली

से क्षति ग्रस्त किया । महावत ने हाथी पर बैठकर बरछी से हाथी को मारते हुए हाथी को हरपुर नहर की ओर ले गया जहां हाऊ पुर्नह भूईली गांव की ओर मुड़ गया। थाना अध्यक्ष उदय कुमार ,बीडीओ सहित पुलिस बल के साथ मेले में आए लोगों को हटाने के लिए खदेड़ने का प्रयास कर भगाने का प्रयास करने लगे तब तक थाना अध्यक्ष उदय कुमार गिर कर घायल हो गए। वहीं हांथी पर सवार दोनो बच्चियों के पिता अपनी बच्चियों की जान बचाने के लिए महावत व प्रशासन से गुहार लगाने लगा लेकिन किसी का बस नहीं चला ।हाथी भूईली गांव के राम जानकी पोखर के समीप पहुंचा जहां स्वर्गीय विंध्याचल यादव के 62 वर्षीय पुत्र तारकेश्वर यादव उर्फ माटा वन यादव अपने एक भैंस व गाय को चरा रहे थे जहां हाथी पहुंचा और अपने सुढ में उसे लपेटकर जमीन पर पटक दिया और आगे बढ़ते चला गया । जहां लोगों ने घायल व्यक्ति को इलाज हेतु एकमा के सामुदायिक स्वास्थ्य का केंद्र पर लाया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया वहीं महावत ने दोनो बच्चियों को लेकर हाथी को काबू में करने के लिए लगातार प्रयास करता रहा लेकिन जब एकमा के भुवर पुर गांव के चिमनी के पास रात्रि के 8:30 बजे पहुंचा तब हाथी वहां पर जाकर शांत हुआ उसके पश्चात दोनों बच्चियां अपने घर सुरक्षित लौटी ।दोनो बच्चियों के पिता मुकेश भारती ने बताया कि हम अपने परिवार के साथ छत्तीसगढ़ जिला के कोरमा बालकोनगर में नगर में रह कर यूट्यूब चैनल का पत्रकार का काम करते हैं ।मेरी बड़ी बेटी 10 वर्षीय प्रियांशु भारती तथा दूसरी 6 वर्षीय अंशिका भारती जो पढ़ाई के साथ साथ कराटे करतीं थीं। जहां वर्ष 2022 में छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री टी एस सिंह देव उर्फ बाबा के द्वारा कराटे में राज्य स्तरीय अव्वल आने पर मेडल देकर सम्मानित किया था। अगर वह दोनों बच्चियां कराटे नहीं जानती तो वह दोनों की जान चली जाती। वही मृतक का शव पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया। मृतक को छह पुत्री तथा एक 17 साल का लड़का है।अपने परिवार का कमाऊ पुत्र था। यह घटना विजयादशमी के दिन एकमा सहित जिला एवं आसपास के क्षेत्रों में चर्चित रहा ।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

रामलीला के दसवें दिन मेघनाथ , अहिरावण और रावण वध का हुआ मंचन

प्रातः किरण संवाददाता

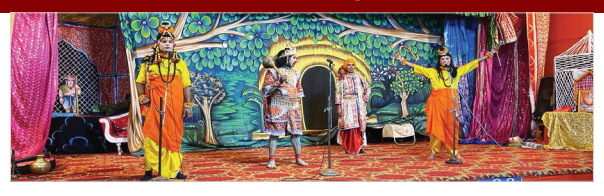

आरा । (भोजपुर)- रामलीला के आज दसवें दिन सर्वप्रथम मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया. उसके पश्चात प्रभु श्री राम की आरती कर लीला का मंचन प्रारंभ हुआ. प्रथम दृश्य में सर्वप्रथम मेघनाथ का वध दिखाया गया. द्वितीय दृश्य में अहिरावण का वध दिखाया गया. तृतीय युद्ध में भगवान श्री राम के द्वारा रावण का वध दिखाया गया. जिसमें विभीषण के द्वारा बताए जाने पर की रावण का प्राण उसके नाभि में है प्रभु राम के द्वारा नाभि में बान मारा जाता है. जिससे रावण की मृत्यु होती है मृत्यु के पूर्व लक्ष्मण जी द्वारा रावण से तीन ज्ञान प्राप्त होता है. अच्छे काम में कभी विलंब नहीं करना चाहिए. अशुभ कार्य को मोह वस अगर करना पड़े तो जितना हो सके उसे टालने का प्रयास करें . अपने शक्ति और पराक्रम में इतना घमंड नहीं होना चाहिए जिससे सामने वाला शत्रु आपको कमजोर नजर आए. रावण वध के बाद आए हुए मुख्य अतिथि जिलाधिकारी तन्य सुल्तानिया एसपी श्री राज ए एसपी परिचय कुमार एसडीओ रश्मि सि नहा के साथ संस्था के अध्यक्ष सोनू राय द्वारा बान मारकर रावण के पुतले को दहन किया गया . जिलाधिकारी तन्य सुल्तानिया और एसपी राज ने शहर वासियों को विजयदशमी की बधाई दी. अध्यक्ष सोनू राय द्वारा शहर ने लोगों को बधाई दिया और आभार भी व्यक्त किया कि उन्होंने रामलीला को सफल बनाने के लिए जो योगदान दिया है वह अकल्पनीय है. सचिव शंभूनाथ प्रसाद कार्यक्रम के भजन होने से उत्साहित हुए और भजन पर नित्य करने लगे समिति के अन्य सदस्य भी अपने आप को रोक नहीं पाए और करीब 1 घंटे तक खूब सब ने मिलकर नृत्य किया .उपाध्यक्ष संजीव गुप्ता ने अध्यक्ष सोनू राय और संरक्षक मंडल के हकीम प्रसाद को कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद दिया. रोटी बैंक के सदस्य इस रामलीला में अपने योगदान के लिए जान जाएंगे .सदस्यों में सत्येंद्र राम .अजय गुप्ता. सत्यनारायण ब्याहुत, जितेंद्र जी, निकेश पांडे, राजेश कुमार,

मनोज गुप्ता, सुरेश प्रसाद, गोपाल प्रसाद, राजू कुमार और अन्य थे . मुख्य सदस्यों में संरक्षक मंडल के हकीम प्रसाद, रामेश्वर प्रसाद, रामकिंकर दास, उपाध्यक्ष संजीव गुप्ता ,मदन प्रसाद ,शंभू नाथ केसरी, विजय भारती, शत्रुघ्न प्रसाद, मंच संचालन दिलीप गुप्ता ने किया प्रसाद वितरण का कार्य बुटाई जी ने किया . शत्रुघ्न प्रसाद समाजसेवी ने कहा की राम जी ने मौका दिया तो मैं इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर अपना सहयोग करूंगा .समिति के प्रवक्ता पंकज प्रभाकर ने सभी को विजयादशमी की बधाई दी

नम आँखों से मां दुर्गा की प्रतिमा को दी गयी विदाई

प्रातः किरण संवाददाता

संझौली(रोहतास) दस दिनों तक भक्ति व श्रद्धा से मां दुर्गा की पूजा-अर्चना के बाद भक्तों ने मां दुर्गा को फिर जल्दी आने का संदेश देते हुए नम आंखों से विदाई दी। रविवार के दिन प्रखंड क्षेत्र में जगह-जगह स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओ को विसर्जन किया। दस दिनों तक मां की पूजा-अर्चना के बाद पूजा पंडालों से जब माता रानी की प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए उठाया गया तो, सभी भक्तों की आखों में आंसू आ गए। विसर्जन से पहले पूजा पंडालों व दुर्गा मंडपों में महिलाओं ने माता की प्रतिमा को कोइछा भरते हुए सिंदूर खेला के रस्मों को पूरा किया। वृद्ध महिलाओं से लेकर नवविवाहिताओं ने मौके पर एक दूसरे को सिंदूर लगाकर विजयदशमी की शुभकामनाएं दी। दस दिनों तक हर्षोल्लास और विधवत पूजा-अर्चना के बाद विभिन्न जलाशयों में मां दुर्गा की प्रतिमाओं को विर्सजित कर दी गयी। विसर्जन के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। दुर्गा पूजा के तमाम सदस्यों सहित अध्यक्षों ने दस दिवसीय दुर्गा पूजनोत्सव के दौरान प्रखंड क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकारियों को बधाई दी है।

रामलीला नौवे दिन रामेश्वर स्थापना रावण अंगद संवाद लक्ष्मण शक्ति और कुंभकरण वध का हुआ मंचन

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । (भोजपुर) 400 वर्ष पुरानी नगर रामलीला समिति के तत्वाधान में रामलीला के नौवे दिन प्रथम दृश्य मे समुद्र पार कर लंका जाने के पूर्व समुद्र तट पर रामेश्वर की स्थापना को दिखाया गया. द्वितीय दृश्य में रावण और अंगद संवाद दिखाया गया इस दौरान दर्शकों ने जय श्री राम की खूब नारे लगाए. तृतीय दृश्य में लक्ष्मण के मूर्छित होने पर दर्शक भाव विभोर होते हुए नजर आए . चौथे दृश्य में

कुंभकरण वध दिखाया गया .इससे पहले परंपरा का निर्वहन करते हुए मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर और समिति के सदस्यों द्वारा आरती करके लीला का प्रारंभ किया गया अध्यक्ष सोनू राय ने आए हुए अतिथियों और दर्शकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि प्रभु श्री राम के नाम मात्र से ही पत्थर समुद्र में नही डूबी तो राम का नाम लेने से मनुष्य की जीवन की नैया कैसे डूबेगी इसलिए राम मैं अपनी आस्था बनाए रखें प्रभु श्री राम सबका भला करेंगे. संरक्षक मंडल के हकीम प्रसाद ने कहा कल विजयादशमी के दिन रावण के पुतला का दहन होगा आप सभी शहर वासियों का इसमें आमंत्रण है अधिक से अधिक संख्या में आक र बुराई पर अच्छाई की जीत का दृश्य देखे. उपाध्यक्ष संजीव गुप्ता ने कहा कि रावण दहन की सारी तैयारियां पूरी हो चुकी है जिसके लिए हमने प्रशासनिक अधिकारियों से भी बात कर ली है और कल प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहेंगे और व्यवस्था पूरी तरीके से दुरुस्त होगी .सचिव शंभू नाथ प्रसाद ने कहा कि समिति के सभी सदस्यों एवं सामाजिक कार्यकताओं का प्रयास सराहनीय है. इस वर्ष की रामलीला को सफल बनाने के लिए उन्होंने अपनी समिति के सदस्यों के अलावा नगर वासियों का बहुत-बहुत धन्यवाद दिया, मुख्य अतिथियों में डॉ विकास सिंह सर्जन डॉ अमित जायसवाल, डॉ मनीष कुमार प्लास्टिक सर्जन ,सरोज सिंह , अंजनी तिवारी ,मुन्ना सिंह, चंद्रभानु गुप्ता, रोटी बैंक के सदस्य के अलावा समिति के सदस्य मौजूद थे, विजय भारती ,गौतम उर्फ.राजा, शत्रुघ्न प्रसाद, मदन प्रसाद शंभू नाथ केसरी संरक्षक मंडल में हकीम प्रसाद, रामेश्वर प्रसाद, मंच संचालन दिलीप गुप्ता ने किया संस्था की सारी क्रियाकलापों की जानकारी पंकज प्रभाकर ने दी

पूजा पंडाल पर किया गया शस्त्र पूजन

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। विजय दशमी को संध्या आरती और श्री राम चौक पर नवरंग कला मंदिर दुर्गा पूजा सीमित के पूजा पंडाल पर शस्त्र पूजन किया जिसमे तलवार,फरसा,लाठी,और अन्य शस्त्र के साथ पूजन कर भगवती मां शक्ति को स्मरण किया ।

इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल ,भोजपुर के ज़िला अध्यक्ष राजीव रंजन सह मंत्री अभिषेक चौरसिया बजरंग दल जिला प्रमुख अमित पांडे, गोलू पांडे , जतिन और सैकड़ो संख्या में बजरंग दल एवं विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता मौजूद रहे हैं कि इस तरह का कार्यक्रम करने के लिए ज़िला के सभी दुगार्पूजा समितियों को मीडिया के द्वारा अध्यक्ष राजीव रंजन ने कहा कि हर साल इस तरह का कार्यक्रम कर हम सभी सनातनी एकता का परिचय दे।

आरा में हथियारबंद बदमाशों ने दुर्गा पूजा पंडाल के तीन सदस्यों को मारी गोली, इलाके में मची अफरा-तफरी

प्रातः किरण संवाददाता

आराःअपराधियों का तांडव लगातार जारी है। राज्य के अंदर शायद ही कोई ऐसा दिन गुजरता हो जिस दिन हत्या, लूट, छिनतई और गोलीबारी से जुड़ी कोई खबर नहीं सामने आती हो। इसी कड़ी में अब एक ताजा मामला भोजपुर से निकल कर सामने आ रहा है। जहां बेखौफ अपराधियों ने तीन लोगों को गोली मारकर घायल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, आरा में दुर्गा पूजा पंडाल के तीन सदस्यों को हथियारबंद बदमाशों ने गोली मार दी है। सुबह सुबह हुई गोलीबारी की घटना के बाद इलाके में अफरातफरी का माहौल कायम हो गया। यह मामला भोजपुर जिले के नवादा थाना क्षेत्र अंतर्गत मौलाबाग मोहल्ला स्थित पुष्प कला मंदिर पूजा पंडाल की है, जहां आज अहले सुबह हथियारबंद बदमाशों ने पूजा पंडाल के चार सदस्यों को गोली मार दी। वहीं गोलीबारी की घटना में घायल युवक की पहचान टुनटुन यादव के 26 वर्षीय पुत्र सुनील यादव है, वहीं दूसरा कलामुद्दीन अंसारी का 22 वर्षीय पुत्र अरमान अंसारी है वहीं तीसरा शिव कुमार का 24 वर्षीय पुत्र रौशन कुमार है। वहीं सूत्रों की माने तो आपसी विवाद में गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया है।

गोलीबारी की घटना के बाद इलाके में अफरातफरी का माहौल कायम हो गया। घटना के बाद परिजनों ने आनन फानन में घायलों को इलाज के लिए आरा शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां तीनों घायलों का इलाज कराया जा रहा है। वहीं इलाज कर रहे सदर अस्पताल के सर्जन डॉ विकास कुमार सिंह ने बताया की सभी घायल युवकों की गोली निकाल दी गई है और उन्हें 1 सप्ताह के लिए अस्पताल में ही रखा जाएगा।वहीं घटना की सूचना मिलने ही रात्रि गस्ति में तैनात नवादा थाना के दरोगा वाहिद अली और नवादा थानाध्यक्ष बिपिन बिहार मौके मौके पर पहुंचे जहां घटनास्थल से पुलिस को दो खोखा भी बरामद कर मामले की जांच में जुट गए है।

भोजपुर पुलिस अधीक्षक श्री राज ने बताया कि आज सुबह मौला बाग स्थित पंडाल के पास गोली लगने से तीन व्यक्तियों के घायल होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलने के साथ ही नवादा थानाध्यक्ष तथा सहायक पुलिस अधीक्षक पहले बाबू बाजार स्थित डॉक्टर विकास के अस्पताल एवं उसके बाद घटना स्थल पहुँच गए। प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ करने पर ऐसा प्रतीत होता है कि यह घटना आपसी विवाद में हुई है । घायल तीन व्यक्तियों में से दो पंडाल कमिटी से संबंधित हैं तथा तीसरा व्यक्ति जिसके पैर से गोली छूकर निकली है वह आस पास घूम र-हा था । इलाज के उपरांत दिनों घायल व्यक्ति सुरक्षित बताए जा रहे हैं । घटना में शामिल अभियुक्तों की पहचान हो गई है तथा पुलिस के द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

गड़हनी बिचली पट्टी पूजा पंडाल में दिया गया शिक्षक को श्रद्धांजलि

प्रातः किरण संवाददाता

गड़हनी।नगर पंचायत समेत गड़हनी के पूरे इलाके में दुगार्पूजा की धूम रहा,इसी बीच बिचली पट्टी दुर्गा पूजा पंडाल जहाँ लाइट एण्ड साउन्ड पर आधारित प्रतिमा देखने पहुंचे सैकड़ों भक्तों के सामने रतनपुर प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक रहे शिक्षक मंतोष पासवान का बीते दिनों हृदयगति रुकने के कारण मृत्यु हुई थी।जिनके तैलचित्र पर फुलमाला चढ़ा विनम्र श्रद्धांजलि दी गईं।शिक्षक के छोटे भाई प्रकाश पासवान भी पूजा पंडाल में मौजूद थे।पूजा कमिटी अध्यक्ष ओमप्रकाश मिश्रा उर्फ मुन्ना बाबा ने बताया कि शिक्षक मंतोष पासवान माँ दुर्गा के भक्त थे उनकी अध्यक्षता में गोला बाजार पर माता की प्रतिमा स्थापित होती थी।उनके आत्मा के शांति के लिए पूजा पांडाल में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई।मौके पर छोटन सिंह,पंकज सिंह,सूरज कुमार,भगवान सोनी,रमन सिंह, नितेश सिंह,बिट्टू कुमार समेत सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

विद्या भारती को मिठाई खिला उपहार देकर किया सम्मानित

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास) : विज्ञान प्राद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग बिहार सरकार शाखा कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में सत्र 2021-2024 बिहार में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा सुश्री विद्या भारती को बिहार सरकार के बीस सूत्री सदस्य एवं जिलाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा भाजपा रोहतास नवीन चंद्र साह ने मिठाई खिलाकर उपहार देकर उनके माता- पिता के समक्ष सम्मानित किया । विद्या भारती ने इस उपलब्धि को प्राप्त करने में अपने माता-पिता को श्रेय दिया । सुश्री भारती बिक्रमगंज प्रखंड के घुसियां खुर्द गांव की रहने वाली है ।

उनके पिता चितरंजन गुप्ता पेशे से शिक्षक तथा माता अनीता देवी कुशल गृहिणी है । 87 प्रतिशत अंक लाकर प्रथम स्थान पाने पर बधाई देने वालों में वार्ड सदस्य चंदन पासवान , नेमधारी पासवान,नवनीत साह, लोकेया विद्यालय के प्रधान शिक्षक रविशंकर शर्मा ,बीपीएम अमित नारायण स्वामी, बड़े पिता शिव शंकर गुप्ता ,नंदिनी ,अंकिता ,जैबुन खातून , भाई चंदन गुप्ता सहित अन्य लोगों ने दी है । जिसको लेकर गांव में बच्चों व बच्चियों में खुशी का माहौल है ।

प्रभु श्रीराम और रावण युद्ध में असत्य की पराजय हुई , मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के अग्निबाण से रावण दहन में वातावरण जय श्रीराम के उद्घोष से गूंजा

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास) : बिक्रमगंज नगर के इंटर स्तरीय स्कूल खेल मैदान व काराकाट प्रखंड मुख्यालय गोड़ारी मनोज प्रसाद के मिल समीप शनिवार की देर संध्या असत्य पर सत्य की हुई जीत । अनुमंडल क्षेत्र में विजयादशमी का त्योहार बड़े ही धूमधाम से मनाया गया । नगर के इंटर स्तरीय स्कूल खेल मैदान व गोड़ारी में मनोज प्रसाद के मिल समीप प्रभु श्रीराम और रावण युद्ध में असत्य की पराजय हुई । मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के अग्निबाण से रावण दहन के दौरान वातावरण जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा ।खेल मैदान व मिल के समीप प्रभु के दर्शन और रावण वध देखने के लिए अपार जनसमूह का सैलाब उमड़ पड़ा ।

श्रीराम सेवा समिति बिक्रमगंज व श्री श्री दुगार्पूजा समिति गोड़ारी द्वा-रा की गई आरती के बाद प्रभु श्रीराम का रथ नगर के सभी पूजा पंडालों का भ्रमण करते हुए खेल मैदान के लिए रवाना हुआ । जहां पर एडीएम अनिल बसाक ,डीएसपी कुमार संजय , बीडीओ अमित प्रताप सिंह , बिक्रमगंज पुलिस इंस्पेक्टर शेर सिंह यादव ,थानाध्यक्ष ललन कुमार, समाजसेवी घनश्याम सिंह,श्रीराम स-वा समिति बिक्रमगंज से संजीव कुमार , संजय कुमार सहित अन्य अधिकारी ,अन्य जनप्रतिनिधि व पूजा समिति के लोग मौजद थे ।

तो वहीं दूसरी ओर गोड़ारी में कार्यक्रम स्थल पर काराकाट बीड-ीओ राहुल कुमार सिंह , ईओ सिमाब मतीन ,थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी ,एसआई अंजली कुमारी ,रोहित कुमार ,संजय कुमार यादव , उप मुख्य पार्षद रविश रंजन , पूजा समिति के अध्यक्ष समेत अन्य लोग उपस्थित थे । कार्यक्रम स्थल पर प्रभु श्रीराम,वीर लक्ष्मण व महावीर हनुमान की आरती पूजा समिति के सदस्यों व अन्य जनप्रतिनिधियों ने किया । साथ ही साथ लोगों ने एक- दूसरे को दी बधाई । तत्पश्चात प्रभु श्रीराम ने अपने बाण से अहंकारी रावण का वध कर दिया । जैसे ही रावण का वध संपन्न हुआ तो उस दौरान खेल मैदान में जय श्रीराम व वीर लक्ष्मण और पवन पुत्र हनुमान के गगनभेदी जयकारे लगने लगे । उक्त दौरान पूरा मैदान भक्तिमय हो गया । नगर के मुख्य मार्गों पर शनिवार की देर संध्या में बड़ी तादाद में भीड़ लगी रही । साथ ही अनुमंडल प्रशासन की ओर से सुरक्षा की दृष्टिकोण से अन्य पुलिस पदाधिकारी व सुरक्षाबलों के जवान लोग मौजूद थे ।

हरिगॉव फील्ड पर दुर्गा पूजा को लेकर किया गया नईहर की चुनरी नाटक का

प्रातः किरण संवाददाता

भोजपुरःजगदीशपुर प्रखंड के हरिगांव फील्ड पर स्थापित मां दुर्गा पंडाल के पास नवरात्रि के दशहरा पर्व को लेकर नईहर के चुनरी नाटक का आयोजन किया गया। जिसका विधिवत उद्घाटन रात्रि 8:30 बजे पंचायत के मुखिया विजय शंकर चौबे उर्फ टूना चौबे, पंचायत के बीडीसी प्रतिनिधि हरेन्द्र कुमार गुप्ता और हरिगांव पैक्स अध्यक्ष राणा प्रताप कुशवाहा द्वारा संयुक्त रूप से नाटक मंचन का फीता काटकर उद्घाटन किया गया। नाटक को देखने के लिए अगल-बगल के कई पंचायत से हजारों की संख्या में लोगों के भीड़ एकत्रित रही। खासकर महिलाओं को संख्या अधिक देखी गई। वहीं पंचायत के मुखिया और बीडीसी प्रतिनिधि ने बताया कि नाटक मंचन से आपसी सद्भावना बनता है। जहां सभी लोग एक साथ बैठकर नाटक मंचन का आनंद उठाते हैं।

विजयदशमी के अवसर पर हरिगॉव बाजार पर रावण के पुतला दहन एवं सामाजिक भोजपुरी नाटक जिसका नाम नईहर के चुनरी पंचायत के मुखिया विजय शंकर चौबे उर्फ टुना चौबे उपस्थित रहे अतिथि गण को कमेटी के द्वारा अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया ।

वार्ड प्रतिनिधि संतोष कुमार डॉक्टर अशोक कुमार निर्मल सिंह कुशवाहा संतोष कुमार सिंह पवन कुमार सिंह चंद्रभूषण उर्फ छोटू कुशवाहा वार्ड सदस्य शिवजी कुशवाहा दसई राम जितेंद्र कुमार सिंह हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए।

नैहर के चुनरी नाटक का हुआ मंचन

काराकाट(रोहतास) , प्रातः किरण। काराकाट प्रखंड क्षेत्र के कुरूर गांव में दुर्गा पूजा के मौके पर बाल मंडल दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में समाजिक नाटक नैहर की चुनरी का मंचन किया गया। जिसका उद्घाटन काराकाट पंचायत के मुखिया सह मुखिया संघ के जिलाध्यक्ष योगेन्द्र सिंह के द्वारा फीता काट कर किया गया। नाटक में स्थानीय कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। इस मौके पर मुखिया सह मुखिया संघ के जिलाध्यक्ष योगेन्द्र सिंह ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि एक साल के अंदर स्मार्ट लाइब्रेरी, मंच और स्टेडियम का निर्माण करा दिया जाएगा। मोक पर बीडीसी पति सत्यम साह, दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष नीतेश सिंह, सचिव प्रियांसु सिंह, मनजेश सिंह, बलवंतसिंह अमन सिंह, गुड्डू, विजय प्रकाश,मुन्ना पाण्डेय ,गुड्डू बाबा, बुटन बाबा ,दिलीप सिंह,नरेंद्र सिंह सहित कई लोग उपस्थित थे।

धूमधाम से मनाया गया दशहरा, प्रभुराम के धनुष से निकले तीर से हुआ रावणवध

प्रातः किरण संवाददाता

काराकाट (रोहतास)काराकाट प्रखंड क्षेत्र में शारदीय नवरात्रि के समापन के साथ ही दसवीं की देर शाम शनिवार को विजयदशमी का पर्व बड़े ही धूमधाम और आस्था के साथ मनाया गया। दशहरा के रूप में मनाए जाने वाले पर्व पर भगवान राम के धनुष से निकले तीर से रावण के पुतले का दहन किया गाय। प्रखंड मुख्यालय गोड़ारी मनोज प्रसाद की मिल के समीप शनिवार की देर संध्या में विजयदशमी के पर्व को बड़ी ही धूमधाम के साथ मनाया गाय । वहीं ग्रामीण क्षेत्र बेलवाई में भी विजयदशमी का पर्व बड़े ही धूमधाम और आस्था के साथ मनाते हुए रावण दहन की कार्यक्रम किया गया । जहां रावण दहन कार्यक्रम को देखने के लिए आने वाले हजारों दर्शकों के लिए इस बार 35 फीट का रावण आकर्षण का केंद्र रहा। वहीं मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के अग्निबाण से रावण दहन के दौरान वातावरण जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा । श्री श्री दुगार्पूजा समिति गोड़ारी द्वारा की गई आरती के बाद प्रभु श्रीराम का धनुष से निकले तीर से रावण के पुतले का दहन किया गाय । मौके पर बीडीओ राहुल कुमार सिंह , ईओ सिमाब मतीन, थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी, एसआई अंजली कुमारी, रोहित कुमार, संजय कुमार यादव, उपमुख्य पार्षद रविश रंजन, बीईओ कलामुदीन अंसारी, पूजा समिति के अध्यक्ष- विशाल भारती, कोषाध्यक्ष- प्रशांत कुमार, सचिव- दिलीप कुमार, उमाशंकर, ओम कुमार, कुंदन पासवान, पिंटू कुमार, पवन कुमार, गोपाल कुमार, संतोष कुमार यादव, संजय कुमार, रंजन चौरसिया, ललन सोनी, रमाशंकर, अनिल पासवान सहित कई जनप्रतिनिधि, ग्रामीण, प्रशासन व सुरक्षाबलों के जवान लोग मौजूद थे।

प्रगतिशील नवयुवक नाट्य क्लब बड़की खडाँव के द्वारा ई अभागिन नाटक का किया गया मंचन

प्रातः किरण संवाददाता

गडहनी। नगर पंचायत गडहनी के पुरानी बाजार शिवमन्दिर स्थित दुर्गा पूजा पंडाल मे विजयादशमी के अवसर पर प्रगतिशील नवयुवक नाट्य क्लब बडकी खडाँव के बैनर तले अभागिन उर्फ जिन्दगीया बैरी भइल हमार नाटक का मंचन किया गया।मंच का उद्घाटन पुजारी प्रदीप ओझा, डॉ पी एन सिंह, उपमुख्य पार्षद सह मुख्य संरक्षक सुनय कुमार परमार उर्फ बबलु सिंह, उपप्रमुख प्रतिनिधि संजीत चन्द्रवंशी, जिप प्रतिनिधि देवेन्द्र यादव, पवन कुमार, पार्षद चंदन सोनी, अक्षयवट ओझा सहित अन्य कई गणमान्य लोगो के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया।नाटक का मंचन सांस्कृतिक पदाधिकारी मुन्ना बारी एवं अशीम कुमार राय उर्फ टुनटुन बाबा के निर्देशन मे किया गया।टुनटुन बाबा ने अपने संबोधन भाषण मे कहा कि प्रगतिशील नवयुवक नाट्य क्लब के कलाकारो द्वारा अभागिन भोजपुरी नाटक का मंचन समाज के लिए प्रेरणादायक है।आज के परिवेश मे अभागिनो पर होते जुल्म व अत्याचार की जीवंत कहानी नाटक मंचन के माध्यम से उसके उद्देश्य को दशार्ता है।उन्होने नाट्य कलाकारो का हौंसला बुलंद करते हुए उन सभी कलाकारो को बधाई शुभकामना दी और कहा कि समाजिक कुरीतियों को मिटाने मे ऐसे कलाकार सदैव आगे रहे हैं।मौके पर कमिटि के सांस्कृतिक पदाधिकारी संयोजक राम विष्णु राम उर्फ वीरेन्द्र राम, सांस्कृतिक पदाधिकारी मुन्ना बारी, अशिम कुमार राय उर्फ टुनटुन बाबा, सुनील कुमार केसरी, बुधन, पीर मोहम्मद एवं राजेश सोनी अध्यक्ष राहुल कुमार सिंह, उपाध्यक्ष समर गुप्ता सहित दर्शक दीर्घा ने सभी कलाकारो का उत्साहवर्धन किया।

महानवमी एवं विजयदशमी पर आरण्य देवी के मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। शारदीय नवरात्र के नौवें दिन (शुक्रवार) एवं विजयदशमी (शनिवार) को देवी दुर्गा के पूजन करने के लिए पूजा पंडालों एवं मंदिरों में भारी भीड़ उमड़ी रही। मां आरण्य देवी मंदिर विकास ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि शहर की अधिष्ठात्री देवी मां आरण्य देवी के मंदिर में पूजन एवं दर्शन को लेकर महानवमी की अहले सुबह से ही महिला-पुरुष श्रद्धालु भक्तों का जनसैलाब उमड़ पडा। लोगों को देवी दर्शन के लिए घंटों कतार में खड़ा रहना पड़ा। मां आरण्य देवी की मूर्ति एवं मंदिर परिसर को आकर्षक ढ़ंग से फूलों द्वारा सजाया गया था। भीड का आलम यह था कि महिला-पुरुष भक्तों की लाइन आरण्य देवी, व्यापार मंडल से पडाव मोड तक पहुंच गई। यह सिलसिला देर शाम तक चली। विजयदशमी तिथि को भी हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने मां आरण्य देवी का दर्शन किया और प्रसाद चढ़ाया। मंदिर में दर्शन करने वाले एवं दीप जलाने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी। हालांकि मां आरण्य देवी मंदिर विकास ट्रस्ट एवं पुलिस-प्रशासन द्वारा श्रद्धालु भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए को दीप जलाने एवं नारियल फोड़ने की सख्त मनाही की गई थी। पुलिस-प्रशासन की टीम, आरण्य देवी मंदिर विकास ट्रस्ट के पदाधिकारी, सदस्य, सेवक एवं स्थानीय वोलिंटियर लोगों को कतारबद्ध कराकर मां आरण्य देवी के दर्शन करा रहे थे। मौके पर नगर थानाध्यक्ष देवराज राय दारोगा सुलेखा कुमारी, सुशांत कुमार, दंडाधिकारी सहित महिला-पुरुष जवान अपने कर्तव्य को निभाते रहें। महानवमी को सहायक पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार एवं विजयदशमी को जगदीशपुर एसडीपीओ राजीव चंद्र सिंह ने सपरिवार माता के मंदिर में मत्था टेका। मौके पर मां आरण्य देवी मंदिर विकास ट्रस्ट के मुख्य संरक्षक भीम सिंह भवे-श, सचिव अरविंद पांडेय, कोषाध्यक्ष श्रवण जलान, जीतू चंद्रवंशी, गजेंद्र सिंह, नवीन प्रकाश, संतोष कुमार सिंह, राजू मेहता, पुजारी रंगनाथ मिश्रा, संजय मिश्रा, मनोज पांडेय, राजीव रंजन, अशोक सिंह, सुरेश प्रसाद, डॉ. विजय गुप्ता, नरेश कुमार, विकाश कुमार पांडेय, आलोक अंजन, सोनू कुमार उर्फ रिशू, वार्ड पार्षद जीतू चौरसिया, अमित कुमार उर्फ भोलू, रविशंकर, रानू चौरसिया एवं ट्रस्ट के स्टाफ भी सक्रिय दिखे।

ट्रस्ट द्वारा वितरित किया गया प्रसाद

आरा। शारदीय नवरात्र के महानवमी एवं विजय दशमी के दिन मां आरण्य देवी मंदिर में दर्शन करने आए श्रद्धालु-भक्तोंके बीच मां आरण्य देवी मंदिर विकास ट्रस्ट के द्वारा प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान भक्तों के बीच बेसन से निर्मित बुंदिया व मुड़ी का वितरण किया गया।

दान व सहयोग देने के लिए भक्तों में मची रही होड

आरा। शारदीय नवरात्र के महानवमी एवं विजयदशमी के दिन मां आरण्य देवी के भव्य मंदिर निर्माण को लेक-र दान एवं सहयोग देने के लिए भक्तों में होड़ मची रही। मंदिर ट्रस्ट के मीडिया प्रबंधक कृष्ण कुमार ने बताया की नवरात्र में हजारों की संख्या में भक्तों ने दिल खोलकर दान दिया। दान देने के पश्चात लोगो ने कूपन व रसीद लिए। क्यूआर कोड तथा चेक के माध्यम से भी श्रद्धालु भक्तों ने माता के भव्य मंदिर निर्माण में सहयोग किया।

लोक नायक जयप्रकाश नारायण की 122 वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । आरा, कलक्ट्री तालाब स्थित लोकनायक जयप्रकाश स्मारक स्थल पर जयप्रकाश नारायण की 122 वीं जयंती के अवसर पर पुष्पांजलि एवं श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया.

1974 आन्दोलन के जे पी सेनानी और शहर के गणमान्य नागरिकों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर लोकनायक की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और पुष्पांजलि अर्पित की. तत्पश्चात पूर्व विधायक जे पी सेनानी श्री रमाकांत ठाकुर की अध्यक्षता में विचार गोष्ठी आयोजित की गयी. गोष्ठी को संबोधित करते हुए संस्थान के महासचिव सुशील कुमार ने जे पी की वैचारिक यात्रा और सम्पूर्ण क्रांति के उनके आह्वान पर विस्तार से प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि जे पी द्वारा अमेरिका में अध्ययन के दौरान लिखित जे पी लिखित थीसिस से लेकर सम्पूर्ण क्रांति के आह्वान तक की वैचारिक दिशा में एकरूपता दिखती है. सुशील कुमार ने जे पी के मार्क्सवादी, समाजवादी, भूदान आन्दोलनकारी और सम्पूर्ण क्रांतिवादी वैचारिकता में तारतम्यता का उल्लेख करते हुए बताया कि उनकी मूल विचारधारा इस वक्तव्य से स्पष्ट होती है, ह्न रोटी के लिये मैं आजादी से समझौता नहीं कर सकताह्न. जे पी महात्मा गाँधी की विरासत के सच्चे वाहक थे. महात्मा गाँधी के चम्पारण सत्याग्रह और जे पी की सम्पूर्ण क्रांति भारतीय मानस के लिये प्रकाश स्तंभ है. और अंत मे धन्यवाद ज्ञापन अशोक मानव ने किया.

संक्षिप्त खबरें

पूर्व जीप अध्यक्ष ने राजकीय विष्णु धाम को पर्यटक स्थल का दर्जा देने की मांग की

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। मोक्षदायिनी पुनपुन एवं पुण्यदायिनी बटाने के संगम तट पर अवस्थित पवित्र तीर्थ स्थल विष्णु धाम में 11-12 नवंबर को महोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किए जाने के निमित्त पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह ने पर्यटन विभाग बिहार सरकार से मांग किया है कि विष्णु धाम महोत्सव को राजकीय महोत्सव का दर्जा दिया जाए। इस संबंध में पूर्व जीप अध्यक्ष ने बताया कि इस स्थान पर कार्तिक पूर्णिमा मेला के अवसर पर लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ होती है।यह मेला पूर्णतया सरकारी होता है।यह संगम तट गया पिंडदान तर्पण के पूर्व प्रथम पिंड के रूप में शास्त्रोक्त वर्णित है जहां भगवान श्री राम भी पिंड के निमित्त यहां तर्पण करने आए थे।

पितृपक्ष के महीने में इसी संगम तट के समीप अनुग्रह नारायण रोड घाट स्टेशन पर 15 दिनों तक महत्वपूर्ण रेलगाड़ियों का ठहराव किया जाता है। अनुग्रह नारायण रोड घाट स्टेशन पर एक विशालकाय धर्मशाला का भी निर्माण किया गया था। विष्णु धाम आने-जाने के लिए सड़के क्षतिग्रस्त हैं। 2021 से लगातार यहां विष्णु धाम महोत्सव का आयोजन किया जाता रहा है इस वर्ष भी विश्व धाम महोत्सव भव्य एवं दिव्य तरीके से किया जाएगा। इन्हीं सब बातों को गौर करते हुए बिहार सरकार एवं पर्यटन विभाग से मांग करते हैं कि विष्णुधाम महोत्सव को राजकीय महोत्सव का दर्जा दिया जाए एवं विष्णु धाम को पर्यटन के मानचित्र पर शामिल किया जाए। इससे संबंधित प्रतिलिपि पर्यटन विभाग के प्रधान सचिव,मगध प्रमंडल के आयुक्त एवं जिला पदाधिकारी औरंगाबाद को भी सुपुर्द की गई है।

जिलाधिकारी एवं एसएसपी ने पांच लाइसेंसी मूर्ती को शांतिपूर्ण ढंग से पास कराया

प्रातः किरण संवाददाता

गया।नवरात्र के मौके पर पुरानी परंपरा का निर्वहन करते हुए शहर के 5 लाइसेंसी मां दुर्गा की प्रतिमा दुख हरणी मंदिर द्वार से पास कराया जाता है। इसी क्रम में गया शहर के उत्तरी क्षेत्र के 5 लाइसेंसी प्रतिमा को नवरात्र के विजयदशमी के दिन रात्रि को दुःख हरणी द्वार से पास कराया गया है। यह सिलसिला शनिवार की देर रात तक 01 बजे तक चलता आ रहा है। प्रतिमा दुखरनी द्वार से होते हुए जामा मस्जिद से गुजरती है। इसे लेकर यहां पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की बंदोबस्ती की गई थी। जिलाधिकारी, डॉ० त्यागराजन एस एम और वरीय पुलिस अधीक्षक आशीष भारती इस स्थल पर मौजूद थे। दोनों पदाधिकारियों की मौजूदगी में शांतिपूर्ण तरीके से दुःख हरणी मंदिर द्वार से प्रतिमा बारी बारी से पास कराया गया है। जिला पदाधिकारी देर रात 01:00 बजे तक इस स्थल पर मौजूद रहे हैं। मूर्ति पास कराने को लेकर बारीकी से नजर बनाए रखें ताकि सामाजिक सद्भाव और शांति बना रहे हैं। जिला पदाधिकारी की मौजूदगी रहने से उनके अधीनस्थ पदाधिकारी भी उत्साहित रहे हैं। ऐसे तो दुःख हरणी मंदिर द्वार से पास कर जामा मस्जिद के समीप पदाधिकारी मौजूद रहे , लेकिन प्रतिमा पास होने में थोड़ी सी भी विलंब होने पर खुद जिलाधिकारी

एव एसएसपी अपने स्थान से उठकर आम लोगों के बीच चले जाते। उन्हें समझाते और जल्दी-जल्दी प्रतिमा को आगे बढ़ाने का आग्रह कर रहे थे। डीएम के प्रयास को समाज के सभी लोगों ने सराहना की है।आगे बढ़ाने का आग्रह कर रहे थे। डीएम के प्रयास को समाज के सभी लोगों ने सराहना की है। अंतिम प्रतिमा दुखहरणी मंदिर द्वार से पास नहीं हुआ तब तक जिलाधिकारी एव एसएसपी वहां पर मौजूद रहे। प्रतिमा पास कराते समय डीएम अपने जगह से उठकर अपने अधीनस्थ पदाधिकारियों की हौसला अफजाई के लिए वहां पहुंच जाते। करीब 4 घंटे की कढी मेहनत के बाद जिलाधिकारी के अथक प्रयास के बाद शांतिपूर्ण तरीके से दुःख हरणी मंदिर द्वार से मां दुर्गा की 5 प्रतिमाएं पास कराई गई है। इस पूरे कार्यक्रम में नगर पुलिस अधीक्षक, नगर पुलिस उपाधीक्षक पीएन साहू, सदर अनुमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता राजस्व, ज़िला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी, वरीय उप समाहर्ता, कोतवाली थाना के साथ-साथ काफी संख्या में सुरक्षा बल के जवान और सामाजिक कार्यकर्ता एवं मुस्लिम समुदाय के गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे हैं।

जिनमे मुख्य रूप से नूरानी जी, मोती करीमी, कमांडर , अनिल स्वामी, अनंत धीश अमन, धर्मेंद्र कुमार उर्फ टिबलु सिंह, पूर्व वार्ड पार्षद संतोष सिंह, साहजी कमर, बृजनंदन पाठक, अंकुश बग्गा सहित अन्य पूजा पंडाल के पर्याप्त वोलेंटियर्स उपस्थित थे। गया शहर के उत्तरी क्षेत्र के दुख हरणी मंदिर, तुतबाड़ी, नई गोदाम, गोल पत्थर और झीलगंज में स्थापित लाइसेंसी प्रतिमा दुखरनी मंदिर द्वार से पास पास होती है।

सड़क दुर्घटना में तीन घायल एक की हालत गंभीर

प्रातः किरण संवाददाता

कुर्था(अरवल) ।दशहरा पर्व को लेकर कुर्था थाना क्षेत्र के विभिन्न जगहों में हुए सड़क दुर्घटना में तीन घायल हो गए जिसमें एक की हालत गंभीर है जानकारी के अनुसार गया जिला के मऊ थाना अंतर्गत मऊ गांव निवासी नवल सिंह के पुत्र नीतीश कुमार व मऊ गांव निवासी अभिनंदन सिंह के पुत्र रजनीश कुमार दोनों मऊ से कुर्था दशहरा देखने आ रहे थे तभी राणा नगर गांव के समीप दो बाइक के आमने-सामने के हुई टक्कर में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए आनंद फानन में ग्रामीणों ने दोनों घायल युवकों को कुर्था सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया जहां दोनों को प्राथमिक उपचार कर नीतीश कुमार की हालत की गंभीरता को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए अरवल सदर अस्पताल रेफर किया गया वही कोठा थाना क्षेत्र के ढोंढरा गांव निवासी सुनील विश्वकर्मा की पुत्री अनु कुमारी जो ढूंढरा गांव से कुर्था दशहरा का मेला देखने आया था जो सड़क दुर्घटना में घायल हो गए वहीं परिजनों ने उन्हें कुर्था सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया ।

हर्षोल्लास के साथ मनी दशहरा महापर्व, माता के दर्शन को श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब

प्रातः किरण संवाददाता

कुर्था (अरवल) । स्थानीय प्रखंड क्षेत्र में शारदीय नवरात्रि का महापर्व हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ नबमी ब दसवीं को प्रखंड क्षेत्र के कुर्था मानिकपुर मोतीपुर समेत विभिन्न बाजारों में माता के दर्शन को लेकर लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे जहां लोगों ने माता के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया हालांकि दशहरा पर्व को लेकर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पूजा पंडालो में पुलिस वलों की तैनाती देखी गई जहां पुलिस वलों की निगरानी होती रही वही नवमी व दशमी को प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव में पूजा पंडालो में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही कुर्था बीच बाजार विद्रोही चौक शकूराबाद मोड अस्पताल मोड समेत विभिन्न जगहों के पूजा पंडालो में सुबह से लेकर देर रात तक लाखों की संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन करने

को पहुंचे वहीं माता के दर्शन के उपरांत सभी लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया ।

हालांकि इस दौरान प्रखंड से लेकर जिले के आला अधिकारी व पुलिसकर्मी लगातार सड़क पर पैदल गश्ती करते देखे गए प्रखंड विकास पदाधिकारी निशा कुमारी, अंचलाधिकारी रितिका कृष्णा, कुर्था पुलिस निरीक्षक अजय कुमार सिंह, कुर्था थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार, मानिकपुर थानाध्यक्ष पीयूष जायसवाल, अपर थाना अध्यक्ष दीपक कुमार समेत विभिन्न पुलिस अधिकारी व कर्मी कुर्था मानिकपुर के विभिन्न गांव में दशहरा को लेकर कड़ी निगरानी करते देखे गए हालांकि शांति व सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न बाजारों में दशहरा महापर्व का समापन हुआ।

गया और मुंबई के मध्य एक नई ट्रेन का परिचालन

- अन्नपूर्णा देवी, केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री, भारत सरकार द्वारा गया-लोकमान्य तिलक टर्मिनल उद्घाटन स्पेशल का
- कोडरमा स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर किया गया शुभारंभ

प्रातः किरण संवाददाता

हाजीपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री, भारत सरकार अन्नपूर्णा देवी, माननीया विधायक डॉ. नीरा यादव, माननीय विधायक श्री अमित कुमार यादव द्वारा ट्रेन संख्या 02358 गया-लोकमान्य तिलक उद्घाटन स्पेशल को कोडरमा स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर, गया और लोकमान्य तिलक टर्मिनल, मुंबई के मध्य एक नई ट्रेन सेवा का आज शुभारंभ किया गया ।

नई ट्रेन का नियमित परिचालन गाड़ी सं. 22358/22357 गया-लोकमान्य तिलक-गया एक्सप्रेस द्वारा किया जायेगा । यह नई ट्रेन झारखंड और बिहार को मुंबई से संपर्क बढ़ाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इस ट्रेन के शुरू होने से झारखंड एवं बिहार के विभिन्न धार्मिक और पर्यटन स्थलों तक पहुंचना आसान हो जाएगा। त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों के लिए यह कदम एक अतिरिक्त लाभ होगा। यह सेवा मार्ग पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने में भी मदद करेगी, जिससे स्थानीय व्यवसायों, पर्यटन और आस-पास के क्षेत्रों में व्यापार को लाभ होगा। गया से यह ट्रेन सप्ताह के प्रत्येक बुधवार को तथा लोकमान्य तिलक टर्मिनल से सप्ताह के प्रत्येक शुक्रवार को परिचालित किया जाएगा । इस ट्रेन में प्रथम वातानुकूलित श्रेणी का 01 कोच, द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी के 02 कोच, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 03 कोच, तृतीय वातानुकूलित इकॉनोमी श्रेणी के 03 कोच, शयनयान श्रेणी के 06 कोच तथा साधारण श्रेणी के 04 कोच होंगे ।

गाड़ी सं. 22358 गया-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस गया से प्रत्येक बुधवार को 19.00 बजे खुलकर शुक्रवार को 05.50 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनल पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी सं. 22357 लोकमान्य तिलक टर्मिनल-गया एक्सप्रेस लोकमान्य तिलक टर्मिनल से प्रत्येक शुक्रवार को 13.15 बजे खुलकर शनिवार को 22.50 बजे गया पहुंचेगी ।

अप एवं डाउन दिशा में यह ट्रेन गया और लोकमान्य तिलक टर्मिनल के मध्य कोडरमा, हजारीबाग टाउन, बरकाकाना, मेसरा, रांची, हटिया, राउरकेला, झारसुगडा, रायगढ़, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया, नागपुर, वर्द्धा, बडनेरा, अकोला, भुसावल, जलगांव, नासिक रोड एवं कल्याण स्टेशनों पर रूकेगी ।

एक्सिस बैंक ने की कला, शिल्प और साहित्य पर राष्ट्रव्यापी प्रतियोगिता स्प्लैश की शुरूआत

प्रातः किरण संवाददात

पटना। 7 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के बीच सद्भावना को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के लिए कला, शिल्प और साहित्य पर एक वार्षिक राष्ट्रव्यापी प्रतियोगिता स्प्लैश की शुरूआत की घोषणा की है। इस वर्ष स्प्लैश की थीम ग्रेटिट्युड होगी और इसी थीम पर ध्यान केंद्रित करते हुए विविध स्पधाओं का आयोजन किया जाएगा। इन अर्थों में यह आयोजन युवा प्रतिभागियों को उनकी रचनात्मकता के माध्यम से प्रशंसा और आभार के महत्व को दशार्ने और व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। प्रतिभागी 30 नवंबर तक ऑनलाईन पंजीकरण कराते हुए अपनी प्रविष्टियां जमा कर सकते हैं। बैंक चुनिंदा बैंक शाखाओं, स्कूलों, मॉल और आवासीय कल्याण संघों में ऑन-ग्राउंड प्रतियोगिताएं भी आयोजित करेगा। इस पहल के माध्यम से बैंक का लक्ष्य शारीरिक और डिजिटल दोनों तरह से प्रतियोगिता की मेजबानी करके पूरे भारत में 7 लाख से अधिक प्रतिभागियों से जुड़ना है।

बैंक के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर अनूप मनोहर ने कहा कि स्प्लैश के माध्यम से हमारा उद्देश्य उन्हें अपनी आंतरिक रचनात्मकता को चैनलाइज करने और शिल्प, ड्राइंग और साहित्य के माध्यम से खुद को अभिव्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

प्रतियोगिता को दो आयु वर्गों में विभाजित किया गया है- 7-10 वर्ष और 11-14 वर्ष। प्रत्येक श्रेणी के शीर्ष 3 फाइनलिस्ट को 2 लाख रुपये के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा और उपविजेता को 1 लाख रुपये से अधिक का पुरस्कार मिलेगा।

विजयादशमी माँ दुर्गा की शक्ति, साहस और नारी सशक्तिकरण का प्रतीक है: डॉ मनीष

प्रातः किरण संवाददात

गया।दुर्गा पूजा के सुबह अवसर पर सुकन्या वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा आयोजित दो दिवसीय डांडिया नाईट कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ मनीष पंकज मिश्रा एवं राणा रंजीत सिंह एवं बिल्डर, माँ तारा होम्स प्राइवेट लिमिटेड के निर्देशक सूरज सिंह एवं डांडिया कोरियग्राफर अमित राय जी ने उपस्थित होकर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का आरम्भ किया गया एवं मंच संचालन जर्नलिस्ट चन्दन भारती के द्वारा किया गया। इस अवसर पर लोगों को सबधित करते हुए, डॉ मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि ह्लआज के इस पावन अवसर पर आप सभी के बीच उपस्थित होकर मुझे अत्यंत खुशी हो रही है। नवरात्रि का यह पर्व हमारे देश की सबसे महत्वपूर्ण और श्रद्धा से भरी परंपराओं में से एक है। यह पर्व माँ दुर्गा की शक्ति, साहस और नारी सशक्तिकरण का प्रतीक है। नौ दिनों तक मां दुर्गा के नौ रूपों की आराधना हमें यह सिखाती है कि जीवन में हर कठिनाई से लड़ने की शक्ति हमारे भीतर ही है।डांडिया और गरबा न केवल नृत्य हैं, बल्कि हमारी संस्कृति और परंपराओं का जीवंत रूप हैं। ये नृत्य माँ दुर्गा की आराधना के प्रतीक हैं और हमारे जीवन में एकता, प्रेम, और उल्लास का संदेश देते हैं। डांडिया के माध्यम से हम एकजुटता और तालमेल का अभ्यास करते हैं, जो समाज में शांति और सद्भावना बनाए रखने का एक प्रतीक है।नवरात्रि के इन दिनों में डांडिया का आयोजन समाज को एकजुट करने का एक महत्वपूर्ण साधन है। यह हमें हमारी सांस्कृतिक धरोहर की याद दिलाता है और हमें हमारे जीवन में सामूहिकता, सहयोग, और सौहार्द का महत्व समझाता है। सुकन्या वेलफेयर सोसाइटी का इस प्रकार का आयोजन समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए काम कर रहा है।मैं राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन की ओर से, आप सभी को नवरात्रि और डांडिया के इस पावन अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ। इस पर्व को हम सभी मिलकर मनाएं और इसे अपनी एकता और शक्ति का प्रतीक बनाएं।

ऐतिहासिक गांधी मैदान में रावण वध कार्यक्रम डीएम व एसएसपी के सामने मनाया गया ,दशहरा कमेटी ने प्रशासन को धन्यवाद दिया

प्रातः किरण संवाददाता

गया।पुरे बिहार में विजयादशमी का त्योहार दशहरा धूमधाम से मनाया जा रहा है।बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है।इस दिन बुराई के प्रतीक रावण का पुतला देश भर में जलाया जाता है. बिहार के गया जिले ऐतिहासिक गांधी मैदान में रावण दहन किया गया है ।श्री आदर्श राम लीला लीला कमेटी के कलाकारों ने शनिवार को तीर चलाकर रावण का वध किया है।रावण के साथ ही कुंभकरण और मेघनाद के पुतले भी एक एक कर जलाए गए हैं।इस दौरान करबी 20 हजार से अधिक श्रद्धालु मौजूद थे.

मंच पर नगर विधायक सह वन मंत्री प्रेम कुमार, मगध कमिश्नर प्रेम मीणा, डीएम डॉ त्यागराजन, वरीय पुलिस अधीक्षक आशीष भारती अपने परिवार के साथ पहुंचे थे।सबसे पहले मेघनाथ, फिर कुम्भकर्ण और उसके बाद रावण का वध किया गया. पुतले के सामने जमकर आतिशबाजी की गई है।रावण वध देखने आए श्रद्धालुओं ने जमकर श्रीराम का जयघोष किया है।बच्चे रावण वध देखकर काफी उत्साहित थे. बड़ी संख्या में महिलाएं भी रावण वध देखने पहुंची थीं। रावण वध से पहले शोभा यात्रा निकाली गयी है ।रावण वध की शोभायात्रा स्टेशन रोड से होते हुए गांधी मैदान पहुंची हूं।शोभा यात्रा गांधी मैदान पहुंचने के बाद रावण वध कार्यक्रम शुरू हुआ है।इससे पहले राम की सेना और रावण की सेना के बीच युद्ध भी हुआ है।जिसमें रावण की सेना की हार हुई है ।इसके बाद उनके पुतले का दहन किया गया है ।शांतिपूर्ण तरीके से कार्यक्रम संपन्न हुआ है।दशहरा कमेटी और आदर्श लीला समिति की ओर से जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया गया है

पूर्व जिला महामंत्री धीरेन्द्र सिंह का निधन , पूर्व सांसद ने कहा अपूर्णीय क्षति

कुर्था(अरवल) , प्रातः किरण। औरंगाबाद। भाजपा के पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह मदनपुर थाना क्षेत्र के सढैल गाँव निवासी भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री धीरेन्द्र सिंह के सड़क दुर्घटना में मौत की सूचना पाकर सदर अस्पताल पहुँचे एवं परिजनों से मुलाकात किया।इस मौके पर पूर्व सांसद ने गहरा शोक संवेदना ब्यक्त की एवं कहा कि ईश्वर परिवार को इस दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। धीरेन्द्र सिंह भाजपा के समर्पित कार्यकर्ता थे पार्टी को मजबूत करने में इनका अहम योगदान था इनका निधन औरंगाबाद भारतीय जनता पार्टी के साथ साथ मेरे लिए ब्यक्तिगत क्षति है जिसका भरपाई नही हो सकता है। इस दुःख की घड़ी में मैं परिवार के साथ हुँ।यह घटना बहुत ही दुखदायी है।इस घटना से मैं बहुत दुःखी हुँ।मैं नम आँखों से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हुँ।भाजपा वरीय नेता सुनील सिंह,भाजपा जिलाध्यक्ष मुकेश शर्मा,देव पूर्व उप प्रमुख मनीष पाठक,युवा भाजपा नेता प्रवीर सिंह,भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष शुभेंदु शेखर सिंह,लोकसभा संयोजक अनिल शर्मा,पूर्व सांसद प्रतिनिधि अश्विनी सिंह,जिला महामंत्री मुकेश सिंह,जिला परिषद सदस्य रामेश्वर बैठा,जिला कोषाध्यक्ष आलोक सिंह,जिला मीडिया प्रभारी मितेन्द्र सिंह,नलिनी रंजन,प्रफुल्ल सिंह,बिनोद सिंह,राजेश सिंह,नरेश सिंह उर्फ मुखिया,पिन्टू सिंह,बिजेन्द्र चन्द्रवंशी आदि थे।

दुर्गा पूजा कमेटी ने किया भंडारे का आयोजन

हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण

प्रातः किरण संवाददाता

कुर्था (अरवल) प्रखंड क्षेत्र के कुर्था बीच बाजार स्थित श्री बड़ी देवी जी आदर्श दुर्गा पूजा कमेटी के द्वारा कुर्था बीच बाजार में दुर्गा पूजा के समापन के उपरांत भव्य भंडारे का आयोजन किया गया जहां पूजा कमेटी के आयोजको द्वारा पंडाल में कई जगह प्रसाद के स्टाल लगाए हुए थे जहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया हालांकि प्रत्येक वर्ष दुर्गा पूजा के मौके पर कुर्था बीच बाजार में भंडारे का आयोजन किया जाता है । इस मौके पर पूजा कमेटी के आयोजको ने बताया कि प्रत्येक वर्ष दुर्गा पूजा समापन के उपरांत कमेटी के द्वारा भंडारे का आयोजन किया जाता है जहां शुद्ध घी से बनाए गए मिष्ठान भंडारे में चलाए जाते हैं जहां प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव के सैकड़ो श्रद्धालु माता के दरबार में पहुंचते हैं जिन्हें भंडारे के माध्यम से प्रसाद ग्रहण कराया जाता है ।

हालांकि भंडारे के दौरान मंडप में हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे जहां सबों ने श्रद्धा पूर्वक भंडारे का प्रसाद का आनंद लिया भंडारे को लेकर मंदिर कमेटी द्वारा बाजार के दोनों तरफ वेरी कटिंग कर दिया गया था जिसमें छोटे-बड़े सभी वाहनों का आवागमन वर्जित कर दी गई थी और लोग सड़क के किनारे कई स्टाल लगाकर भंडारे का प्रसाद वितरण कर रहे थे जहां लोग स्टॉल पर पहुंचकर भंडारे का प्रसाद ग्रहण करते देखे गए हालांकि इस दौरान बाजार के कई समाजसेवी व बुद्धिजीवी वर्ग के लोगों ने भंडारे के कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

आरएसएस ने शताब्दी दिवस पर किया शस्त्र पूजा

प्रातः किरण संवाददाता

गडहनी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गडहनी खंड के स्वयंसेवको द्वारा शताब्दी दिवस पर विजया दशमी उत्सव एवं शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ सह जिला कारवाह विजय केशरी एवं खंड कारवाह बबलु कुमार राय के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।इस अवसर पर डॉ हेडगवार एवं भारत माता के छायाचित्र पर पुष्प माल्यार्पण कर विधि विधान से शस्त्र पूजन किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कारवाह ने बताया कि 1925 ईस्वी मे विजया दशमी के दिन डॉ हेडगवार ने मोहितेबाडा नागपुर मे संघ का स्थापना किये थे और हिन्दुओ को एक सूत्र मे पिरोने का संकल्प लिये थे।आज संघ शताब्दी दिवस मे प्रवेश कर गया है।उन्होने कहा कि आज देश मे आरएसएस विश्व की सबसे बडी धार्मिक संगठन के रूप मे कार्य कर रही है।कार्यक्रम को अग्रसारित करते हुए संघ के नियमानुसार विधि विधान के साथ विजया दशमी उत्सव मनाया गया साथ ही शस्त्र पूजन किया गया।इस मौके पर मोहित ओझा, आशीष भट्ट, मुन्ना शर्मा, सुरज राय सहित अन्य कई उपस्थित रहे।

झिकटिया में रावण,मेघनाथ और कुंभकरण का पुतला दहन

प्रातः किरण संवाददाता

करपी ,अरवल। प्रखंड क्षेत्र के झिकटिया खेल मैदान में विजयादशमी के मौके पर रावण मेघनाथ और कुंभकरण का पुतला दहन किया गया बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतिक रावण दहन को देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे झिकटिया गांव में समाजसेवी डॉक्टर ज्योति प्रसाद उर्फ शत्रुघन पंडित के नेतृत्व में लंका दहन सह रामलीला का मंचन किया गया। रामलीला में कलाकारों द्वारा सुंदर अभिनय प्रस्तुत करते हुए रावण के द्वारा सीता हरण कुंभकरण मेघनाथ लक्ष्मण युद्ध समेत रामायण के विभिन्न घटनाओं की संजीव प्रस्तुतीकरण किया गया ।

भारतीय महिला विकास केंद्र के द्वारा डांडिया का हुआ आयोजन जमकर थिरके लोग, महिला एवं बच्चों में दिखा गजब का उत्साह

- मंत्री डॉक्टर प्रेम कुमार ने किया कार्यक्रम का उदघाटन

प्रातः किरण संवाददाता

गया।भारतीय महिला विकास केंद्र और सैम प्रिंटिंग के संयुक्त तत्वाधान में सिजुआर भवन चाँद चौरा गया में डांडिया रास कार्यक्रम का शुभारम्भ मंत्री डाक्टर प्रेम कुमार तथा हेड कमांडेंट सस्त्र सीमा बल उन्तीसवी बटालियन, हरी कृष्णा गुप्ता, स्वयंसेवी संस्था कौसिल ऑफ मगध वूमेन एम्पावरमेंट कुजापी संस्था के संरक्षक प्रवीन रंजन गांधी सचिव सुश्री तमकनत एवम को- ऑपरेटिव स्कूल के निर्देशक हर्षवर्धन सिंह द्वारा दिप प्रवज्वलित कर एवं फीता काटकर शुभारंभ किया गया. मुख्य अतिथियों ने इस अवसर पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा की ये हमारी संस्कृति की पहचान है. सभी को संस्था के अध्यक्ष रचना गुप्ता तथा सचिव अंशु सिन्हा के द्वारा स्मृति चिन्ह तथा पौधा एवं छोटा सा एक उपहार देकर सम्मानित किया गया. एक छोटी सी प्रयास डांडिया कार्यक्रम में चार चांद लगाकर बच्चे, बच्चियों एवं महिलाओं का दिल जीतने वाले मंच संचालक एंकर सचिन कुशवाहा को भी उनके बेहतरीन एंकरिंग के लिए सम्मानित किया गया. पूरे डांडिया कार्यकम के चीफ मेंटर अमित कुमार सिंह एवम सहयोगी सैम प्रिंटिंग के समीर राज को मुख्य अतिथि के द्वारा सफल संचालन के लिए बहुत बहुत बधाई दी गई।

साथ ही इस बेहतरीन कार्यक्रम को लोगों के बीच में रखने वाले हमारे मीडिया पार्टनर समाचार तक एवं मैथिली प्रसंग रंजीत मिश्रा, परफेक्ट समाचार प्रवीण कुमार, गया समाचार रजा सिद्धिकी, पब्लिक रिव्यू रोशन कुमार, सच्ची घटना राजेश मिश्रा, अक्षिता न्यूज राजेश कुमार, को भी एक सुंदर सा उपहार देकर सम्मानित किया गया साथ ही सहयोगी संस्था शिक्षा निकेतन, माई एडमिशन लीड, बी एस मूवीज- मुंबई, मदर्स ड्रीम प्ले स्कूल, वंदना ज्वेलर्स-माडनपुर,आर के स्पोर्ट्स, मोमो जंक्शन, सार इवेंट, मैत्री मंच, बाबा डीजे, हमारी सुरक्षा के लिए तत्पर्च रहे एवर्स बॉउंशर तथा अवि फ़्लीम्स को उनके बेहतरीन छायांकन और सहयोग हेतु उपहार देकर सम्मानित किया गया.

इसके साथ ही नृत्य वर्कशाप की सहयोगी अर्चना गुप्ता, सौम्या गुप्ता और दिव्या उपाध्याय को सम्मानित करने के साथ ही कार्यक्रम में बेस्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चे एवं बच्चियों को भी एक छोटा सा उपहार देकर सम्मानित किया गया।

भारतीय महिला विकास केंद्र के द्वारा डांडिया का हुआ आयोजन जमकर थिरके लोग, महिला एवं बच्चों में दिखा गजब का उत्साह

- मंत्री डॉक्टर प्रेम कुमार ने किया कार्यक्रम का उदघाटन

प्रातः किरण संवाददाता

गया।भारतीय महिला विकास केंद्र और सैम प्रिंटिंग के संयुक्त तत्वाधान में सिजुआर भवन चाँद चौरा गया में डांडिया रास कार्यक्रम का शुभारम्भ मंत्री डाक्टर प्रेम कुमार तथा हेड कमांडेंट सस्त्र सीमा बल उन्तीसवी बटालियन, हरी कृष्णा गुप्ता, स्वयंसेवी संस्था कौसिल ऑफ मगध वूमेन एम्पावरमेंट कुजापी संस्था के संरक्षक प्रवीन रंजन गांधी सचिव सुश्री तमकनत एवम को- ऑपरेटिव स्कूल के निर्देशक हर्षवर्धन सिंह द्वारा दिप प्रवज्वलित कर एवं फीता काटकर शुभारंभ किया गया. मुख्य अतिथियों ने इस अवसर पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा की ये हमारी संस्कृति की पहचान है. सभी को संस्था के अध्यक्ष रचना गुप्ता तथा सचिव अंशु सिन्हा के द्वारा स्मृति चिन्ह तथा पौधा एवं छोटा सा एक उपहार देकर सम्मानित किया गया. एक छोटी सी प्रयास डांडिया कार्यक्रम में चार चांद लगाकर बच्चे, बच्चियों एवं महिलाओं का दिल जीतने वाले मंच संचालक एंकर सचिन कुशवाहा को भी उनके बेहतरीन एंकरिंग के लिए सम्मानित किया गया. पूरे डांडिया कार्यकम के चीफ मेंटर अमित कुमार सिंह एवम सहयोगी सैम प्रिंटिंग के समीर राज को मुख्य अतिथि के द्वारा सफल संचालन के लिए बहुत बहुत बधाई दी गई।

साथ ही इस बेहतरीन कार्यक्रम को लोगों के बीच में रखने वाले हमारे मीडिया पार्टनर समाचार तक एवं मैथिली प्रसंग रंजीत मिश्रा, परफेक्ट समाचार प्रवीण कुमार, गया समाचार रजा सिद्धिकी, पब्लिक रिव्यू रोशन कुमार, सच्ची घटना राजेश मिश्रा, अक्षिता न्यूज राजेश कुमार, को भी एक सुंदर सा उपहार देकर सम्मानित किया गया साथ ही सहयोगी संस्था शिक्षा निकेतन, माई एडमिशन लीड, बी एस मूवीज- मुंबई, मदर्स ड्रीम प्ले स्कूल, वंदना ज्वेलर्स-माडनपुर,आर के स्पोर्ट्स, मोमो जंक्शन, सार इवेंट, मैत्री मंच, बाबा डीजे, हमारी सुरक्षा के लिए तत्पर्च रहे एवर्स बॉउंशर तथा अवि फ़्लीम्स को उनके बेहतरीन छायांकन और सहयोग हेतु उपहार देकर सम्मानित किया गया.

इसके साथ ही नृत्य वर्कशाप की सहयोगी अर्चना गुप्ता, सौम्या गुप्ता और दिव्या उपाध्याय को सम्मानित करने के साथ ही कार्यक्रम में बेस्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चे एवं बच्चियों को भी एक छोटा सा उपहार देकर सम्मानित किया गया।

राशन का खराब चावल लेने से उपभोक्ताओं ने किया इनकार, पार्षद ने जताई आपत्ति

प्रातः किरण संवाददाता

अरवल । राशन कार्ड से उपभोक्ताओं को मिलने वाले राशन वितरण के दौरान जन वितरण प्रणाली के विक्रेता द्वारा खराब चावल दिया जा रहा है. जिसे लेने से उपभोक्ताओं ने इनकार कर दिया. उपभोक्ताओं का कहना है कि जब चावल का उपयोग हम लोग नहीं करेंगे इसे लेने से क्या फायदा.

इस समस्या को लेकर वार्ड नंबर 16 के आम जनता ने अपने वार्ड पार्षद के पास जाकर समस्या को रखें जिस पर पार्षद नुरैन जौहर के द्वारा जन वितरण प्रणाली के विक्रेता से संपर्क किया गया तो जन वितरण प्रणाली के विक्रेता द्वारा कहा गया कि गोदाम से इसी तरह का चावल का उठा हुआ है तो हम लोग दूसरी चावल कहां से देंगे. जिस पर वार्ड पार्षद ने आपत्ति जताई है और आपूर्ति पदाधिकारी से मांग किया है कि खराब चावल को रिटर्न कराकर राशन कार्ड के उपभोक्ताओं को अच्छी क्वालिटी की चावल निर्गत की जाए.

शेरघाटी में धूमधाम से मनाया गया दशहरा

रंगलाल हाई स्कूल के मैदान में जलाया गया रावण,मेघनाद और कुम्भकर्ण का पुतला

प्रातः किरण संवाददाता

शेरघाटी।असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय पर विजयदशमी यानी दशहरा को धूमधाम से मनाया गया। शेरघाटी के अलावा जिले के अलग-अलग इलाकों में रावण,मेघनाद और कुंभकरण के पुतलो का दहन किया गया, वहीं शेरघाटी में लगभग 80 फीट का रावण का पुतला जलाया गया शहर के ऐतिहासिक रंगलाल हाई स्कूल के मैदान में स्थानीय विधायिका श्रीमती मंजू अग्रवाल,पूर्व मंत्री विनोद प्रसाद यादव,शेरघाटी नगर परिषद प्रतिनिधि पवन किशोर सिंह एसडीओ सारा अशरफ एएसपी शैलेंद्र सिंह आदि ने कार्यक्रम के शुरूआत कबूतर उड़ाकर किया।

इससे पहले की राम लक्ष्मण हनुमान रावण कुंभकरण आदि के झांकियां शहर में निकाली गया।

इसके बाद यह कार्यक्रम की शुरूआत किया गया।वही इस अवसर पर रंग विरंग पटाखे भी छोड़े गए,तदोपरांत संयुक्त रूप से रावण,मेघा एवं कुंभकरण के पुतले को दहन किया, विधि व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए पुलिस प्रशासन के पदाधिकारी को चप्पे-चप्पे पर लगा दिया गया था।

और सभी जगह पर निगरानी रखी जा रही थी वहीं सीसीटीवी कैमरा के अलावा ड्रोन के माध्यम से भी लोगों पर निगरानी रखी जा रही थी।

ताकि किसी प्रकार की कोई समस्या ना हो सके,इस मौके पर शेरघाटी नगर परिषद के ओर से शहर के रिंग रोड के चारों ओर एवं मुख्य मार्ग पर दूधिया रोशनी की व्यवस्था की गई थी।

और शहर के चारों ओर लाइट लगाया गया था। मालूम हो कि इस अवसर पर शहर के अलग-अलग इलाकों में मां दुर्गा प्रतिमा को बैठाने को लेकर बड़े बड़े व भव्य पंडाल का निर्माण किया गया था। जो देखने में काफी आकर्षित व सुंदर लग रहा था। वही यह सुंदरता को देखने के लिए लोग लाखों की संख्या में उमड़ रहे थे।

मां दुर्गा के प्रतिमा दर्शन करने पहुँचे।

रावण वध कमेटी की ओर से वेहतर व्यवस्था किया गया था।

उक्त कार्यक्रम के दौरान जयंत सिंह प्रमोद वर्मा दीनानाथ पांडे राम लखन पासवान अजीत सिंह पशुपतिनाथ पाठक समेत कई लोग उपस्थित रहे।

नवरात्र की बेस्ट थीम के लिए प्रातः किरण ने किया सम्मानित

प्रातः किरण संवाददात

आरा। (भोजपुर) शहर के बिंद टोली अंर्तगत सिद्धेश्वरी नाथ कला मंदिर के द्वारा आयोजित थीम एंड स्टोरी के माध्यम से समाज और आज के पीढ़ी को संदेश देकर जागरूक किया गया। की कलयुग की सुरावती दौर ऐसा है तो आने वाले समय कलयुग कितना प्रचंड होगा। तब लोगों के अंदर संवेदना खत्म हो जाएगी। ऐसे में कली और उनसे जुड़े पात्र का अवतार कितना महत्वपूर्ण होगा वह इस थीम स्टोरी के माध्यम से बेहतरीन तरीके से बुना गया है और वाइस ओवर अगल अलग पात्र को जीवन्त कर रहा था। एक अलग और बेहतर स्टोरी के लिए लेखक अमरेंद्र नाथ राय और संस्था के अध्यक्ष प्रभात कुमार को प्रातः किरण की टीम द्वारा सम्मानित किया गया। संस्था के पंडाल के पास सैकड़ो कार्यकताओं के बीच उन्हें अवार्ड देखकर सम्मानित किया भोजपुर ब्यूरो चीफ अमित राज और अभय आर्या यूनिट हेड बिहार झारखंड ने कहा कि इस संस्था की स्टोरी में एक समाज की लिए संदेश है जो की हर आने वाले पीढ़ी को समझने की जरूरत है साथ ही इस कलयुग में लोगों को गलत करने से रोकर धर्म की तरफ मोड़ना ही कुछ हद तक किसी भी प्रकोप से बचा जा सकता है। साथ में नागेंद्र प्रसाद उर्फ पिंटू भी शामिल थे ।

चंवर से अधेड़ व्यक्ति का शव बरामद, सनसनी

- पुलिस ने शव को सुबह में बरामद किया और आगे की जांच में जुट गई

प्रातः किरण संवाददाता

मढ़ौरा नगर। मढ़ौरा थाना क्षेत्र के हसनपुरा पश्चिम चंवर के धान की खेत से एक 50 वर्षीय अधेड़ व्यक्ति के शव को पुलिस ने बरामद किया। मृतक का पहचान अमनौर थाना क्षेत्र के मणी सिरिसियां गांव निवासी विजेन्द्र सिंह के रूप में की गई। पुलिस ने शव को रविवार की सुबह में बरामद किया है। मिली जानकारी के अनुसार विजेन्द्र सिंह क्षेत्र के चर्चित व्यक्ति थे और प्राय हसनपुरा क्षेत्र में आया जाया किया करते थे। रविवार की सुबह शौच के लिए निकले लोगों ने हसनपुरा गांव के पश्चिमी चंवर के घान के खेत में शव को देखा। जल्दी ही यह बात चारों तरफ फैल गई । लोगों ने मृत व्यक्ति की पहचान पड़ोसी गांव मणी सिरिसियां निवासी विजेन्द्र सिंह के रूप में की।

घटना की सूचना पुलिस को मिलने पर मढ़ौरा पुलिस ने पहुंच कर शव को कब्जे में ले लिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए छपरा भेज दिया है। आस पास के लोगों ने बताया कि मृतक के शरीर पर चोट के निशान थे और उसे घसीट कर धान के खेत तक लाया गया था। इससे एक आशंका है कि कही दुसरे जगह पर हत्या कर शव को छुपाने के लिए धान के खेत में फेका गया है। मृतक शनिवार से गायब था और परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। मामले में मृतक के परिजन के द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आलोक में पुलिस ने अपनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

नवरात्रि की अंतिम दिन हवन शांति एवं कन्या भोज के साथ संपन्न, प्रतिमाओं की विसर्जन आज

प्रातः किरण संवाददाता

काराकाट(रोहतास) : शक्ति की भक्ति के महोत्सव नवरात्रि का समापन शुक्रवार को हो गया। श्रद्धालुओं ने नवरात्रि के अंतिम दिन हवन, कन्या भोज, महाआरती सहित कई जगह धार्मिक आयोजन किया । अष्टमी-नवमी दोनों तिथियों के एक ही दिन होने से कुलदेवी की पूजन के साथ कई श्रद्धालुओं ने माता को इसी दिन घट-विसर्जन के रूप में विदाई भी दी। प्रखंड के लगभग पूजा पंडालों व मंदिरों में रखी मां की प्रतिमाओं का विसर्जन पूर्ण भक्तिभाव से जुलूस के साथ आज किया जाएगा । नवरात्रि में 8 दिन तक उपवास कर नवमी के दिन श्रद्धालु व माता के भक्तों ने भंडारे आयोजित किया। जगह-जगह प्रसादी वितरण का आयोजन किया गया। प्रखंड की सभी पूजा स्थानों व पंडालों में नवरात्रि को लेकर धार्मिक कार्यक्रम की धूम मच रही है। शारदीय नवरात्र मां दुर्गा की प्रथम दिवस से ही मैया के मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ रहीं। नवरात्रि के 9 दिवस तक मातारानी के भक्त पूर्ण श्रद्धाभाव के साथ पूजा में लीन रहे। वहीं श्रद्धालुओं ने धार्मिक मान्यता प्राप्त मंदिरों पर जाकर अपनी मनोकामनाऐं पूर्ण करने की गुहार लगाईं। शुक्रवार को नवमी तक मां दुर्गा के जयकारों से सारा शहर गुंजायमान हो गया। नवमी को अंतिम दिवस मैया के भक्तों ने हवन पूजन कर श्रद्धापूर्वक विदाई दिया । वहीं भक्तों द्वारा कन्या भोज भी कराया गया। गोडारी के दुर्गा स्थान, कुरूर गांव स्थित दुर्गा मंदिर, करूप बाजार, मोथा, सातों परासी, काराकाट सहित कई पूजा पंडालों व मंदिरों पर 9 दिनों तक मां की भक्तों ने श्रद्धापूर्वक व धूम धाम से पूजा अर्चना करते हुए शारदीय नवरात्रि उत्सव का समापन शुक्रवार को हवन शांति एवं कन्या भोज के साथ संपन्न किया । अष्टमी व नवमी दोनों तिथियों के एक होने से कुलदेवी के पूजन के साथ लोगों ने माताजी की विदाई तो दी लेकिन प्रतिमा विसर्जन सोमवार यानी आज किया जाएगा । गोडारी पूजा पंडाल देखने व पूजा अर्चना करने भोजपुरी के पवार स्टार व अभिनेता पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह पहुंची जहां उन्हें देखने के लिए भरी भीड़ जुट गई।

शारदेय नवरात्रि की नवमी तिथि में घर-घर कुलदेवी का पूजन किया गया। मां गोरी के आठवें रूप महागौरी की उपासना की। महिलाओं ने अपने अखंड सुहाग की कामना से माता महागौरी को लाल चुनरी अर्पित की। ज्वारे के विसर्जन के साथ माता रानी की विदाई दी गई। कई जगहों पर शस्त्र पूजन का कार्यक्रम भी हुआ।

प्रखंड क्षेत्र में नवरात्र के समापन की अवसर पर काराकाट बाजार, करूप बाजार, जयश्री, बाराडीह, धवनी, बाद गांव, मांगरा, चिल्ला, गडूरा टोला सहित सोलह पूजा पंडालों व मंदिरों में आयोजित दुर्गाउत्सव नौ दिन तक माता की आराधना कर शुक्रवार को नवमी की हवन पूजन, कन्याभोज व महाआरती के बाद शनिवार को मां की प्रतिमाओं की विसर्जन किया गया। पूजा की पहले दिन से ही अनुमंडल पदाधिकारी अनिल बसाक व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार संजय के नेतृत्व में दंडाधिकारी सिमाल मतिम, बीडीओ राहुल कुमार सिंह, सीओ रितेश कुमार, बीपीआरओ रेणुका कुमारी, थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी के साथ एसआई रोहित कुमार, संजय कुमार ठाकुर, संजय यादव, अंजली कुमारी, निशांत कुमार, रविन्द्र कुमार यादव, रमन कुमार, सहित अन्य पुलिस प्रशासन की टीम ने पूजा पंडालों में विधि व्यवस्था व सुरक्षा की जायजा लेते नजर आए ।

करंट से अधेड़ झुलसा , इलाज के दौरान हुई मौत

करगहर(रोहतास)बडहरी थाना क्षेत्र के हरिनामपुर महादलित टोला में स्थित बिजली में टोंका फंसाने के दौरान एक अधेड़ व्यक्ति बुरी तरह झुलस गया।जिसे गंभीर स्थिति में शुक्रवार की देर रात सदर अस्पताल सासाराम में भर्ती किया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने पीएमसीएच रेफर कर दिया।जहां शनिवार की देर रात उसने दमतोड़ दिया ।घटना के संबंध में बताया जाता है कि हरिनामपुर निवासी 40 वर्षीय दिनेश मुसहर मछली पकड़ने के लिए तालाब से पानी निकासी के लिए विद्युत पंपसेट लगाया था । समीप के ट्रांसफार्मर से कनेक्शन देने के लिए वह टोंका फंसा रहा था । इस दौरान वह करंट की चपेट में आ गया । जिससे वह झुलसकर नीचे गिर गया । गंभीर स्थिति में उसे भर्ती किया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई । पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया ।

मशरक में गोंड आदिवासियों की प्रकृति पूजा का आयोजन

मशरक। मशरक के बहरौली पंचायत भवन परिसर में गोंड आदिवासियों द्वारा धूम धाम से जय सेवा, जय बड़ा देव, सेवा जोहार प्रकृति पूजा रविवार को समारोह पूर्वक आयोजित किया गया है। मुख्य अतिथि के रूप में बिहार सरकार के पूर्व मंत्री सुरेंद्र राम और डॉ.सुजाता सुम्ब्रुई सदस्य बिहार राज्य महिला आयोग सह सचिव बिहार राज्य गोंड आदिवासी महासभा बिहार प्रदेश, बनियापुर विधायक पुत्र उच्च न्यायालय पटना के अधिवक्ता रितुराज सिंह ,प्रखंड प्रमुख रवि प्रकाश सिंह मंटू ने पहुंच समारोह को सम्बोधित किया। कार्यक्रम में स्कूली छात्राओं ने आदिवासी नृत्य और संगीत के माध्यम से प्रस्तुति दी।

सड़क दुर्घटना में मशरक के शख्स की मौत

मशरक । मशरक सिवान एनएच 227 ए पर भगवानपुर थाना अंतर्गत माघर बाइस कट्ठा के पास शनिवार की शाम बोलोरो के धक्के से मशरक जजौली के एक व्यक्ति की मौत हो गई । मृतक मशरक थाना क्षेत्र के जजौली गांव का बताया जा रहा है। पोस्टमार्टम के बाद उसका शव रविवार की सुबह में घर पहुंचा।

डॉ. तेजस्वी नंदन और भाजपा नेता राहुल ने बचाई पत्रकार धीरज के बच्चे का जान

प्रातः किरण संवाददाता

गया। गया शहर के एक चैनल के पत्रकार धीरज सिन्हा के भतीजा का खेलने के दौरान हाथ का छोटा घड़ी के बैटरी नाक में जाकर फंस गई। इसके बाद आनन-फानन में पत्रकार धीरज सिन्हा ने अपने भतीजा को लेकर मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल चल गए, जहां हालात को गंभीर बताकर इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कर लिया गया और वहां के डॉक्टर ने बैटरी को दिमाग में फंस जाने की बात कह कर ऑपरेशन करने की बात करने लगा। मगध मेडिकल का डॉक्टर ने बॉन्ड भरने की जल्दबाजी करने लगे और कहने लगा कि बच्चा का जान नहीं बच पाएगा। बेहोशी करेंगे और ऑपरेशन होगा तब ही जान बच सकता है। इसके बाद पत्रकार धीरज सिन्हा को कुछ समझ में नहीं आया और ईएनटी डॉक्टर सुजीव कुमार को तकरीबन 5 बार कॉल किया, लेकिन कॉल रिसिव नहीं कर पाए। इसके बाद पत्रकार धीरज सिन्हा को कुछ समझ में नहीं आया और मगध मेडिकल अस्पताल से अपने भतीजा को बिना इलाज कराये वहां से निकलने लगा तो मेडिकल परिसर में कई दलाल यहां तो कोई यहां डॉक्टर के यहां भर्ती कराने की बात करने लगा है। इसके बाद पत्रकार धीरज सिन्हा ने उन लोगों को डाट भटकार लगाया। फिर वहां से पत्रकार धीरज सिन्हा ने रात तकरीबन 1 बजे जिलाधिकारी आवास के समीप डॉ0 रतन कुमार के पास पहुंचे, लेकिन डॉक्टर साहब नहीं होने का बात कहकर गेट नहीं खोला गया। जिसके बाद पत्रकार धीरज सिन्हा का पूरा परिवार परेशान में था और मगध मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर ने जिस तरह से जवाब दिया था उससे और परिवार टेंशन में हो गया, इसके बाद सड़क पर परिवार खड़े थे लेकिन भगवान के रूप में भाजपा नेता राहुल रंजन अपने परिवार के साथ पंडाल एवं मूर्ति भर्मण करने के लिए निकले थे। पत्रकार धीरज सिन्हा को खड़ा देखा तो उन्होंने अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी को रोक दिया और हाल-चाल पूछने लगे। इसके बाद पूरी बात को पत्रकार धीरज सिन्हा ने बताया, जिसके बाद कुछ देर के लिए भाजपा नेता राहुल रंजन परेशान हो गए और सोचने लगे कि इस बच्चे का जान हम कैसे बच्चा सकते है। उसने बाद रात 2 बज गयी और बिना कुछ सोचे समझे बिना कुछ विचार किये डॉ0 तेजस्वी नंदन के आवास पर कॉल किया तो मैडम ऑपरेशन में थी। 5 मिनट में बाद तुरंत डॉ0 तेजस्वी नंदन ने कॉल किया तो भाजपा नेता राहुल रंजन ने सारी बातों को बताया। इसके बाद राहुल रंजन ने डॉक्टर तेजस्वी नंदन से कहा कि मैडम जिसको भी फोन करना पड़े कीजिये... लेकिन इस बच्चे का जान बचा लीजिये।

स्वच्छ दिघवारा मिशन फेज 2 की हुई शुरूआत

प्रातः किरण संवाददाता

दिघवारा नगर।दिघवारा नगर पंचायत में स्थित रेलवे स्टेशन प्रांगण के समीप धर्मशाला में स्वच्छ दिघवारा युवा मंडल के स्वच्छ दिघवारा मिशन फेज- 2 की शुरूआत की गई.इस मौके पर मुख्य अतिथि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दिघवारा के प्रभारी डॉ रौशन कुमार तथा विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ पंकज कुमार सिंह रहे इस कार्यक्रम में मुख्य बाजार में लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया व साथ ही पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से वृक्ष वितरण कर दुकानदारों के अपने आसपास स्वच्छता बनाने व दुसरो को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का संकल्प पत्र दिया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता सामाजिक कार्यों में तत्पर रहने वाले श्री अनिल सिंह जी और कार्यक्रम का संचालन दीपक गुप्ता द्वारा किया गया।विदित हो कि वर्ष 2017 में इस युवा मंडल की स्थापना हुई और इस मंडल के युवाओं ने शहर की स्वच्छता व बेहतरी के लिए कोविड काल तक अपने अभियानों के माध्यम से ढेरों नजीर पेश किया है जैसे कि दिघवारा के पश्चिमी रेलवे फाटक के पास यूरीन डिस्चार्ज का एक बेहतरीन मॉडल अपने प्रयासों से लगाया था जिसकी ढेरों सराहना हुई थी।लेकिन कोरोना काल के वक्त से यह अभियान स्थगित हो चुका था।वर्तमान परिदृश्यों को देख कर पुनः युवा मंडल को सक्रिय करने हेतू आज युवा मंडल के तमाम सदस्यों एवं स्वयंसेवक साथ मिल कर स्वच्छ दिघवारा युवा मंडल के पुनः संगठित कर स्वच्छ दिघवारा मिशन फेज -2 की शुरूआत की गई और इस अभियान के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए दर्जनो दुकानदार भाईयों को एक शपथ पत्र दिया गया और एक पौधा प्रदान किया और उन सभी से यह आग्रह किया गया की आज से एक कोशिश करनी है कि आपने आस पास साफ सफाई बनाएं रखनी है और बाकी सभी को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करना है।

इस बैठक में मौजूद रहने वाले सदस्यों में रूपाली सिंह,विनोद कुमार, संजीव सिंह,अनिल कुमार,शुभम सिंह, डॉ पंकज कुमार साह आदि थे।

दुर्गा मां की पूजा में फूलों की बारिश, श्रद्धालुओं को पिलाया शरबत एवं ठंडा पानी

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। शहर के जामा मस्जिद के परिसर के पास दुर्गा के जयकारे मुस्लिम समुदाय के पैगाम इंसानियत शाहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान मुस्लिम समुदाय के द्वारा लगाए। श्रद्धालुओं के लिए ठंडा पानी मिठाइयां (शरबत) की सेवा की गई।

ऐतिहासिक शहर औरंगाबाद में शनिवार को दर्शन पर निकले ।भगवान धार्मिक सौहार्द और आपसी भाईचारे की गवाह शहर की जमा मस्जिद परिसर गवाह बनी। श्रद्धालुओं लोग का स्वागत में हिंदु, मुस्लिम समुदाय के लोगों ने स्वागत किया । ऐतिहासिक सोभा यात्रा पूरे औरंगाबाद होते हुए जमा मस्जिद के समीप पहुंचते ही मुस्लिम समुदाय के लोगों ने श्रद्धालुओं का जोरदार स्वागत किया। श्रद्धालुओं पर फूलों की बारिश यहां भगवान दुर्गा पूजा में फलों का प्रसाद भेंट किया। पैगाम में ए इंसानियत के जिलाध्यक्ष समाजसेवी मो शाहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान ने बताया कि ये काफी मुबारक दिन है। औरंगाबाद शहर अमन का शहर है यह सभी समुदाय के लोग मिलकर रहते हैं और एक दूसरे का सहयोग करते हैं या आपसी भाईचारा का कार्यक्रम है। आपकी भाईचारे के बीच सल्लू खान ने कहा कि मुस्लिम समुदाय के लोग हर साल दुर्गा पूजा का हिस्सा बनते आए हैं। औरंगाबाद शहर सदियों से आपसी भाईचारे का संदेश देता आया है। यहां सभी समुदाय के लोग एक-दूसरे के धार्मिक समेत अन्य आयोजनों में एकसाथ शिरकत करते आ रहे हैं। वहीं दुर्गा मां की पूजा में शामिल श्रद्धालुओं के बीच मुस्लिम समुदाय के सदस्यों ने एक दूसरे को गले मिलकर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने गुलाब का फूल माला पहनाकर कर स्वागत किया। इसी तरीके से आपसी भाईचारा बना रहे भद्र बनाए रखने का संदेश दिया। इस मौके पर वार्ड परिषद सिकंदर हयात ,राजेंद्र कुमार, भोलू खान, निजामुद्दीन खान,मुन्ना यादव,संजय गुप्ता समेत औरंगजेब खान मोहम्मद रईस मोहम्मद राशिद मोहम्मद इरफान वार्ड परिषद सुनील कुमार उर्फ छोटू चौधरी अनिल कुमार सिंह आशीष कुमार मोहम्मद परवेज अशोक स्वर्णकार पर वार्ड परिषद अशोक कुमार सिंह विपिन कुमार महादेव यादव संजय सोनी आदि सहित अन्य लोग इस मौके पर उपस्थित रहे शोभा यात्रा का सुरक्षा संभालने से पूरी तरीके से लगे रहे।

नवमी दशमी व एकादशी को हुई सडक दुर्घटना मे एक की मौत कई जख्मी

प्रातः किरण संवाददाता

गडहनी। शारदीय नवरात्र के अष्टमी एवं नवमी तिथि के रात्रि मे अलग-अलग स्थानो पर बाइक सवार हुए सडक हादसे का शिकार।यह उत्सवी माहौल गडहनी प्रखण्ड के लिए अमंगल साबित हुआ। लगातार दो दिनों में गांव के एक युवक की मौत हो गई तो जबकि अन्य दो युवक पटना के विभिन्न अस्पतालों में जीवन मौत की लड़ाई लड़ रहे हैं। नवयुवक की मौत से परिजनों के साथ ही गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया। दुर्गा पूजा का माहौल फीका पड़ गया। गांव के लोग अनहोनी के आशंका से सशंकित दिखते हैं।वाक्या गुरूवार और शुक्रवार की रात्रि की है।चरपोखरी की तरफ बाइक से मेला देखने जा रहे रंजीत कुमार पिता बिनोद सिंह उम्र (17) अपने साथियों के साथ सेमरांव होटल के समीप अनियंत्रित होकर खडे ट्रक मे टक्कर मार दी जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई वहीं गडहनी बाजार स्थित सहिला पुल के पास बलिगाँव के बाइक सवार अनियंत्रित होकर तीन युवक जख्मी हो गए जिसमे दो गम्भीर रूप से घायल हो गए।जख्मी पटना के अस्पताल मे जीवन मौत से जुझ रहे हैं।इसी दौरान रविवार के शाम मे सेमरांव के समीप बाइक सवार तीन युवक रोड एक्सीडेंट के शिकार होकर गम्भीर रूप से जख्मी हो गए। जिनका प्राथमिक उपचार गडहनी अस्पताल मे कराया गया।वहीं स्थिति को गम्भीर देखते हुए डॉक्टर ने आरा रेफर कर दिया।

मत्स्य गोष्ठी आयोजित मछुआरों को दी गई जानकारी

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय।माझी प्रखंड के घाघरा नदी पर रामघाट मंदिर पर गंगा नदी तंत्र में नदी पुनर्स्थापना कार्यक्रम (रिवर रैंचिंग)के तहत रविवार को मत्स्य गोष्ठी आयोजित किया गया इस गोष्ठी में अंगुलिका साइज का भारतीय कॉर्प का मत्स्य बीज को घाघरा नदी में प्रवाहित किया जाना है। उपस्थित मछुआरों के बीच यह संदेश दिया गया कि बिहार में कालांतर में नदियों के प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र पर मानव गतिविधियों और अविवेकपूर्ण मत्स्य दोहन एवं पर्यावरण प्रदूषण हावी होने के फल स्वरुप नदियों के मत्स्यकी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है इससे न केवल मत्स्य उत्पादन प्रभावित हुआ है बल्कि मूल मत्स्य प्रजातियों की विविधता अवांछनीय मछलियों की प्रजातियां में अभिवृद्धि तथा मत्स्य उत्पादन में अविश्वसनीय छति हुई है जिसका सीधा प्रभाव मछुआरों के आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति एवं नदियों के जल के गुणवत्ता पर पड़ा है बढ़ती आबादी के साथ गुणवत्ता युक्त मत्स्य प्रोटीन की मांग में अभिवृद्धि नदी मत्स्य संसाधन के सतत उपयोग संरक्षण तथा मछुआरों के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान को दृष्टिपथ में रखते हुए रिवर रैंचिंग कार्यक्रम की स्वीकृति प्रदान की गई है जिसके आलोक में भारतीय कार्प के अंगुलिका साइज मत्स्य बीज का घाघरा नदी में 3:50 लाख मत्स्य बीज का प्रवाह किया जाना है। भारतीय कार्पअंगुलिका साइज मछलियों का नदियों से शिकार ना किया जाए इसे बढ़ने -फलने फूलने दिया जाए नदियों में 4 सेंटीमीटर से कम के साइज का जाल का प्रयोग नहीं किया जाए स्थानीय मछलियों की प्रजातियों के जर्म प्लाज्म का पुनर्स्थापना एवं संरक्षण किया जाए। बिहार मत्स्य जलकर प्रबंधन अधिनियम 2006 के कंडिका 13 में खुले जल स्रोतों में मत्स्य उत्पादन एवं उत्पादकता को बनाए रखने के लिए निम्न पर प्रतिषेध घोषित है ।

गड़हनी पुरानी बाजार में विजयादशमी पर सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

गड़हनी(भोजपुर)।गड़हनी पुरानी बाजार में राहुल कुमार के अध्यक्षता में पूजा कमिटी के सभी समर्पित सम्मनित सदस्यों का सम्मान समारोह विजयदशमी के शाम सात बजे आयोजित की गई।संचालन रितेश कुमार ने किया।मुख्यातिथि नगर पंचायत गड़हनी के उपमुख्य पार्षद सुनय परमार उर्फ बब्लू सिंह ने सम्मान समारोह का उद्घाटन विधिवत फीता काटकर किया।मौके पर वार्ड पार्षद चंदन सोनी,उदयप्रताप सिंह,नीरज गुप्ता,सुमन चौरसिया, भोला केशरी,संजीत चन्द्रवंशी,देवेन्द्र यादव,समरजीत कुमार समेत उपस्थित सैकड़ों सदस्यों को अंगवस्त्र व फूलमाला से सम्मानित किया गया।

शरत-कालीन सत्र के दौरान विधान सभा के समक्ष होगा दो दिवसीय धरना

प्रातः किरण संवाददाता

दाऊदनगर (औरंगाबाद)। सिंचाई विभाग के मौसमी-दैनिक-वेतनभोगी कर्मचारी अपनी सेवा के नियमितीकरण एवं अन्य चौदह सत्री मांगों की पूर्ति हेतु अपनी राज्य कमिटी के आह्वान पर आगामी बिहार विधानसभा के शरत-कालीन सत्र के दौरान विधान सभा के समक्ष दो दिवसीय धरना देंगे जिसमें भाग लेने के लिए दाऊदनगर से सैंकड़ों मौसमी कर्मी पटना जाएंगे ! उक्त आशय का निर्णय आज यहां सिंचाई प्रमंडल कार्यालय,दाऊदनगर के प्रांगण में संपन्न हुई ह्लबिहार राज्य सिंचाई विभाग मौसमी-दैनिक-वेतनभोगी कर्मचारी यूनियनह्व की दाऊदनगर प्रमंडलीय कमिटी की बैठक में लिया गया । उक्त निर्णय के अलावा इस बैठक में मौसमी कर्मियों की सेवा नियमित करने हेतु पटना हाई कोर्ट में चल रहे मुकदमे को भी पूरी ताकत एवं गंभीरता से लड़ने का निर्णय लिया गया । इस बैठक में बतौर प्रेक्षक उपस्थित महासंघ (गोप गुट) के जिला सचिव- सत्येन्द्र कुमार ने उपस्थित मौसमी कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि-- ह्लसिंचाई विभाग के मौसमी कर्मचारियों को अपनी तबकागत मांगों के अलावा सिंचाई विभाग के विभिन्न कार्यालयों में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ भी अपना संघर्ष तेज करना चाहिए तथा जनता के द्वारा भ्रष्टाचार के खिलाफ किए जा रहे संघर्षों में अपना योगदान सुनिश्चित करना चाहिए ।ह्व उन्होंने हाल ही में खरांटी नहर पर झिकलाही में बनाए गए नए पुल को एक माह में ही ध्वस्त हो जाने के संबंध में स्थानीय ग्रामीणों द्वारा की गई शिकायत की जांच निगरानी अन्वेषण-ब्यूरो द्वारा कराने की मांग गंभीरता से उठाने का भी आह्वान किया । इसी तरह से उन्होंने मौसमी कर्मचारियों का यह भी आह्वान किया कि वे रडढ के नाम पर भ्रष्टाचार के नए दरवाजे खोलने वाले निर्णय के खिलाफ आम जनता के बीच जबरदस्त भंडाफोड़ अभियान चलाएं ताकि जनता यह जान सके कि रडढ से न तो किसानों को कोई फायदा है और न ही कर्मचारियों का ; बल्कि इससे सिर्फ और सिर्फ बड़े अफसरों,ठेकेदारों एवं बड़े नेताओं को ही फायदा होने वाला है । उन्होंने कहा कि यह रडढ मौसमी कर्मियों के लिए एक ह्यमौत का फरमानह्व की तरह है जिसका पूरी ताकत के साथ विरोध किया जाना चाहिए ।

इस बैठक में एक प्रस्ताव इस आशय का भी पारित किया गया कि आने वाले निकट भविष्य में सेवा के नियमितीकरण के अलावा अपनी तात्कालिक मांगों में शामिल अन्य विभिन्न मांगों ; जैसे-सेवा के नियमितीकरण होने तक सभी मौसमी कर्मियों को सालों भर काम की गारंटी करने, स्थानीय पदाधिकारियों द्वारा मौसमी कर्मियों के खिलाफ किए जा रहे शोषण-दमन-उत्पीड़न बंद कराने,सभी मौसमी कर्मियों को विभाग के स्तर से पहचान-पत्र निर्गत कराने, उन्हे वर्दी,टॉर्च, सिटी,साइकिल,छाता एवं कार्य से संबंधित अन्य उपकरण मुहैय्या कराने,मौसमी कर्मचारियों से स्थानीय पदाधिकारियों द्वारा सादा मास्टर-रॉल पर जबरदस्ती हस्ताक्षर कराकर उन्हें वेतन से वंचित कर देने की प्रवृति पर रोक लगवाने, उनके खाते में राशि भेजकर भी उनसे वापस राशि वसूल कर लेने की प्रथा बंद करवाने,मौसमी कर्मियों के साथ पदाधिकारियों द्वारा गुलामों जैसे किए जा रहे हैं।

हर्षोल्लास के साथ दुर्गापूजा हुआ संपन्न

प्रातः किरण संवाददाता

दरियापुर।स्थानीय प्रखण्ड क्षेत्र में पूरे हर्षोल्लास के साथ दुगार्पूजा संपन्न हो गया।पूजा के दौरान दर्जनों पूजा समितियों के द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया था। वहीं हर साल की तरह इस साल भी लोहछा विश्वंभरपुर पूजा समिति के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ही श्रवण कुमार नामक नाटक का मंचन कर समाज को संदेश दिया गया। निर्देशक सह शिक्षक नेता कमलेश कुमार ने बताया की इस नाटक के माध्यम से युवाओं के बीच उचित आचार,विचार और संस्कार का संदेश दिया गया है,जिससे समाज में फैल रहे विकृति को दूर किया जा सके।विदित हो की इस पूजा समिति के द्वारा हर साल समाज को एक अच्छा संदेश देने वाले नाटक का मंचन किया जाता है।जिसमे सभी स्थानीय छात्र एवम युवा भाग लेते है।

इसके साथ पुलिस प्रशासन के द्वारा भी काफी मुस्तैदी रखी गई थी।पूरे रात पुलिस सभी पंडालों का निरीक्षण करती रही।डेरनी थानाध्यक्ष प्रियंका कुमारी तथा अपर थानाध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह ने देर रात निरीक्षण के दौरान बताया की सभी प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल तैनात करने के साथ ही कई पूजा पंडालों में सिसिटिभी कैमरा लगाने के साथ ही सादे लिबास में भी महिला एवम पुरुष सिपाही की तैनाती की गई थी।जो हर स्थिति पर नजर बनाए रखी थी।अधिकांश प्रतिमाओं का शनिवार को विसर्जन हो गया जबकि शेष अन्य का सोमवार को किया जाएगा।पूजा समिति के सचिव सह सरपंच प्रतिनिधि लक्ष्मण शर्मा तथा कमलेश शर्मा समेत कई अन्य ने पुलिस प्रशासन को बधाई दिया।

मुंबई इंडियंस से जुड़ सकते हैं पारस म्हाम्ब्रे

टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम को कोचिंग दे चुके हैं

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कोच पारस म्हाम्ब्रे इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन में मुंबई इंडियन के साथ जुड़ सकते हैं। वे इस साल के अंत में होने जा रहे मेगा ऑक्शन में भी मौजूद रह सकते हैं। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि पारस जल्द ही ढ्ढक्क की सबसे सफल फ्रेंचाइजीज में शुमार स्ब्रु से जुड़ने वाले हैं, हालांकि फ्रेंचाइजी ने अब तक कोई अनाउंसमेंट नहीं की है। पारस 29 जून को टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम के बॉलिंग कोच रहे हैं। पारस म्हाम्ब्रे (थम्सअप कर रहे) टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का कोचिंग स्टॉफ।

राहुल द्रविड़ और विक्रम राठौर राजस्थाना के कोच

पिछले महीने राहुल द्रविड़ और विक्रम राठौर राजस्थान रॉयल्स के साथ जुड़ गए हैं। फ्रेंचाइजी ने 20 सितंबर को दोनों भारतीय कोच को अपने साथ जोड़ने का ऐलान किया था। द्रविड़ और राठौर की कोचिंग में भारतीय टीम ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। पारस म्हाम्ब्रे ने विक्रम राठौर और राहुल द्रविड़ के साथ भारतीय टीम को कोचिंग दी।

पारस खिलाड़ी से ज्यादा बतौर कोच सफल हुए

पारस म्हाम्ब्रे ने भारत के लिए 2 टेस्ट और 3 वनडे खेले हैं। उनका फर्स्ट क्लास करियर शानदार रहा, लेकिन इंटरनेशनल लेवल पर उन्हें ज्यादा कामयाबी नहीं मिली। पारस के बारे में कहा जाता है कि वे एक खिलाड़ी से ज्यादा प्रतिभाशाली कोच हैं।

मैंने दबाव और असफलताओं से निपटना सीख लिया है, शतकीय पारी के बाद बोले संजू सैमसन

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा कि उन्होंने शीर्ष स्तर की क्रिकेट में दबाव और असफलताओं के साथ जीना सीख लिया है तथा उन्होंने टीम प्रबंधन का भी आभार व्यक्त किया जिसने उन्हें विषम परिस्थितियों से बाहर निकलने और खुद को साबित करने के लिए एक और मौका दिया।

सैमसन ने अपनी योग्यता के साथ पूरा न्याय करते हुए बांग्लादेश के खिलाफ शनिवार को यहां टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला शतक जड़ा लेकिन इससे पहले का उनका सफर अच्छा नहीं रहा था। वह श्रीलंका के खिलाफ दो मैच में खाता भी नहीं खोल पाए थे जबकि बांग्लादेश के खिलाफ शुरुआती दो मैच में भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। सैमसन ने मैच के बाद कहा, 'श्रीलंका के खिलाफ दो मैच में खाता नहीं खोलने के बाद मुझे अगली श्रृंखला में मौका मिलने को लेकर थोड़ा संदेह था।

लेकिन उन्होंने (कोचिंग स्टाफ और कप्तान) मुझ पर भरोसा बनाए रखा। वे कहते रहे कि वे समर्थन करना जारी रखेंगे।

इस 29 वर्ष के खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि भारत की तरफ से खेलते हुए आप दबाव से मुक्त नहीं हो सकते। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि एक भारतीय क्रिकेटर के रूप में मानसिक रूप से आप बहुत कुछ झेलते हैं, खासकर इस प्रारूप (टी20) में। लेकिन मैंने दबाव और असफलताओं से निपटना सीख लिया है। मुझे लगता है कि इसका काफी श्रेय ड्रेसिंग रूम, नेतृत्व समूह, कप्तान और कोच को जाना चाहिए जिन्होंने मेरा समर्थन करना जारी रखा।

सैमसन ने कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने उन्हें बांग्लादेश श्रृंखला के दौरान सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाने के टीम प्रबंधन के फैसले के बारे में पहले ही बता दिया था। उन्होंने कहा, 'मैं भाग्यशाली था कि गौतम भाई, सूर्यकुमार (यादव) और अभिषेक नायर (सहायक कोच) ने तीन सप्ताह पहले ही मुझे सूचित कर दिया था कि बांग्लादेश के खिलाफ मैं पारी की शुरुआत करूंगा। इससे मुझे उचित तैयारी करने में मदद मिली।

सैमसन ने कहा, 'इसके बाद मैं राजस्थान रॉयल्स अकादमी में गया और मैंने वहां नई गेंद के गेंदबाजों के खिलाफ जमकर अभ्यास किया। इससे मुझे मदद मिली। मुझे लगता है कि मैं इस श्रृंखला में किसी भी अन्य श्रृंखला की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक तैयार होकर आया था। सैमसन ने कहा कि अपनी भूमिका को लेकर स्पष्टता से उन्हें अपने खेल को लेकर अधिक जागरूकता हासिल करने में मदद मिली। उन्होंने कहा, 'मैं अपने खेल को अच्छी तरह से समझता हूं कि मैं एक से लेकर छह नंबर तक किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी कर सकता हूं। मेरे पास बड़े शॉट लगाने के लिए जरूरी ताकत है और मेरी टाइमिंग भी अच्छी है। इसलिए यह सब मेरी भूमिका के अनुसार तैयारी करने से जुड़ा हुआ है।

सैमसन ने कहा, 'जब आप असफलताओं का सामना करते हैं तो यह कहना आसान होता है कि अगले मैच में मैं रन बनाऊंगा। लेकिन मैं जानता हूं कि मैं किस तरह का व्यक्ति हूं। मुझे अपनी तरह से सफल या असफल होना पसंद है। यह सब खुद के प्रति ईमानदार होने से जुड़ा है।

टेक्सास में युवा क्रिकेटरों को गुर सिखाएंगे सचिन तेंदुलकर

ह्यूस्टन (अमेरिका) (एजेंसी)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर टेक्सास में राष्ट्रीय क्रिकेट लीग फाइनल के दौरान एक विशेष क्रिकेट क्लीनिक में युवा क्रिकेटरों को इस खेल के गुर सिखाएंगे। यह क्रिकेट क्लीनिक डलास में टेक्सास विश्वविद्यालय में आयोजित

किया जाएगा जिसका उद्देश्य युवा क्रिकेटरों को प्रेरित करना और अमेरिका में जमीनी स्तर पर इस खेल को बढ़ावा देना है। तेंदुलकर ने रविवार सुबह होने वाले कार्यक्रम से पहले कहा, 'क्रिकेट ने मुझे बहुत कुछ दिया है और अब इसे वापस देने की मेरी बारी है। उन्होंने कहा,''मैं इन युवा खिलाड़ियों से मिलने और उन्हें यह बताने को लेकर उत्साहित हूं कि कड़ी मेहनत और जुनून से कुछ भी हासिल किया जा सकता है। राष्ट्रीय क्रिकेट लीग (एनसीएल) के अध्यक्ष अरुण अग्रवाल ने तेंदुलकर की भागीदारी के महत्व के बारे में कहा, 'यह क्रिकेट से भी कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। यह अपनी उम्मीदों और सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करने से जुड़ा है। सचिन जैसे व्यक्ति का इन युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देना बहुत मायने रखता है। एनसीएल से कई दिग्गज क्रिकेटर जुड़े रहे हैं जिनमें सुनील गावस्कर, वसीम अकरम और सर विवियन रिचर्ड्स भी शामिल हैं। राष्ट्रीय क्रिकेट लीग के इस सत्र में शाहिद अफरीदी, सुरेश रैना, शाकिब अल हसन और क्रिस लिन जैसे खिलाड़ियों ने भी अपनी सेवाएं दी। राष्ट्रीय क्रिकेट लीग को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का समर्थन हासिल है।

पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा जामनगर राजगद्दी के उत्तराधिकारी घोषित

53 की उम्र में बने नए जाम साहब

जामनगर(एजेंसी)। भूतपूर्व रियासत जामनगर के महाराजा और पूर्व क्रिकेटर शत्रुशल्यसिंह जडेजा ने शनिवार को दशहरा की पूर्व संध्या पर अपने भतीजे और पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा को राजगद्दी का उत्तराधिकारी घोषित किया। 53 वर्षीय जडेजा अब जामनगर के नए जाम साहब यानी नाममात्र के मुखिया होंगे। क्रिकेट के दिग्गजों के परिवार के रूप में जाने जाने वाले जडेजा के परदादा रंजीतसिंह और परदादा दुलीपसिंह जो दोनों पूर्व जाम साहब थे, के नाम पर ट्रॉफी रखी गई हैं। पूर्व नवानगर राज्य के नाममात्र के मुखिया शत्रुशल्यसिंह ने शनिवार को एक बयान में कहा, यह जामनगर के लिए सौभाग्य की बात है कि अजय जडेजा ने मेरा उत्तराधिकारी बनना स्वीकार किया है। अजय जडेजा को पिछले साल अफगानिस्तान क्रिकेट टीम का मेंटर नियुक्त किया गया था। अपनी खुशी की तुलना महाभारत के पांडवों से करते हुए शत्रुशल्यसिंह ने कहा, मैं भी उतना ही खुश हूं (जितना कि वे) क्योंकि मैं एक दुविधा से मुक्त हो गया हूं और इसके लिए जिम्मेदार व्यक्ति अजय जडेजा हैं। जडेजा दौलतसिंहजी के बेटे हैं, जो जामनगर लोकसभा सीट से तीन बार सांसद रहे थे। पोलैंड की अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वारसॉ में जामसाहेब दिग्विजयसिंह को एक स्मारक समर्पित की, जिन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान तत्कालीन नवानगर में 600 पोलिश बच्चों को शरण दी थी। 85 वर्षीय शत्रुशल्यसिंह दिग्विजयसिंह के बेटे हैं जिनके भाई प्रतापसिंह अजय जडेजा के दादा हैं। मई में पिछले लोकसभा चुनाव में जब क्षत्रिय आंदोलन ने भाजपा के लिए मुश्किल हालात

पैदा कर दिए थे, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जामनगर में चुनाव प्रचार के दौरान शत्रुशल्यसिंह से मुलाकात की थी। यह स्पष्ट रूप से समुदाय तक पहुंचने का प्रयास था। शत्रुशल्यसिंह का बचपन में ही तलाक हो गया था और उनके कोई बच्चे नहीं हैं। परिवार के पास महल, स्कूल और बेशकीमती आभूषणों का संग्रह है।

पूर्वजों के नाम पर रणजी और दलीप ट्रॉफी खेली जाती है – जाम साहब रणजीत सिंह के नाम पर ही भारतीय क्रिकेट की डोमेस्टिक टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी खेली जाती है। रणजीत सिंह के भाई जुवान सिंह के बेटे दलीप सिंह के नाम पर दलीप ट्रॉफी खेली जाती है। रणजी ट्रॉफी भारत की एक घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिता है। यह फर्स्ट क्लास क्रिकेट चैंपियनशिप है। राज्य क्रिकेट संघों का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमें इसमें हिस्सा लेती हैं। वहीं दलीप ट्रॉफी भारत में खेले जाने वाली घरेलू फर्स्ट क्लास क्रिकेट टूर्नामेंट है। इन दोनों टूर्नामेंट का आयोजन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) करता है। इस टूर्नामेंट में चार टीमें शामिल हुईं इंडिया ए, बी, सी, और डी खेलती हैं।

जाम साहब का इतिहास – जाम साहब नवानगर के शासक राजकुमार की उपाधि है, जो अब गुजरात में जामनगर है। जाम साहब राजपूतों के जाम जाडेजा वंश से थे। जाम रावलजी 1540 में नवानगर के पहले जाम साहब थे। उन्होंने कच्छ से प्रवास किया और हलार क्षेत्र में नवानगर की स्थापना की। इसमें 999 गांव शामिल हैं।

वनडे में 5 हजार से ज्यादा रन बना चुके हैं जडेजा – अजय जडेजा ने भारतीय क्रिकेट टीम की ओर से 1992 से 2000 के बीच 15 टेस्ट मैच खेले। उन्होंने चार अर्धशतकों की मदद से 576 रन बनाए। जडेजा ने टीम इंडिया के लिए खेले 196 वनडे मैचों में 5359 रन बनाए हैं। इनमें 6 शतक और 30 अर्धशतक शामिल हैं।

खराब फॉर्म में चल रहे बाबर आजम को एक और झटका

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर-रिपोर्ट

मुल्तान (एजेंसी)। मुल्तान में पहले टेस्ट में इंग्लैंड के हाथों पाकिस्तान की शर्मनाक हार के बाद पूर्व कप्तान बाबर आजम को टीम से बाहर कर दिया गया है, एक रिपोर्ट ने इसकी पुष्टि की है। पिछले कुछ महीनों में बाबर सभी प्रारूपों में बेहद खराब फॉर्म में हैं। पहले टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ दो पारियों में उन्होंने केवल 30 और 5 रन बनाए जबकि पिच बल्लेबाजों के लिए बिल्कुल अनुकूल थी। मुल्तान टेस्ट में पाकिस्तान की हार के कुछ घंटों बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एक नई चयन समिति का गठन किया, जिसने कथित तौर पर बाबर को दूसरे टेस्ट की टीम से बाहर करने का फैसला किया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार अलीम डार, आकिब जावेद और अजहर अली वाली चयन समिति ने बल्ले से खराब प्रदर्शन के कारण पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर को टीम से बाहर करने का फैसला किया है। कथित तौर पर चयन समिति ने शनिवार को पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के साथ-साथ पीसीबी द्वारा तीन साल के अनुबंध पर नियुक्त किए गए पांच सलाहकारों से मुलाकात की और टीम को अंतिम रूप दिया। यह विकास इस तथ्य के बावजूद हुआ है कि पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद ने बाबर को टीम का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज करार दिया था।

'उन्होंने बहुत उतार-चढ़ाव देखे हैं'

पूर्व क्रिकेटर चोपड़ा ने हार्दिक पांड्या के प्रदर्शन की तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर बांग्लादेश के खिलाफ भारत की टी20आई सीरीज में हार्दिक पांड्या के प्रदर्शन की प्रशंसा की। चोपड़ा ने व्यक्तिगत और पेशेवर चुनौतियों पर काबू पाने के बाद पांड्या की शानदार वापसी का उल्लेख किया। हैदराबाद में तीसरे टी20आई मैच में पांड्या ने 18 गेंदों पर 47 रन बनाकर भारत को 133 रनों की जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

भारत ने 297/6 का रिकॉर्ड स्कोर बनाया। इसके बाद भारत ने बांग्लादेश को 164/7 पर रोक दिया और 3-0 से सीरीज जीत ली। पिछले एक साल में पांड्या की रिकवरी पर जोर देते हुए चोपड़ा ने कहा, हार्दिक पांड्या प्लेयर ऑफ द सीरीज थे। उन्होंने अपने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में बहुत उतार-चढ़ाव देखे हैं, हूटिंग की गई - सब कुछ हुआ है।

पांड्या ने पूरी सीरीज़ में लगातार तेजी से रन बनाए और ज़्यादातर मैचों में 200 से ऊपर का स्ट्राइक रेट बनाए रखा। चोपड़ा ने उनकी आक्रामक बल्लेबाजी शैली पर प्रकाश डालते हुए कहा, तीनों मैचों में उनकी बल्लेबाजी, उन्होंने कम गेंदें खेली हैं, लेकिन हमेशा 200 से ऊपर की स्ट्राइक रेट के साथ। मुझे लगा कि वह बिल्कुल सनसनीखेज हैं।

ग्वालियर में पहले टी20आई में पांड्या ने 16 गेंदों पर नाबाद 39 रन बनाए। दिल्ली में उन्होंने 19 गेंदों पर 32 रन बनाए। चोपड़ा ने अपने प्रदर्शन में पांड्या के आत्मविश्वास और स्वभाव पर जोर दिया। चोपड़ा ने टिप्पणी की, उनका स्वैग अलग है। यह गुंडागर्दी जैसा था। उन्होंने कवर पर छक्का लगाया और लेग साइड पर बिना देखे एक हाथ से छक्का लगाया... वह अलग तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं। चोपड़ा ने इस तरह की आत्मविश्वास भरी बल्लेबाजी की दुर्लभ प्रकृति को देखते हुए अंत में कहा, यह लगभग गेंदबाजों का अपमान करने जैसा था, जैसे कि उनकी कोई हैसियत ही नहीं है।

ग्रीन की चोट बेनक्रॉफ्ट की टेस्ट टीम में वापसी का रास्ता साफ कर सकती है : टेलर

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर को लगता है कि ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन की चोट अगले महीने भारत के खिलाफ होने वाली प्रतिष्ठित बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में कैमरन बेनक्रॉफ्ट की टेस्ट क्रिकेट में वापसी का रास्ता खोल सकती है।

खबरों के मुताबिक ग्रीन अपनी पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर की सर्जरी के कारण भारत के खिलाफ पांच मैचों की आगामी टेस्ट श्रृंखला से बाहर हो सकते हैं। इस 25 वर्षीय तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर को पहले भी पीठ में चार बार स्ट्रेस फ्रैक्चर हो चुका है लेकिन 2019 के बाद से ऐसी कोई समस्या नहीं हुई थी। ग्रीन की अनुपस्थिति का मतलब है कि ऑस्ट्रेलिया को अपने बल्लेबाजी क्रम में फेरबदल करना होगा।

टेलर ने कहा, 'यह अजीब है, है न? कैमरन ग्रीन पिछले साल एशेज श्रृंखला के दौरान ऑस्ट्रेलियाई टीम से बाहर थे और मिचेल मार्श आए थे लेकिन ऑस्ट्रेलिया उन्हें वापस लाने के लिए बहुत उत्सुक था। इस साल की शुरुआत में डेविड वार्नर के संन्यास के बाद बेनक्रॉफ्ट को पारी का आगाज करने का दावेदार माना जा रहा था लेकिन चयनकर्ताओं ने ग्रीन को टेस्ट टीम में वापस बुला लिया और स्टीव स्मिथ से पारी की शुरुआत कराई गई। हालांकि अनुभवी बल्लेबाज स्मिथ ने सलामी बल्लेबाज के रूप में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया और टेलर का मानना ??है कि स्मिथ फिर से चौथे नंबर पर आ जाएंगे।

टेलर ने कहा, 'मुझे लगता है कि स्मिथ फिर से चौथे नंबर पर आ जाएंगे। तो सवाल यह है कि पारी की शुरुआत कौन करेगा? मैं दाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज को मौका मिलते हुए देखना पसंद करूंगा और फिलहाल मेरे हिसाब से... मैं (उस्मान) ख्वाजा के साथ बेनक्रॉफ्ट को भी शामिल करूंगा।

बैनक्रॉफ्ट को 2018 के गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण में उनकी भूमिका के लिए 9 महीने का प्रतिबंध झेलना पड़ा था और वह पिछले दो वर्षों से शेफील्ड शील्ड में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे हैं। टेलर को लगता है कि चयनकर्ता युवा सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास को भी बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए टेस्ट टीम में शामिल कर सकते हैं जिन्होंने शेफील्ड शील्ड में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो शतक लगाए थे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की श्रृंखला 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी।

विंबलडन से लाइन जज की खामोश विदाई

लंदन, एजेंसी। ऑल इंग्लैंड लॉन टेनिस क्लब ने बुधवार को घोषणा की कि विंबलडन 2025 से लाइन जजों की जगह इलेक्ट्रॉनिक लाइन कॉलिंग तकनीक का इस्तेमाल करेगा। घोषणा के बाद, 1982 से टूर्नामेंट में अंपायरिंग कर रही लाइन जज वेंडी स्मिथ बेहद दुखी हैं और उनका दावा है कि उन्हें टेनिस के मक्का को अलविदा कहने का मौका नहीं मिला। वेंडी ने द गार्जियन को बताया, यह सोचकर दुख होता है कि मेरे पास ऐसा पल फिर कभी नहीं होगा। मैं सेंटर कोर्ट पर नहीं खड़ी हो पाऊंगी। और मैं चाहती हूं कि वे हमें इस साल के टूर्नामेंट से पहले बता देते ताकि हमें अलविदा कहने का मौका मिलता। मैं हमेशा टेनिस से प्यार करूंगी, लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैं अब एक दर्शक के रूप में विंबलडन में जा पाऊंगी। वहां वैसा माहौल नहीं होगा। लाइव इलेक्ट्रॉनिक लाइन कॉलिंग (लाइव ईएलसी) के नाम से जानी जाने वाली आधिकारिक तकनीक सभी चैंपियनशिप और

क्वालीफाइंग मैच कोर्ट में लागू होगी और इसमें आउट और फॉल्ट कॉल शामिल होंगे जो पहले लाइन जजों द्वारा किए जाते थे। वेंडी ने आगे बताया कि समाचार में चौंकाने वाले बदलावों को सुनकर वह हतप्रभ हो गई थी। एक मानव लाइन जज इतना कुछ कर सकता है जो कंप्यूटर नहीं कर सकता। हम निश्चित रूप से टेनिस की परंपराओं को बनाए रखते हैं – मुझे लगता है कि हम कोर्ट को पूरी तरह से तैयार करके रखते हैं। और दर्शक खेल के बारे में बहुत कुछ सीख सकते हैं जब वे लाइन जज और चेयर अंपायर के बीच चर्चा देख सकते हैं। यह सब खो जाएगा। उन्होंने कहा, ऊइसलिए जब मैंने बुधवार को सुना कि टूर्नामेंट में हम लाइन जजों की जगह इलेक्ट्रॉनिक लाइन कॉलिंग की जा रही है, तो मैं हतप्रभ रह गई। यह और भी दुखद था क्योंकि मुझे तब पता चला जब समाचार में इसकी घोषणा की गई और मेरे फोन पर लोग यह पूछने लगे कि मैं कैसा महसूस कर रही हूं।

मयंक यादव ने टी-20 क्रिकेट में हासिल की विशेष उपलब्धि

हार्दिक-अर्शदीप-भुवनेश्वर के क्लब में हुए शामिल

नईदिल्ली, एजेंसी। युवा गेंदबाज मयंक यादव ने हैदराबाद में बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे टी20आई मैच में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। इस हाई-स्कोरिंग मैच में भारत ने अपनी पारी में 297/6 का प्रभावशाली स्कोर बनाया जिससे बांग्लादेश पर भी इसी तरह का प्रदर्शन करने का दबाव बना। महज 22 साल के यादव ने बांग्लादेश को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दूसरी पारी की पहली ही गेंद पर उन्होंने एक शॉर्ट बॉल फेंकी जिसने परवेज हुसैन इमोन को चौंका दिया।

इमोन ने बड़ा शॉट मारने का प्रयास किया लेकिन सही शॉट नहीं लगा पाए जिसके परिणामस्वरूप एक अजीब प्रयास हुआ। पहली स्लिप में तैनात पराग ने तेजी से अपने बाएं ओर कदम बढ़ाया और एक आसान कैच लपका। यादव का योगदान बांग्लादेश की पारी को गति पकड़ने से पहले सीमित करने में महत्वपूर्ण रहा। इस उपलब्धि के साथ मयंक टी20आई इतिहास में पारी की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले चौथे गेंदबाज बन गए। वह भारतीय क्रिकेटरों के एक विशिष्ट समूह में शामिल हो गए जिसमें हार्दिक पांड्या, अर्शदीप सिंह और भुवनेश्वर कुमार शामिल हैं। भुवनेश्वर कुमार ने अपने करियर में तीन बार यह उपलब्धि हासिल की है। एक अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धि में संजू सैमसन टी20आई शतक बनाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज बने। यह रिकॉर्ड बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी20आई के दौरान बनाया गया था। सैमसन ने 47 गेंदों पर 11 चौकों और आठ

छक्कों की मदद से 236.17 की स्ट्राइक रेट से 111 रन बनाए। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में संजू सैमसन का एक उल्लेखनीय रिकॉर्ड है, उन्होंने आठ पारियों में 66.33 की औसत और 162.44 की स्ट्राइक रेट से 398 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं। उन्होंने पूर्ण सदस्य टीमों के खिलाड़ियों द्वारा दूसरा सबसे तेज टी20आई शतक भी दर्ज किया। पूर्ण सदस्य टीम के खिलाड़ी द्वारा सबसे तेज टी20आई शतक दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर और भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के नाम है, दोनों ने 35 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

संक्षिप्त समाचार

बरसों से हल्के में लिया, बैलेट बॉक्स के जरिए यह बदला लेने का समय- राज ठाकरे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने दशहरे के मौके पर जोरदार भाषण दिया। उन्होंने मतदाताओं से आगामी चुनावों को अपने भविष्य पर नियंत्रण करने के अवसर के रूप में लेने की गुहार लगाई। उन्होंने इस उत्सव के अवसर को राजनीतिक परिवर्तन का सही समय बताया और और महाराष्ट्र के लोगों से शमी के पेड़ से हथियार हटा लेने की सीधी अपील की, जो युद्ध के लिए तैयार होने का प्रतीकात्मक संदर्भ है। उन्होंने कहा कि यह पॉलिटिकल क्लास से बदला लेने का वक्त है जो बरसों से उन्हें हल्के में लेता रहा है। पॉडकास्ट के जरिए लोगों को संबोधित करते हुए राज ठाकरे ने कहा, आज दशहरा है और यह साल के सबसे शुभ दिनों में से एक है। मैं आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। इस दिन हम पारंपरिक रूप से सोने के प्रतीक के तौर पर शमी के पेड़ की पत्तियों का आदान-प्रदान करते हैं। मगर, वर्षों से महाराष्ट्र की असली संपत्ति लूट ली गई है जबकि हम इन पत्तियों को आपस में बांटने में लगे हैं। अब ऐक्शन लेने का समय है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ राजनीतिक दल वास्तविक प्रगति देने में विफल रह हैं। ठाकरे ने नागरिकों से अपील की कि आगामी चुनावों में वे आत्मसंतुष्ट न हों। राज ठाकरे ने कहा, सड़कें और फ्लाईओवर का निर्माण करना वास्तविक प्रगति नहीं है। मोबाइल फोन और गैजेट्स होने से विकास नहीं हो जाता है। सच्ची प्रगति तो सामूहिक तौर पर समाज के उत्थान से होगी। इतने बरसों के बाद भी, हम राजनीतिक वर्ग के झूठे वादों में फंसे हुए हैं और अभी भी अंधेरे में टटोल रहे हैं। ठाकरे ने इस दौरान मतदाताओं को लोकतंत्र में उनकी शक्तिशाली भूमिका की याद दिलाई। उन्होंने भारतीय पौराणिक कथाओं के पांडवों के रूपक का भी इस्तेमाल किया, जिन्होंने अपने हथियार शमी के पेड़ पर छिपाकर रखे थे। ठाकरे ने गुहार लगाई कि वे चुनाव के दौरान अपने सबसे शक्तिशाली हथियार (अपने वोट) का इस बार सही ढंग से इस्तेमाल करें।

रूस में एमबीबीएस छात्रा की मौत, मध्य प्रदेश सरकार ने केंद्र से शव भारत लाने की अपील की

भोपाल। रूस में सड़क दुर्घटना में मध्य प्रदेश की रहने वाली एमबीबीएस छात्रा की मौत के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पीड़ित परिवार को आश्वासन दिया कि उनकी बेटी का पार्थिव शरीर वापस लाया जाएगा। छात्रा के परिवार ने प्रदेश सरकार से अंतिम संस्कार के लिए शव वापस लाने की अपील की थी। इसके बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार शव वापस लाने के लिए हर संभव मदद करेगी। एक अधिकारी ने बताया कि सीएम मोहन यादव ने राज्य गृह विभाग को निर्देश दिया है कि वह केंद्र सरकार से पीड़ित परिवार की मदद करने और शव लाने का अनुरोध करे। उन्होंने बताया कि विभाग ने विदेश मंत्रालय को पत्र लिखकर आवश्यक सहायता मांगी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सीएम मोहन यादव ने लिखा, मध्य प्रदेश सरकार ने रूस में अध्ययन कर रही कुमारी सृष्टि शर्मा के शव को भारत वापस लाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। परिवार के सदस्यों के अनुसार छात्रा के साथ यह दुखद घटना तब घटी जब कार का टायर अचानक गाड़ी से अलग हो गया, जिससे खिड़की खुल गई और छात्रा जमीन पर गिर गई।

कांग्रेस की हार के जिम्मेदार भूपेंद्र सिंह हुड्डा, वह कांग्रेस का नाश करेंगे : गुरनाम चढूनी

कुरुक्षेत्र, एजेंसी। किसान नेता और संयुक्त संघर्ष पार्टी के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी ने हरियाणा में कांग्रेस की हार के पीछे भूपेंद्र सिंह हुड्डा को जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले ही उन्होंने चेतावनी दी थी कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा कांग्रेस का नाश करेंगे और अब यह सच साबित हो गया है। चढूनी ने कहा कि हमें लोकसभा चुनाव में एक टिकट देने का वादा किया गया था, लेकिन बाद में भूपेंद्र सिंह मुकर गए। अगर वह अभय चौटाला के साथ समझौता करते और एक टिकट देते, तो उनकी पार्टी को हरियाणा में 9 सीटें मिल सकती थीं। उनके मुताबिक विधानसभा भूपेंद्र सिंह ने उनके साथ गद्दारी की। बोले, लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने मुझे फोन किया और कहा कि मुझे रोहतक सीट पर समर्थन कर दो। हालांकि, उन्हें पूरे हरियाणा के लिए बात करनी चाहिए थी।

केरल में हो रहे देश विरोधी अपराध, सीएम ने मुझे अंधेरे में रखा: राज्यपाल आरिफ मोहम्मद

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी।
केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सत्तारूढ़ वामपंथी सरकार पर अपने हमले तेज करते हुए शुक्रवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने राज्य में हो रहे 'देश विरोधी अपराधों' को लेकर उन्हें अंधेरे में रखा। राज्यपाल ने यह भी कहा कि अब तक मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक ''मुख्यमंत्री की इजाजत के बिना'' नियमित रूप से राजभवन आते रहे हैं और अब ''उनका और स्वागत नहीं किया जाएगा।''

खान ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक बयान में कई 'देश-विरोधी गतिविधियों' और 'राज्य-विरोधी गतिविधियों' शब्दों का इस्तेमाल किया, इसका मतलब यह है कि मुख्यमंत्री मानते हैं कि राज्य में 'देश विरोधी

अपराध' हो रहे हैं। राज्यपाल ने हाल ही में विजयन द्वारा उन्हें भेजे गए पत्र का हवाला देते हुए यह बात कही। खान ने कहा, ''देश विरोधी अपराध क्या है। यह किस तरह की गतिविधि है। क्या यह अधिक गंभीर नहीं है? क्या आपको (मुख्यमंत्री) मुझे जानकारी नहीं देनी चाहिए थी? क्या यह आपका कर्तव्य नहीं था? आप अपने कर्तव्य को निभाने में विफल रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि जब देश के खिलाफ ऐसे अपराध किए जाते हैं तो उन्हें राष्ट्रपति तथा केंद्र सरकार को सूचित करना पड़ता है और इसके लिए जानकारी होना जरूरी है। खान ने कहा, ''इसलिए, मैंने जानकारी मांगने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार भी नहीं किया। उन्होंने 27 दिन बाद इसका जवाब दिया, जब मैंने मुख्य सचिव और डीजीपी को बुलाया। लेकिन, उन्होंने (मुख्यमंत्री) कोई जानकारी नहीं दी।'' उन्होंने कहा, ''वह (मुख्यमंत्री) राजभवन नहीं आते और वह उन्हें (मुख्य सचिव और डीजीपी) आने की इजाजत नहीं देते क्योंकि कुछ न कुछ छिपाया जा रहा है। इसलिए कुछ तो गड़बड़ है।'' उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव और डीजीपी नियमित रूप से राजभवन आते रहे हैं। खान ने कहा कि मुख्य सचिव विधानसभा सत्र के दौरान अध्यादेश जारी करने भी आए थे। राज्यपाल ने कहा, ''मैंने कहा कि ऐसा करना सही नहीं है क्योंकि विधानसभा सत्र है और इसकी फिर से समीक्षा करनी चाहिए। मुख्य सचिव फिर आए और कहा कि यह ठीक है। इसलिए, मैंने इस पर हस्ताक्षर किए। इसलिए, वे उस समय मुख्यमंत्री की अनुमति के बिना आते रहे। अब उनका और स्वागत नहीं किया जाएगा।'' राज्य में जारी किसी भी कथित देश-विरोधी गतिविधियों के बारे में जानकारी मांगने के लिए खान द्वारा मुख्य सचिव और डीजीपी को तलब किए जाने के बाद राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच मतभेद बढ़ गया है।

डांस प्रोगाम के लिए आगरा बुलाकर बना लिया बंधक, गाजियाबाद की क्लब डांसर से 3 दिन तक दुष्कर्म

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद की रहने वाली एक युवती को 3 दिन तक आगरा के फतेहाबाद मार्ग स्थित राजकमल अपार्टमेंट (ताजगंज) में कथित तौर पर बंधकर बनाकर दुष्कर्म किया गया। उसे देह व्यापार में धकेलने की तैयारी थी। युवती ने किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचाई। पुलिस ने दबिश देकर आरोपी और उसकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित युवती शुक्रवार की रात बदहवास हालत में ताजगंज पुलिस के पास पहुंची थी। उसने पुलिस को बताया कि वह क्लब डांसर है। राजकमल अपार्टमेंट में रहने वाले विनय गुप्ता ने उसके मैनेजर से संपर्क किया और आगरा में डांस प्रोग्राम के लिए उसे बुलाया। वह 8 अक्टूबर को आगरा आई थी। विनय गुप्ता उसे अपने साथ फ्लैट पर ले गया। वहां उसकी पत्नी मीरा गुप्ता भी मौजूद थी। मीरा ने उसे चाय बनाकर दी। चाय पीने के बाद वह बेहोश हो गई।

नोएडा में पूर्व मेजर जनरल को डिजिटल अरेस्ट करने वाले 3 दबोचे, 2 करोड़ की ठगी के कहां तक जुड़े तार

नोएडा , एजेंसी।
नोएडा में रहने वाले सेना के एक रिटायर्ड मेजर जनरल को 4 दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर 2 करोड़ रुपये वसूलने वाले 3 साइबर ठगों को नोएडा पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपी राजस्थान के रहने वाले हैं। इन जालसाजों ने जिन बैंक खातों में ठगी गई रकम ट्रांसफर कराई थी, उन्हें भी फ्रीज करा दिया गया है।

एडिशनल डीसीपी साइबर क्राइम प्रीति यादव ने बताया कि नोएडा सेक्टर-31 में रहने वाले रिटायर्ड मेजर जनरल ने 27 अगस्त को डिजिटल अरेस्ट कर ठगी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि ठगों ने पुलिस और सीबीआई अधिकारी बनकर उन्हें विदेश भेजे जा रहे पार्सल में ड्रग्स समेत अन्य आपत्तिजनक सामान होने का डर दिखाया और उनसे रकम ट्रांसफर करवा ली। बैंक खातों की जांच में पता चला कि राजस्थान के जयपुर का एक गिरोह छात्रों और कर्मचारियों के खातों में ठगी की रकम ट्रांसफर करवाता है। इसके बदले खाता धारकों को कमीशन मिलता है। इसके बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई। टीम ने जयपुर के रहने वाले 30 वर्षीय कानाराम गुर्जर, अलवर के 22 वर्षीय ललित कुमार और 30 वर्षीय सचिन कुमार को गिरफ्तार कर लिया। इस गिरोह के सरगना राजकुमार को मुंबई पुलिस 2 अक्टूबर को ही गिरफ्तार कर चुकी है। एडिशनल डीसीपी के अनुसार, तीनों गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि उनके गिरोह के जालसाज वरिष्ठ नागरिकों और रिटायर्ड अधिकारियों को स्कॉइप कॉल कर डिजिटल अरेस्ट कर लेते हैं और उन्हें डराकर रकम ट्रांसफर करवाते हैं।

विदेश में बैठे सरगना राजस्थान के लोगों के खातों का ठगी में इस्तेमाल कर रहे : डिजिटल अरेस्ट कर ठगी करने वाले गिरोह के तीन जालसाजों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस को कई अहम जानकारियां मिली हैं। चीन, वियतनाम, संयुक्त अरब अमीरात और सिंगापुर में बैठे गिरोह के सरगना के निर्देश पर भारत में लोगों को डिजिटल अरेस्ट कर ठगा जा रहा है। ठगी की रकम राजस्थान के सीकर, जयपुर और अलवर में रहने वाले लोगों के खातों में ट्रांसफर कराई जा रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, जिन खातों में ठगी की रकम ट्रांसफर हो रही, उनमें से ज्यादातर राजस्थान के हैं। इसके बाद 15 जुलाई 2024 को राजस्थान के सीकर गिरोह का पर्दाफाश किया गया।

सरकार बनने पर हर जिले में होगा शिवाजी महाराज का मंदिर: उद्धव

भाजपा पर खूब बरसे उद्धव ठाकरे

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र की सियासत में दशहरा रैली हर साल राजनीतिक हलचल का केंद्र बनती है। इस बार भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। महाराष्ट्र की सियासत के दो प्रमुख चेहरे आज दो अलग-अलग जगहों पर रैलियों में शक्ति प्रदर्शन करते दिखे। एक तरफ मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे आजाद मैदान में जोरदार हुंकार भरते नजर आए, तो दूसरी तरफ शिवसेना यूबीटी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे शिवाजी पार्क में अपने कार्यकर्ताओं में जोश से भरे हुए दिखाई दिए।

मुंबई के शिवाजी पार्क में पार्टी की दशहरा रैली को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा, महायुति सरकार केवल वोटों के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति बनवाई और वह मूर्ति ढह गई, लेकिन मैं आपको बताना चाहता हूं और आपसे वादा करता हूं कि जब हम सत्ता में आएंगे तो महाराष्ट्र के हर जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज का मंदिर बनाएंगे। छत्रपति शिवाजी महाराज उनके लिए वोट बैंक हैं, लेकिन हमारे लिए वह भगवान हैं। वह (महायुति) कह रहे हैं कि हिंदुत्व को बचाने के लिए एक साथ आओ, आपने या मोदी ने पिछले 10 वर्षों में हिंदुत्व को क्यों नहीं बचाया?

दशहरा रैली के मंच से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर सीधा निशाना साधा। उद्धव ने अपने आक्रामक भाषण के दौरान कहा कि आरएसएस को आज की हाइब्रिड बीजेपी पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और आत्ममंथन करना चाहिए कि क्या वह अब भी इसके साथ सहमत है। उन्होंने कहा, भाजपा कौरवों की तरह है, जिससे अहंकार की बू आती है। मैंने भाजपा से इसलिए नाता तोड़ लिया क्योंकि मैं हिंदुत्व के उसके स्वरूप में विश्वास नहीं करता।

वहीं शिवाजी पार्क में दशहरा रैली को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने महाविकास अघाड़ी (एमवीए) पर जमकर निशाना साधा। शिंदे ने कहा, पहले सबको लग रहा था कि हमारी सरकार 2-3 महीने में गिर जाएगी लेकिन सरकार ने 2 साल पूरे कर लिए। अगर (महा विकास अघाड़ी) सरकार नहीं हटाई होती तो महाराष्ट्र बहुत पीछे रह जाता। मैंने बिना रगड़े 2 साल पूरे कर लिए। मुझे हल्के में नहीं लीजिए, मैं भगोड़ा नहीं हूं, कट्टर शिवसैनिक हूं और कट्टर शिवसैनिक मैदान नहीं छोड़ता। शिंदे ने कहा, पहले लोग बाला साहब से मिलने आते थे, कहते थे कि मुझे मुख्यमंत्री बना दो लेकिन अब आपके (उद्धव ठाकरे) साथियों को आपकी शक्ल पसंद नहीं है, तो फिर ये महाराष्ट्र कैसे चलेगा। हम जो फैसला ले रहे हैं उससे उनके काले धंधे बंद हो गए हैं। हम फेसबुक लाइव नहीं बल्कि आमने-सामने काम कर रहे हैं। 1960 से शिवसेना हर साल दशहरे पर अपनी दशहरा रैली का आयोजन करती आई है, जिसकी शुरुआत शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे ने की थी। यह रैली शिवसेना की राजनीतिक रणनीति का अहम हिस्सा रही है।

इसका अंत अच्छा नहीं, एलन मस्क के ओपटीमाउस रोबोट पर कैसा है फैंस का रिएक्शन इंसानों की तरह करता है काम!

अमेरिका एजेंसी। टेस्ला ने हाल ही में ह्यूमेनॉइड रोबोट ओपटीमाउस को दुनिया के सामने पेश किया है। एलन मस्क का इस रोबोट को लेकर कहना है यह वह सब कर सकता है जो इंसानी दिमाग सोच सकता है। मस्क ने हाल ही में कहा कि ऑप्टिमस का लेटेस्ट वर्जन अब ÷कुछ भी कर सकता है÷, जो हमें भविष्य में एक अधूरा कदम देता है जहां रोबोट वह सब कुछ करने में सक्षम हो सकते हैं जो आप कर सकते हैं। कपड़े धोने से लेकर, कुत्ते को घुमाने तक, आपकी पीठ खुजलाने तक, वह जगह जहां आप वास्तव में नहीं पहुंच सकते, वहां ये रोबोट पहुंचा सकता है।अब इस रोबोट को लेकर फैंस ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक यूजर ने लिखा, ब्लैक मिरर ने हमें अजीब तरीके से दिखाया है, रोबोट का युग शुरू हो गया है नियमों और शर्तों को समझे बिना आपके घर में एक रोबोट को रखना खतरनाक हो सकता है; कई एआई उत्साही और टिप्पणीकार रोबोट के प्रतिकूल प्रभावों के बारे में चिंतित हैं। दूसरे यूजर ने कहा, मैंने इस तरह की फिल्में देखी हैं, इसका अंत हमारे लिए अच्छा नहीं है, इस तरह की किसी चीज के पलटने और उसके मालिक को मारने से पहले उसके अच्छे इरादे थे। एक अन्य यूजर ने पूछा, इस एक बार खरीदने से पहले मैं बस सोच रहा था। मस्क ने कार्यक्रम में ऑप्टिमस के बारे में बताते हुए कहा, यह आपके बीच चलेगा,उन्होंने रोबोट की क्षमताओं के बारे में विस्तार से बताया, यह दावा करते हुए कि यह आपके कुत्ते को घुमा सकता है।

गाजा में सहायता पिछले कई महीनों में सबसे निचले स्तर पर : संयुक्त राष्ट्र

वाशिंगटन, एजेंसी।
पिछले लगभग एक साल से इजरायली हमले झेल रहे गाजा में खाद्य संकट चरम पर पहुंच रहा है। गाजा में संयुक्त राष्ट्र की ओर से पहुंचाई जाने वाली सहायता और खाद्य सामग्री कई महीनों में सबसे निचले स्तर पर है। सहायता आपूर्ति की कमी के कारण इस महीने गाजा में किसी को भी खाद्य सामग्री नहीं मिली है। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने बयान जारी कर दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) की रिपोर्ट के अनुसार उत्तरी गाजा में महत्वपूर्ण सहायता लाइनें कट गई हैं।

उन्होंने इस बात की जानकारी देते हुए कहा, संघर्ष झेल रहे गाजा में 1 अक्टूबर के बाद से कोई खाद्य सहायता नहीं पहुंची है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उत्तरी गाजा में मुख्य प्रवेश द्वार बंद कर दिए गए हैं और यदि संघर्ष जारी रहा तो उन तक पहुंचना संभव नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएफपी ने गाजा के उत्तरी हिस्से में अपने पास बची-खुची हुए खाद्य सामग्री को साझेदारों और नए

विस्थापित परिवारों को आश्रय देने वाले रसोईघरों में वितरित कर दिया है। लेकिन, यह खाद्य सामग्री बमुश्किल दो सप्ताह चलेगी। इलाके में पहले से चल रहे कई रसोईघर और बेकरी को बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। यदि संघर्ष इसी पैमाने पर जारी रहा तो अन्य को भी बंद होने का खतरा है।

इसके बाद उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, दक्षिण गाजा में भी स्थिति बहुत खराब है। खाद्य सामग्री का वितरण नहीं हो रहा है और बेकरियों को गेहूं का आटा जुटाने में संघर्ष करना पड़ रहा है, जिससे उन्हें किसी भी दिन बंद होने का खतरा है। हक ने कहा कि चुनौतियों के बावजूद, मानवीय संगठन अपनी पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं। इसमें यूएनआरडब्ल्यूए, फिलिस्तीनियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एजेंसी, और गैर-सरकारी संगठन साझेदार, निर्धारित आश्रय स्थलों में और उसके बाहर रोटी, पका हुआ भोजन साथ ही आटा वितरित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) के कर्मियों ने गुरुवार को डेर अल बलाह में अल रुफैदा के स्कूल में बनाए गए आश्रय स्थल का दौरा किया, जहां एक इजरायली हवाई हमले में महिलाओं और बच्चों सहित कई लोग मारे गए थे। मूल्यांकन दल ने तीन कक्षाओं, 20 टेंट, पांच बाथरूम, तीन पानी की टंकियों और 60 से अधिक परिवारों के सामानों के नष्ट होने या क्षतिग्रस्त होने का उल्लेख किया।

कराची एयरपोर्ट पर हमला कराने के पीछे किसकी थी साजिश रिपोर्ट में हो गया खुलासा

कराची। पाकिस्तान के कराची एयरपोर्ट के पास हाल ही में हुए धमाके से जुड़ी एक महत्वपूर्ण सूचना सामने आई है। हवाई अड्डे के पास हुए विस्फोट को लेकर संकेत मिला है कि हमले को एक विदेशी खुफिया एंजेसी की सहायता से अंजाम दिया गया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) द्वारा आतंकवाद विरोधी अदालत को सौंपी गई रिपोर्ट में कहा गया है कि आत्मघाती बम विस्फोट ने पाकिस्तान-चीन संबंधों को नुकसान पहुंचाने की साजिश के तहत चीनी इंजीनियरों को निशाना बनाया।

रविवार को बलूच विद्रोही समूह की तरफ से चीनी श्रमिकों के एक काफिले को निशाना बनाकर किए गए आत्मघाती हमले में दो चीनी नागरिकों की मौत हो गई और 17 लोग घायल हो गए। रविवार रात जिन्ना अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के पास हुए विस्फोट में संदिग्ध आत्मघाती हमलावर भी मारा गया। प्रारंभिक रिपोर्ट में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए)

की पहचान हमले में शामिल होने के रूप में की गई है और संकेत दिया गया है कि हमले को एक विदेशी खुफिया एजेंसी की सहायता से अंजाम दिया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे पता चलता है कि एक अज्ञात आतंकवादी ने विस्फोटक विस्फोट करने से पहले अपना वाहन चीनी नागरिकों के काफिले के करीब खड़ा किया था।

विस्फोट की आवाज सुनकर, पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और पुलिस और रेंजर्स के कर्मियों सहित घायल लोगों को पाया। चीनी नागरिक शहर के बाहरी इलाके में पोर्ट कासिम इलेक्ट्रिक पावर कंपनी में काम कर रहे थे और घर लौट रहे थे जब उनके काफिले पर हमला हुआ। थाना प्रभारी की देखरेख में एयरपोर्ट थाने में मामला दर्ज किया गया है। सीटीडी की रिपोर्ट में अन्य मामलों के अलावा हत्या, हत्या का प्रयास, हमला, विस्फोटक सामग्री का उपयोग और आतंकवाद के आरोप शामिल हैं। इस हफ्ते की शुरुआत में, एक प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में पुष्टि की गई कि इस दुखद घटना में 70 से 80 किलोग्राम विस्फोटक शामिल थे। शुक्रवार को चीन ने कहा कि उसने कराची में घातक आत्मघाती बम हमले के बाद एक अंतर-एजेंसी कार्य समूह को पाकिस्तान भेजा है। 60 अरब अमेरिकी डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के तत्वावधान में हजारों चीनी कर्मी पाकिस्तान में कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। ईरान और अफगानिस्तान की सीमा से लगा बलूचिस्तान लंबे समय से चल रहे हिंसक विद्रोह का घर है। बलूच विद्रोही समूह पहले भी सीपीईसी परियोजनाओं को निशाना बनाकर कई हमले कर चुके हैं।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद

(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129